मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.6	25.1
जमशेदपुर	29.2	24.6
डालटनगंज	28.6	24.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● सोमवार, 02 अक्टूबर 2023 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 167

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

इंटरनेशनल

सुर्खियां

- चीन समर्थक मुइज बने मालदीव के राष्ट्रपति
- लंदन में 'महाभारत' का नाट्य मंचन शुरू
- अमेरिकी शहर फ्रेस्नो में भी जातीय भेदभाव पर बैन
- तुर्किये की राजधानी में आत्मघाती हमला

नेशनल

- भारत-अमेरिका संबंध चंद्रयान की तरह : जयशंकर
- भारत आई बांग्लादेशी दिलरुबा, मिला धोखा
- पीएम नरेंद्र मोदी सहित दिग्गजों ने उठाई झाड़ू
- अब सात अक्टूबर तक बदलें दो हजार के नोट

स्टेट

- हेमंत राज में पुलिस कर रही वसूली : बाबूलाल
- नक्सलियों ने मनाया स्थापना दिवस, वीडियो वायरल
- चांडिल डैम का जलस्तर बढ़ा, छह रेडियल गेट खोले
- बेरमो : हाथियों ने मचाया तांडव, 16 घर तोड़े

स्पोर्ट्स

- एशियाड : साबले को 3000 मीटर स्टीपलचेस में गोल्ड
- मुक्केबाज निकहत जरीन सेमीफाइनल में हारी
- स्क्वैश में भारत का दबदबा, मनगांवकर जीते
- हॉकी : भारत और द. कोरिया ने ड्रॉ खेला

बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव के कारण राज्य में भारी बारिश

राहत भी, आफत भी

शुभम संदेश टीम। रांची

बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से झारखंड में रविवार को भी झमाझम बारिश हुई. प्रदेश भर में नदियों का जलस्तर बढ़ गया. कई जगह मकान ध्वस्त हो गए. गिरिडीह जिले में डैम टूट गया. रांची में वर्षों बाद हरमू नदी उफान पर देखने को मिली. राजधानी के लालपुर इलाके में एक युवक नदी में बह गया. बोकारो जिले में एक मिट्टी की दीवार गिरने से चार साल की बच्ची की मौत हो गई. चास में एक मकान गिरने से दो बकरियों की मौत हो गई.

हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ जिलों में करीब आधा दर्जन से अधिक कच्चे मकान ढह गए. सिकिदरी घाटी में कोहरे की चादर देखने को मिली. वहीं, लगातार बारिश से प्रदेशभर में गर्मी से निजात मिली. जलापूर्ति व्यवस्था के लिए भी यह बारिश वरदान साबित हुई है. रूक्का, हटिया और कांके डैम सहित प्रदेशभर के विभिन्न डैमों में पर्याप्त पानी जमा हो गया. ऐसे में जलापूर्ति के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था हो गई. मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 5 दिनों तक बारिश जारी रहेगी. हर दिन अलग-अलग जिलों में बारिश का केंद्र होगा. रविवार सुबह 8.30 बजे तक सबसे अधिक बारिश बोकारो के तेनुघाट जिले में दर्ज की गई है. वहीं, रविवार शाम 5.30 बजे तक राज्य के चार जिलों में अच्छी बारिश हुई. रामगढ़ में सबसे अधिक 57 एमएम बारिश हुई. मूसलाधार बारिश से खेतों और जलाशयों की स्थिति सुधरी है.

राजधनवार का नौलखा बांध टूटा : गिरिडीह। राजधनवार का नौलखा डैम भारी बारिश के कारण टूट गया. बांध का पानी निचले इलाकों में फैल गया. इससे फसलों को काफी नुकसान हुआ है.

बोकारो के तेनुघाट में सबसे अधिक 113 एमएम बारिश दर्ज

▪ रांची में 40.2 एमएम बारिश हुई, डालटनगंज में 1 एमएम बारिश

आज तीन जिलों में ऑरेंज, 4 जिलों में येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने सोमवार को तीन जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है. इनमें लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा शामिल हैं. इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं, चार जिलों में ज्यादा बारिश की संभावना है. इसे लेकर गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार में येलो अलर्ट जारी किया गया है. रांची समेत अन्य जिलों में सोमवार को सामान्य बारिश की संभावना है.

इन जगहों पर हुई भारी बारिश

स्थान	बारिश (मिमी में)
तेनुघाट (बोकारो)	113.0
नंदाडीह (गिरिडीह)	93.4
पापुनकी (धनबाद)	88.2
चास (बोकारो)	88.2
परसाबाद (कोडरमा)	84.6
पंचेत (धनबाद)	84.4
बोकारो थर्मल (बोकारो)	81.8
गोमिया (बोकारो)	74.8

- एनएच-75 पर रातू थाना क्षेत्र के मलटोटी पुल के पास बना डायवर्सन बह गया
- रांची-डालटनगंज मार्ग बंद. ब्रांबे व रातू से रूट डायवर्ट किया जा रहा है

30 सितंबर तक औसत से 26% कम बारिश हुई थी

मॉनसून के दौरान इस साल 1 जून से 30 सितंबर तक राज्य में सामान्य से 26 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है. सामान्य तौर पर 1022.9 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 30 सितंबर तक सिर्फ 752 एमएम बारिश हुई. अगले 5 दिनों तक झारखंड के अलग-अलग जिलों में होने वाली बारिश से औसत रेनफॉल की स्थिति सुधरने के आसार हैं. राज्य के तीन जिलों में पिछले 24 घंटे में काफी बारिश रिकॉर्ड की गई है. बोकारो में 76.4 एमएम, धनबाद में 71.4 एमएम और रांची में 38.6 एमएम बारिश हुई है. सबसे कम 2 एमएम बारिश गढ़वा जिले में हुई है.

रांची : वर्षों बाद उफान पर हरमू नदी

रांची। 30 घंटे लगातार हुई बारिश ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया. बारिश की वजह से राजधानी की लगभग सभी सड़कें जलमग्न हो गईं. किशोरगंज-हरमू रोड, करमटोली चौक, बरियातू-बूटी रोड, हरिहर सिंह रोड में जल जमाव के कारण राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी हो रही है. शहर में लुप्त हो रही हरमू नदी भारी बारिश के बाद वर्षों बाद उफान पर है. लंबे समय बाद लोगों ने इस नदी में पानी के वेग को देखा है.

किस डैम का कितना जलस्तर

डैम	24 सितंबर	1 अक्टूबर	क्षमता
▪ रूक्का	27.03	30.00	36
▪ हटिया	27.00	28.00	38
▪ कांके	20.07	24.00	28 फीट

दैनिक 'शुभम संदेश' की खबरों पर राज्यपाल ने लगाई मुहर

'राज्य के विश्वविद्यालयों में नासूर बन चुका है भ्रष्टाचार'

नमिता तिवारी (भाषा)। रांची

राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में नासूर बन चुका भ्रष्टाचार सभी समस्याओं की जड़ है. इन संस्थाओं से सभी अनियमिताओं को समाप्त किया जाएगा. अगले दो-तीन वर्षों में राज्य विश्वविद्यालयों में आमूल चूल सुधार किया जाएगा. उक्त बातें झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने समाचार एजेंसी को दिए गए विशेष साक्षात्कार में कहीं. बता दें कि दैनिक शुभम संदेश लगातार राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार के खेल को उजागर करता आ रहा है. अब राज्यपाल ने दैनिक शुभम संदेश की खबरों पर मुहर लगाते हुए विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार को नासूर करार दिया है. उन्होंने कहा कि मैं अपने सभी विश्वविद्यालयों को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का प्रयास कर रहा हूं. नासूर बन चुका भ्रष्टाचार सभी बुराइयों का मूल कारण है. मैं इसे खत्म करना चाहता हूं. झारखंड के किसी भी विश्वविद्यालय से फर्जी प्रमाणपत्र नहीं बन सकेंगे.

उन्होंने कहा कि राज्य संचालित किसी विश्वविद्यालय को देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालय की सूची में शामिल नहीं किया गया. मैं अपने स्तर पर पूरी कोशिश कर रहा हूं कि अगले तीन-चार साल में कम से कम पांच विश्वविद्यालय इस सूची में जगह बनाएं.

सही समय पर पढ़ूंगा लिफाफा : भाजपा ने सोरेन को विधानसभा से अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली याचिका दायर की थी. माना जाता है कि निर्वाचन आयोग ने 25 अगस्त 2022 को राज्य के तत्कालीन राज्यपाल रमेश बैस को अपना फैसला भेज दिया था. राज्यपाल ने कहा कि आयोग का फैसला मेरे पूर्ववर्ती (बैस) को एक सीलबंद लिफाफे में प्राप्त हुआ था. मैंने इसे पढ़ा नहीं है. उचित समय पर गौर करूंगा. बहुत सनसनीखेज मामलों से जल्दबाजी में नहीं निपटा जा सकता. आपको इसे ठीक से और पूरी तरह से समझना होगा. मैं ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहता, जिस पर सवाल खड़े हों. मैं कोई खराब मिसाल कायम नहीं करना चाहता.

भर्तियां न होने पर अफसोस

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि झारखंड सरकार से विश्वविद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए एक अलग सेवा आयोग बनाने को कहा है. राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2008 के बाद से राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की भर्ती के लिए कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया गया. उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि वर्ष 2008 के बाद से प्रोफेसर या सहायक प्रोफेसर के पदों पर कोई बड़ी भर्ती नहीं हुई और उनकी पदोन्नति भी रुकी हुई थी.

गलती का खामियाजा तो भुगतना ही पड़ता है

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कथित संलिप्तता वाले खनन पट्टा मामले का जिक्र करते हुए रविवार को कहा कि हर किसी को अपनी गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ता है. कहा कि हर किसी को अपने कर्मों का परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए. सोरेन द्वारा कथित तौर पर शक्ति का दुरुपयोग कर स्वयं को पत्थर खनन पट्टा आवंटित किए जाने को लेकर विवाद है. राज्यपाल ने कहा कि हम ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते, जिससे राज्य में राजनीतिक अशांति पैदा हो और इसके विकास को नुकसान पहुंचे. यदि किसी से कोई गलती होती है, तो उसे परिणाम भुगतना पड़ता है.

मैं वीसी के चयन में हस्तक्षेप नहीं करता

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मैं विश्वविद्यालयों कुलपतियों के चयन में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करता हूं. यह पूरी तरह से पारदर्शी है. मैं सिस्टम के अनुसार ही काम करता हूं. हम उचित कुलपतियों को नियुक्त करने की कोशिश कर रहे हैं. क्योंकि वे इस क्षेत्र में अग्रणी हैं. हम राजभवन से उनकी निगरानी कर रहे हैं. उन्होंने मौजूदा शोध गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में सुधार लाना राजभवन की प्राथमिकता है. इसके लिए सभी राज्य विश्वविद्यालयों को एक विजन दस्तावेज और 2035 तक की रणनीति तैयार करने के लिए कहा गया है.

आरक्षण के खिलाफ नहीं पर 77% आरक्षण वाला विधेयक मंजूर नहीं कर सकता

पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों को खारिज करते हुए राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि वह आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं पर संविधान का संरक्षक होने के नाते मैं वह झारखंड में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को नौकरियों में 77 प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव वाले विधेयक को मंजूरी देने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा आरक्षण को लेकर तय की गई 50 प्रतिशत की सीमा संबंधी दिशा-निर्देश का उल्लंघन नहीं कर सकता.

किसने क्या कहा

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग राज्य बनना चाहिए. मेरठ इसकी राजधानी बने. मैं लंबे समय से यह चाहता हूं. -संजीव बालियान
- मेरी राय है कि 10 साल में सरकार बदलनी चाहिए. फिर चाहे वो कांग्रेस पार्टी की सरकार ही क्यों न हो. -पी. चिदंबरम
- राज ठाकरे का टोल को लेकर आंदोलन सिर्फ पैसे के लिए होता है. सेटलमेंट होने के बाद आंदोलन बंद हो जाता है. -अबू आजमी

सर्राफा

सोना (बिक्री)	54,500
चांदी (किलो)	74,000

ब्रीफ खबरें

माकन बने कांग्रेस के नए राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को पवन कुमार बंसल की जगह अपने वरिष्ठ नेता अजय माकन को नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया. माकन को राहुल गांधी का करीबी व विश्वासपात्र माना जाता है. कुछ महीने पहले राजस्थान के प्रभारी कांग्रेस महासचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद से उनके पास कोई पद नहीं था. कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी.

रामबन : 300 करोड़ की कोकीन जब्त

बनिहाल/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए 30 किलो कोकीन बरामद की है. इसकी कीमत 300 करोड़ रुपये है. जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने बताया कि रात करीब साढ़े 10 बजे पंजाब के जालंधर निवासी सरबजीत सिंह और फगवाड़ा के हनी बसरा के पास से कोकीन बरामद की.

तेलंगाना में बनेगी ट्राइबल यूनिवर्सिटी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दक्षिण भारत के राज्य तेलंगाना के दौरे पर पहुंचे. इस दौरान उन्होंने राज्य में सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की. पीएम ने महबूब नगर जिले में राज्य के लिए सड़क, रेल, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस और उच्च शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 13500 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया.

एशियन गेम्स भारतीय खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन, पदक तालिका में चौथे नंबर पर पहुंचा भारत

भारत को मिले तीन और गोल्ड, स्टीपलचेस में रचा इतिहास

भाषा। हांगझोउ

एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा. अविनाश साबले एशियाई खेलों में पुरूषों की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरूष बन गए जबकि पुरूषों के शॉटपुट में तेजिंदर पाल सिंह तूर ने आखिरी थ्रो पर बाजी मारते हुए अपना खिताब बरकरार रखा. उधर, भारतीय ट्रैप पुरुष निशानेबाजों ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया. रविवार को भारत ने कुल तीन स्वर्ण पदक जीते.

29 वर्ष के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी साबले ने हांगझोउ खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया. उन्होंने 8 : 19 . 50 सेकंड में रेस पूरी की. उन्होंने 8 : 22 . 79 सेकंड का एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा जो 2018 जकार्ता खेलों में ईरान के हुसैन केहानी ने बनाया था. सुधा सिंह ने 2010 ग्वांग्झू एशियाई खेलों में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था.

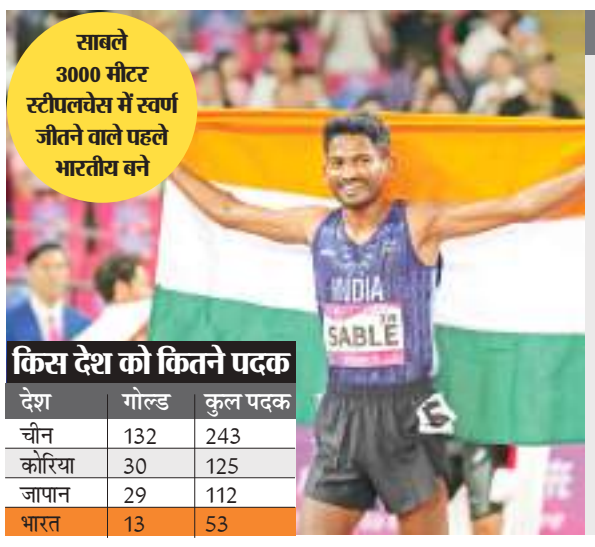

किस देश को कितने पदक

देश	गोल्ड	कुल पदक
चीन	132	243
कोरिया	30	125
जापान	29	112
भारत	13	53

तूर को आखिरी थ्रो ने दिलाया गोल्ड

शॉटपुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर ने पहले दो प्रयास में फाउल करने के बाद तीसरे प्रयास में 19 .51 मीटर का थ्रो लगाया. उनका चौथा थ्रो 20 . 06 मीटर का रहा लेकिन पांचवां थ्रो फिर फाउल हो गया. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास आखिरी थ्रो पर 20 .36 मीटर था जिसने उन्हें स्वर्ण पदक दिलाया. तूर ने जकार्ता खेलों में 20 .75 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा हासिल किया था.

निशानेबाजों का अब तक का बेस्ट प्रदर्शन

भारतीय ट्रैप निशानेबाजों ने एशियाई खेलों में निशानेबाजी के आखिरी दिन को यादगार बना दिया. पुरुष टीम ने स्वर्ण और महिला टीम ने रजत पदक जीता. हालांकि, व्यक्तिगत वर्ग में सिर्फ कीनान चेनाई ने कांस्य पदक हासिल किया. आखिरी दिन मिले तीन पदकों के बाद भारतीय निशानेबाज सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य समेत 22 पदक लेकर लौटेंगे जो एशियाई खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. पुरुष टीम वर्ग में पृथ्वीराज तोडइमान, काइनन चेनाई व जोरावर सिंह ने क्वालीफिकेशन में एशियाई खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता.

सुदेश कुमार महतो फिर चुने गए आजसू पार्टी के अध्यक्ष

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो एक बार फिर ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के अध्यक्ष चुने गए हैं. उन्हें मोरहाबादी मैदान में

आयोजित आजसू पार्टी के तीन दिवसीय महाधिवेशन के अंतिम दिन रविवार को सर्वसम्मति से यह जिम्मेदारी दी गई. सुदेश महतो और पार्टी ने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के पूर्व एक बार फिर से झारखंडी अस्मिता का कार्ड खेला है. पार्टी ने सरना धर्म कोड से लेकर वृहद झारखंड देने का संकल्प लिया है. इसके साथ ही आदिवासी, दलित, ओबीसी और अलपसंख्यक कार्ड खेलते हुए इन्हें आकर्षित करने की तैयारी की है.

सुदेश महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को निशाने पर लेते हुए उन्हें छद्म आदिवासी सीएम करार दिया. साथ ही हेमंत सोरेन के आदिवासी दर्शन की अपने तरीके से व्याख्या भी कर डाली. सुदेश ने कहा कि हेमंत सोरेन का आदिवासी दर्शन क्या है. हेमंत सोरेन ने आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़ों को छला है.

आदिवासी समाज के वीरों के सपनों को हाशिये पर छोड़ा है. सोरेन का आदिवासी दर्शन सत्ता के भागीदारों को पांच किलो चावल और धोती-साड़ी देकर उन्हें हाशिये पर रखना है. सुदेश महतो का आदिवासी दर्शन क्रांतकारी सिदो- कान्हू, वीर बिरसा, बुधु भगत, जयपाल सिंह, टाना भगत हैं.

बीआईटी मेसरा में धूमधाम से मनाया गया 33वां दीक्षांत समारोह

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने प्रदान की 2818 डिग्रियां

संवाददाता। रांची

बीआईटी मेसरा में रविवार को 33वां दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. 2023 के स्नातक बैच के लिए, पीएचडी, पीजी, यूजी और डिप्लोमा श्रेणियों के तहत 2818 डिग्रियां प्रदान की गईं. समारोह में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे. एक्सिलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और इन्फोसिस के सह-संस्थापक, पद्म भूषण सेनापति कृष्ण गोपालकृष्णन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष सीके. बिरला जी और जनरल काउंसिल, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, अकादमिक काउंसिल के सदस्य और संस्थान के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना शामिल रहे. वास्तुकला एवं योजना विभाग से दीप्तम दास, बायोटेक्नोलॉजी विभाग से अनिरुद्ध अरुण उपाध्याय, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग से जसलीन कौर, केमिकल-प्लास्टिक और पॉलिमर विभाग से हिमांशु कुमार, सिविल इंजीनियरिंग विभाग से सौम्या झा, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग से कोमल कुमारी, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग से तरनजीत सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग से महावादी शशांक, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग से कपिल कुंगवानी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से अमन सिंह, प्रोडक्शन इंजीनियरिंग विभाग से आयुष त्रिपाठी, होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग टेक्नोलॉजी से श्रिया मनकोटिया, फार्मेसी विभाग से अदिति सिन्हा , बिजनेस एवं एडमिनिस्ट्रेशन विभाग से अनमोल अग्रवाल, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग से ईशा गुप्ता, एनीमेशन और मल्टीमीडिया विभाग से सिद्धार्थ सैनी और मीडिया लैब टेक्नोलॉजी विभाग से पूनम कुमारी को उनके संबंधित पाठ्यक्रमों में निरंतरता और कड़ी मेहनत के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया.

कुलपति-प्रोफेसर ने गतिविधि रिपोर्ट पर विचार-विमर्श किया

कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने संस्थान की गतिविधि रिपोर्ट पर विचार-विमर्श किया, जहां उन्होंने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला. प्रोफेसर मन्ना ने दीक्षांत समारोह में बताया कि बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा को एनएएसी द्वारा ग्रेड ए से सम्मानित किया गया है. संस्थान ने स्थानीय समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने का भी लगातार प्रयास किया है. इस प्रतिबद्धता में जब भी संभव हो, मानवीय सहायता, शिक्षा और चिकित्सा सहायता प्रदान करना शामिल है. वर्ष 22-23 में 29 .82 करोड़ की कुल 64 अनुसंधान अनुदान और 16 परामर्श परियोजनाएं स्वीकृत की गईं. बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष सीके बिरला ने संस्थान के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्य अतिथि सेनापति क्रिस गोपालकृष्णन, कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना, संकाय, कर्मचारी, डिग्री प्राप्तकर्ता, माता-पिता, पूर्व छात्र, छात्र और मीडिया का गर्मजोशी से स्वागत किया. उन्होंने स्नातक पूरा कर लेने वाले छात्रों को बधाई दी और उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए माता-पिता, शिक्षकों और गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने छात्रों के लिए शिक्षक, मार्गदर्शक, संरक्षक और मित्र के रूप में संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया .

राज्यपाल ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति की प्रशंसा की

झारखंड के राज्यपाल और संस्थान के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की और स्नातक छात्रों को बधाई दी. अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति की प्रशंसा की. उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान योगदान के लिए बीआईटी मेसरा की सराहना की और विज्ञान आउटरीच, रक्तदान अभियान, स्कूली बच्चों को सलाह देने और ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने सहित कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) के प्रति बीआईटी मेसरा की प्रतिबद्धता की सराहना की. उन्होंने भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण उपलब्धियों और नई शिक्षा नीति, एन.ई.पी. को अपनाने पर प्रकाश डाला. अंत में कुलाधिपति ने स्नातकों को बधाई दी, उनसे संस्थान की विरासत को जारी रखने का आग्रह किया, और संस्थान की सफलता में उनके योगदान के लिए संकाय और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया. समारोह के मुख्य अतिथि और इंफोसिस के सह-संस्थापक, पद्म भूषण श्री सेनापति कृष्ण गोपालकृष्णन ने इस दीक्षांत समारोह में विशेष पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ-साथ इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संकाय सदस्यों को बधाई दी. उन्होंने संस्थान को उनके भविष्य को आकार देने और उनके चुने हुए क्षेत्र में एक सफल करियर के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के कार्य के साथ बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा को सौंपने के लिए प्रत्येक स्नातक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज से छात्रों ने एक छात्र से राष्ट्र में योगदानकर्ता होने के लिए संक्रमण किया है। उन्होंने सभी को राष्ट्र के विकास में मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्नातक करने वाले छात्र व्यवसाय मॉडल विकसित करने और नए उद्यम शुरू करने के लिए नई तकनीक को अपनाएं और कैसे भारत अब उद्यमिता में नए अवसरों के लिए खुला है.

ब्रीफ खबरें

फिजिकल एकेडमी ट्रेनिंग का शुभारंभ

मनोहरपुर। मनोहरपुर फिजिकल एकेडमी द्वारा रविवार को मनोहरपुर के गोपीपुर स्टेडियम में फिजिकल ट्रेनिंग का शुभारंभ किया गया. बतौर मुख्य अतिथि बरंगा के मुखिया ओनामी कोड़ा व विशिष्ट अतिथि रेल सुरक्षा बल के एसआई जीएन मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया. मुखिया ओनामी कोड़ा ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि देश की सेवा करना महान कार्य है. उन्होंने युवा पीढ़ी को नशापान से दूर रहने को कहा. आरपीएफ के पुलिस अधिकारी जीएन मिश्रा ने युवाओं को मन लगाकर ट्रेनिंग करने को कहा. कार्यक्रम में नितेश कुमार महतो, बिमल किस्पोट्टा, डॉ. दिलीप कुमार महतो व अन्य मौजूद रहे.

एनएसएस ने बच्चों के बीच सामग्री वितरित

जमशेदपुर। अरका जैन विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई की ओर से प्राथमिक विद्यालय हरिसुन्दरपुर में शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें स्कूल के बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री वितरित की. विश्वविद्यालय के निदेशक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं. शिक्षा के प्रति जागरूक एवं इन्हें सहयोग करके इनके भविष्य को संवारा जा सकता है. एनएसएस को-ऑर्डिनेटर पारस नाथ मिश्रा ने कहा कि शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से विवि प्रबंधन ग्रामीण बच्चों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है और बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए लगन के साथ पढ़ाई के लिए प्रेरित कर रहा है.

ब्लू बेल्स स्कूल में योग शिविर शुरू

आदित्यपुर। रविवार को ब्लू बेल्स एकेडमी आदित्यपुर में परम पूज्य स्वामी जी और आचार्य जी द्वारा चार दिवसीय सर्व रोग निवारण योग शिविर का शुभारंभ हुआ. इसमें महिला पतंजलि योग समिति के झारखंड राज्य प्रभारी सुधा बहन शामिल हुई. प्रथम दिन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई. उसके बाद योगाभ्यास किया. इसमें सरायकेला खरसावां जिले के संरक्षक मंत्री नंदकिशोर झा और जिला प्रभारी रीता बहन ने महिलाओं को योगाभ्यास कराया. कार्यक्रम में जिला महामंत्री वीणा वर्णवाल, सोशल मीडिया प्रभारी पूजा पांडे व अन्य शामिल रहीं.

वर्गीकृत

स्वच्छता ही सेवा अभियान में स्कूल-कॉलेज के छात्रों ने लिया भाग

छात्र-छात्राओं ने की शहर की सफाई

संवाददाता । जमशेदपुर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को शहर व आसपास के क्षेत्रों में स्थित विभिन्न स्कूल-कॉलेजों में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया. अभियान के तहत स्कूल कॉलेजों में साफ-सफाई की गयी. कुछ स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों ने रैली निकाल कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया. जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में प्राचार्य डॉ अमर सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वहीं जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में प्राचार्य डॉ एसपी महालिक, एबीएम कॉलेज में प्राचार्य डॉ विजय कुमार पीयूष के मार्गदर्शन में आयोजन किया गया.

करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर मिडटाउन, कॉलेज की एनसीसी यूनिट व रोटरेक्ट क्लब जोहार एलबीएसएम मिडटाउन के सहयोग से इस अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता रैली निकाली. कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक झा ने रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. रैली कॉलेज के आसपास के विभिन्न मार्गों व मुहल्ले बस्तियों से होकर गुजरी. इस दौरान कैडेट्स ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया. शहर के विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों में भी बच्चों को स्वच्छता की जानकारी दी गयी.

केंद्रीय विद्यालय ने चलाया सफाई अभियान

बोकारो। शहर के सेक्टर-4 स्थित केंद्रीय विद्यालय नंबर वन में 1 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान का आयोजन हुआ. प्राचार्य मनोज कुमार ने हाथ में झाड़ लेकर कार्यक्रम की शुरुआत की. उन्होंने कहा कि साफ-सफाई की यह पहल मात्र सांकेतिक है परंतु आम जनता के बीच में इस सांकेतिक पहल का दूरगामी प्रभाव पड़ता है. स्वच्छता के महत्व को समझकर हम एक स्वस्थ, सुखद व समृद्ध समाज बना सकते हैं. अपने आस-पास के पर्यावरण को भी सुंदर बना सकते हैं. मौके पर किशन चातर, भवेश चंद्र सिंह, अरविंद कुमार, निशांत चौबे, सत्यव्रत कुमार आदि ने छात्रों का अलग-अलग समूह बनाकर विद्यालय परिसर व आस-पास सफाई की.

एनएसएस ने चलाया स्वच्छता अभियान

जमशेदपुर। महात्मा गांधी जयंती की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार की सुबह 10 बजे से 11 बजे तक एक घंटे स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया. इस अभियान का नाम "एक तारीख ,एक घंटा" रखा गया. इसमें करीम सिटी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने योगदान किया. कार्यक्रम में कोल्हान विवि के एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ दारा सिंह गुप्ता, कॉलेज के एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ आले अली, सैयद साजिद परवेज़ व अन्य शामिल हुए.

जुस्को स्कूल कदमा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन

जमशेदपुर। जुस्को स्कूल कदमा में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं व अभिभावकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों व स्कूल के विद्यार्थियों ने विद्यालय के आसपास के लगभग 500 स्क्वॉयर मीटर सड़क के दोनों तरफ के हिस्से को साफ किया. अभियान में स्कूल के 100 विद्यार्थी 50 शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं 100 अभिभावकों ने हिस्सा लिया. अभियान के दौरान स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान रखा गया. सफाई कार्य कर रहे सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों ने ग्लव्स व मास्क का प्रयोग किया. स्कूल की शिक्षिकाओं ने बताया कि स्कूल कदम हमेशा से ही सामुदायिक कल्याण की दिशा में कार्य करता रहा है. बच्चों को किताबों से हटकर जीवन के मूल्यों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध कराया जाता है. बच्चों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी के प्रति गंभीर बनने के प्रति प्रेरित किया जाता है. विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अभिभावकों ने एक साथ मिलकर एकता एवं सामुदायिक भावना के साथ इस अभियान को सफल बनाया.

आपकी बात

झारखंड में फिल्म निर्माण की असीम संभावनाएं हैं. बस राज्य सरकार को इसके लिए पहल करनी होगी

नाम : जयराम महतो
पेशा – लाइन प्रोड्यूसर
विशेषज्ञता – प्रोडक्शन
निवास – रांची

रांची के छोटे से गांव सोनाहातू में जन्मे जयराम महतो ने ना सिर्फ झारखंड बल्कि दिल्ली और मुंबई में अपनी मेहनत से एक खास पहचान बनाई है.

जयराम की प्रारंक्षिक शिक्षा-दीक्षा सोनाहातू में हुई और बुंडू हाईस्कूल से हाई स्कूल की परीक्षा पास की. स्कूल के दिनों से ही जयराम सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते रहते थे. नाटकों में अभिनय करते थे. उसके बाद रांची के संत पॉल स्कूल से 12वीं की परीक्षा पास की और इसी दौरान थिएटर का चस्का लगा. रांची में मुकुंद नायक और संजय लाल के साथ जुड़े और नागपुरी लोकनृत्य और थिएटर के क्षेत्र में काफी कुछ सीखा. इसी दौरान क्षितिज संस्था द्वारा लोहरदगा में आयोजित थिएटर वर्कशॉप में भाग लेने का मौका मिला और शकुंतला नाटक में प्रमुख भूमिका निभाई. इसके बाद जयराम ने दिल्ली का रुख किया और श्रीराम सेंटर ऑफ परफार्मिंग आर्ट में दो साल का डिप्लोमा 1999 में किया. इस दौरान इन्होंने सतीश आनंद, सुरेश शर्मा, विपिन कुमार, कीर्ति जैन, रामगोपाल बजाज और रॉबिन दास समेत कई दिग्गजों के साथ काम किया और नाटक की बारीकियां सीखीं. फिर ये पहुंचे माया नगरी मुंबई जहां निंबस से जुड़े जिसमें कहानी सात फेरों की और विनोद पांडे की मेरा हमसफर का हिस्सा बने.इस बीच झारखंड से भी जुड़े रहे और यहां फिल्म निर्माण की संभावनाओं में अपना योगदान दिया और इस दौरान बिरसा मुंडा की कहानी ,फौजी कॉलिंग और एके 47 समेत कई फिल्मों और वेब सीरीज के लिए लाइन प्रोडक्शन का काम किया, जो अभी भी जारी है. जयराम महतो का कहना है कि झारखंड में फिल्म निर्माण की असीम संभावनाएं हैं. बस राज्य सरकार को इसके लिए पहल करनी होगी.

डीएवी कपिलदेव में चला अभियान

रांची। डीएवी कपिल देव में रविवार को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया. अभियान के तहत विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों व छात्रों ने सामूहिक रूप से परिसर की साफ-सफाई की. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एमके सिन्हा ने स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और निरंतर सफाई करने पर जोर दिया.

चक्रधरपुर में स्कूलों ने निकाली रैली

चक्रधरपुर। गांधी जयंती से एक दिन पहले रविवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया. चक्रधरपुर के कई स्कूलों की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई. साथ ही पंचायत स्तर पर ही साफ-सफाई की गई. चक्रधरपुर के केंद्रीय विद्यालय की ओर से निकाली गई रैली में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने सफाई का संदेश दिया.

स्वच्छता की शपथ दिलाई गई

जमशेदपुर। इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा मनाते हुए शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने पूरे कॉलेज परिसर की साफ-सफाई की. इसके साथ ही सबों ने यह शपथ ली कि अपने आस-पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए रोगमुक्त समाज का निर्माण करेंगे. अभियान के अंतर्गत पूरे कॉलेज परिसर में झाड़ू लगाया गया.

बीएयू में श्रमदान कर सफाई की

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा रविवार को एक घंटे का स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया. मुख्य कार्यक्रम रांची कृषि महाविद्यालय प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया, जिसे संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन डॉ एमके गुप्त ने कहा कि स्वछता हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए.

अभियान महिला कॉलेज समेत मतकमहातु मुखिया के नेतृत्व में किया गया श्रमदान

टाटा कॉलेज के विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

संवाददाता। चाईबासा

स्वच्छता ही सेवा के तहत एक घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान अभियान के तहत चाईबासा शहर में नगर परिषद के तत्वाधान में रविवार को सुबह दस बजे राष्ट्रपति महात्मा गांधी की जयंती के पूर्व स्वच्छता अभियान चलाया गया. गांधी मैदान से उपायुक्त अनन्य मित्तल के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान रैली निकाली गई. रैली से पूर्व सभी ने राष्ट्रपति महात्मा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित और स्वच्छता की शपथ ली.

रैली गांधी मैदान से निकालकर शाहिद पार्क, रतन लाल पेट्रोल पम्प चौक, बस स्टैंड चौक, जैन मार्केट चौक, सदर थाना चौक, पोस्ट ऑफिस चौक तक गई. उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कहा कि स्वच्छता मनुष्य को शारीरिक और मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखती है. स्वच्छता का अर्थ है- साफ-सफाई. अगर हम अपने आस-पास की सफाई नहीं रखेंगे तो बीमारियों के फैलने का डर बना रहता है. मौके पर प्रशिक्षु आईएएस श्रुति राजलक्ष्मी, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी प्रतिभा रानी, कार्यपालक अभियंता पेयजल विभाग अविक अंबाला, प्रभु दयाल मंडल, सांसद प्रतिनिधि त्रिशानु राय, चैंबर अध्यक्ष राज कुमार ओझा, नगर परिषद् के नगर प्रबंधक संतोष बेदिया, लोकेश सिंह मुंडा, राजा राम गुप्ता उपस्थित थे.

मुखिया के नेतृत्व में चला स्वच्छता अभियान

सदर प्रखंड के टेकराहातु पंचायत में रविवार को मुखिया चांदमनी कालुंडिया एवं जलसहिया मसूरी बारी की अगुवाई में स्वच्छता अभियान चलाया गया. स्वच्छता अभियान में खूंटा ग्राम के ग्रामीणों ने घूम-घूमकर कचरों का निपटारा किया और सभी ग्रामीणों से अपने घर आस-पास एवं मुहल्ले कचरा मुक्त रखने का आह्वान किया. मौके पर मुखिया ने कहा कि कचरा मुक्त गांव रहने से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं. लिहाजा, अपने आसपास हमेशा स्वच्छ रखना चाहिए. स्वच्छता अभियान में आंगनबाड़ी सेविका नंदी बारी, महिला समूह की सदस्यगण व काफी संख्या ग्रामीण शामिल थे.

टाटा कॉलेज चाईबासा में मना स्वच्छता अभियान : टाटा कॉलेज चाईबासा में रविवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत एक दिन एक घंटा स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में टाटा कॉलेज एनएसएस एवं एनसीसी के स्वयंसेवकों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया. इसका नेतृत्व कॉलेज के प्राचार्य डॉ एससी दास ने किया. प्राचार्य डॉ दास ने स्वच्छता को अपने जीवन का अंग बनाने और छात्रों से कॉलेज परिसर को स्वच्छ रखने का आह्वान किया.

4 साल की हर्षिका को मिला जनहित सर्वोच्च सम्मान 2023

संवाददाता। रांची

जनहित प्रोडक्शन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में किड्स आर्टिस्ट के क्षेत्र में रांची विश्वविद्यालय में कार्यरत सुधीर मंडल की 4 साल की बेटी हर्षिका को जनहित सर्वोच्च सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया है. मुख्य अतिथि के तौर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम कार्यक्रम में मौजूद रहे. यह सम्मान रांची ही नहीं बल्कि रांची से बाहर अपनी कला के क्षेत्र में काम कर रहे हैं. आर्टिस्ट के लिए आयोजित किया गया था. हर्षिका अपनी 4 साल की आयु के अंदर ही अभी तक 25 अवार्ड से भी ज्यादा प्रतिभा अपने नाम कर चुकी है. यही नहीं वह राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना लोहा मनवा चुकी है. वह पढ़ाई के साथ-साथ कला में भी अपनी रुचि रखते हुए अपने परिवार सहित राज्य और अपने शहर का भी नाम रोशन कर रही है. वर्तमान में झारखंड के मुख्यमंत्री और सांसद ने भी हर्षिका को कई इवेंट में पुरस्कृत करते हुए उसकी कला को सराहा है और अपना आशीष प्रदान किया है. आज उसके इस सम्मान से उसके पिता सुधीर मंडल और परिवार, समाज के लोग काफी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

स्थानीय नीति पर सुदेश अब कुछ न बोलें : नायक

रांची। आजसू के सुप्रीमो सुदेश महतो को खतियान आधारित

विजय शंकर

स्थानीय नीति व नियोजन नीति पर नैतिक अधिकार नहीं है. ये बातें झारखंड बचाओ मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सह आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने आजसू के महाअधिवेशन में खतियान आधारित नियोजन व स्थानीय नीति के संदर्भ में दिए गए बयान पर अपनी प्रतिक्रिया में कहीं. उन्होंने यह भी कहा कि आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो राज्य निर्माण के बाद वर्ष 2000 से ही सत्ता की मलाई भाजपा के साथ खाती रही है. आजसू झारखंड के जनमानस को मूर्ख बनाने का काम कर रही है.

सभी मंडलों में चलाया स्वच्छता अभियान

धनबाद। भाजपा धनबाद महानगर की ओर से एक अक्टूबर को सभी 17 मंडलों में सफाई अभियान चलाया गया. जगजीवन नगर मानस मंदिर के पास चलाये गए जिला स्तरीय अभियान का नेतृत्व जिला महानगर अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने किया. वहीं मनईटांड़ मंडल के कार्यक्रम में विधायक राज सिन्हा ने भाग लिया. इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार, प्रदेश कार्य समिति सदस्य रमेश राही, मानस प्रसून, संजय झा, कन्हैया पांडे, मिल्टन पार्थसारथी, रीता प्रसाद, मदन तिवारी, उमेश सिंह, राजाराम दत्ता आदि मौजूद रहे.

बूथ सशक्तीकरण को लेकर चला अभियान

तांतनगर। मंझारी प्रखंड के भरभरीया बाजार परिसर में रविवार को भाजपा के मंडल अध्यक्ष बंशीधर प्रधान की अध्यक्षता में बूथ सशक्तीकरण अभियान चलाया गया. अभियान की शुरुआत पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई व पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया. अभियान में आगामी चुनावों के मद्देनजर मेरा बूथ सबसे मजबूत के तहत बूथ सशक्तीकरण बनाने के रणनीति बनाई गई. रणनीति के तहत प्रत्येक बूथों में कम से कम बीस कर्मठ भाजपा कार्यकर्ता तैयार करने का दिशा निर्देश दिया.

विधायक ने आयुष्मान कार्ड का वितरण किया

धनबाद। भाजपा देशव्यापी सेवा पखवाड़ा के तहत धनबाद विधायक राज सिन्हा ने एक अक्टूबर को मटकुरिया के दुर्गा मंडप में 44 लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया. विधायक ने कहा कि गरीब तबके के लोगों के लिए यह योजना वरदान है. उन्होंने लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड से मिलने वाले फायदे बताये, साथ ही केंद्र सरकार की कई लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी. इस अवसर पर नितिन भट्ट, मानस प्रसून, शिवेंद्र सिंह सोनू, चन्द्रिका सिंह, मोहन सिंह छाबड़ा, मंजीत सिंह बाबू, मनोज मालाकार, प्रमोद लाला आदि उपस्थित रहे.

अजीडीह में हुई पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी की 50वीं संकल्प सभा, उमड़ी भीड़

'सूबे में दलालों का बड़ा रैकेट चल रहा'

संवाददाता। गिरिडीह

अजीडीह फुटबॉल मैदान में 1 अक्टूबर को आयोजित भाजपा की 50वीं संकल्प सभा में समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी. बारिश के बीच भी लोगों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की बातों को ध्यान से सुना. 11 बजे से निर्धारित कार्यक्रम में श्री मरांडी करीब एक बजे अपराह्न कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे. लेकिन फुटबॉल मैदान में सुनने वालों की भीड़ जमी रही. जनसभा को संबोधित करते हुए श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा की मनसा झारखंड में अपराध मुक्त राज्य बनाने की है. फिलहाल झारखंड में सड़क किनारे खड़े पुलिस अधिकारी बालू और कोयला से पैसा वसूल रहे हैं. पूर्व के सरकारों में पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए काम करती थी, पर आज हेमंत सरकार ने पुलिस को वसूली में लगा रखा है.

मौत के प्रमाण पत्र में भी लिया जा रहा पैसा : श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड की हालत आज ऐसी हो गई है कि यहां मौत के प्रमाण पत्र के लिए भी पैसे खर्च करने पड़ते हैं. राज्य की कितनी शर्मनाक स्थिति है, इसका यह एकमात्र उदाहरण है. सरकारी दफ्तरों में छोटा- बड़ा काम बगैर पैसे के नहीं होते. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड में दलालों का बड़ा रैकेट चल रहा है. दलालों के माध्यम से पैसे ले -देकर अधिकारियों की पोस्टिंग हो रही है. इस कारण अधिकारी भी कहते हैं कि पैसे देकर आए हैं तो रकम तो वसूलेंगे ही. अधिकारियों की स्थिति मोबाइल रिचार्ज की तरह है, जितना पैसा देंगे, उतना का काम करेंगे.

कमीशन बंद होगा, उसी दिन भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा : पूर्व सीएम बाबूलाल ने कहा कि विकास योजनाओं में कमीशन का चलन जिस दिन खत्म हो जाएगा, भ्रष्टाचार उसी दिन खत्म हो जाएगा. उन्होंने कहा कि हेमंत को राज्य का मुख्यमंत्री झारखंड के विकास के लिए बनाया गया था, पर खुद राज्य के खजाने को लूटने में लगे हैं. आदिवासियों का हितैषी बन हेमंत ने सर्वाधिक आदिवासियों की जमीन लूटी है.

मंचासीन बाबूलाल मरांडी, रविन्द्र पांडेय, गणेश मिश्रा, निर्भय शाहबादी व अन्य.

साधा निशाना

- हेमंत के राज में सड़क किनारे पुलिस कर रही वसूली
- पुलिस अधिकारी बालू और कोयला से पैसा वसूल रहे
- अधिकारियों की स्थिति मोबाइल रिचार्ज की तरह है
- हेमंत ने सर्वाधिक आदिवासियों की जमीन लूटी है

पीएम मोदी ने गरीबों के घर जलाए चिराग

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के आंगन में खुशियां भर दी. गरीब गरीबी में कैसे रहते हैं, इसका अनुभव प्रधानमंत्री को अच्छी तरह से है. उन्होंने कहा कि बैंकों का राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी ने किया पर मोदी ने बैंकों से आम आदमी का जुड़ाव कर दिया. गरीबों का खाता गांव के बैंकों में खुलवाया और विकास योजनाओं की रकम सीधी उनके खाते में डाली. उन्होंने कहा कि हेमंत की सरकार मोदी की भेजी अनाज भी हजारों में बेच देती है. जो सरकार गरीबों की चिंता नहीं करती, उसे हटाने का संकल्प लेना है. देर से शुरू हुई कार्यक्रम में पूर्व सांसद रविंद्र पांडे, रविंद्र राय, पूर्व विधायक चंद्र मोहन प्रसाद, निर्भय शाहबादी, पूर्व महामंत्री गणेश मिश्रा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य चुन्नू कांत, सुरेश साह, दिनेश यादव ने 1 मिनट से भी कम समय में अपना संबोधन समाप्त किया. मंच संचालन संदीप डगाईच व अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महादेव दुबे ने किया.

सरकार बनाएं, 6 माह में देंगे लाखों नौकरी : बाबूलाल

गांडेय (गिरिडीह)। जिले के गांडेय प्रखंड के गांधीनगर मैदान में 1 अक्टूबर को भाजपा की संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने की, जबकि संचलन पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक ने किया. मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी को गांडेय विधानसभा के सभी छह मंडल अध्यक्ष ने माला पहनाकर स्वागत किया. मौके पर आयोजित बड़ी जन सभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार गांव की महिलाओं के लिए समर्पित है. सबको पता था कि देश के अंदर में बैंकों से गरीबी के जुड़ाव नहीं है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीरो बैलेंस में महिलाओं का बैंक खाता खुलवाया साथ ही कारोना कल में देशभर की महिलाओं के खाते में पैसे भेजने का काम किया. बाबूलाल ने कहा कि झारखंड की सत्ता पर बैठ कर जो गरीबों का अनाज बेचता है, उसे हटाना है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के लिए सदन में 33 प्रतिशत सीट आरक्षित कर दिया है. झारखंड में भारतीय जनता पार्टी का सरकार बनाइए और छह महीने के लाखों नौकरियां मिलेंगी. झारखंड की कानून-व्यवस्था पर बाबूलाल ने कहा कि जब से हेमंत सोरेन सीएम बने हैं, अपराधी बेखौफ होकर कार्य कर रहे हैं.

अन्नपूर्णा देवी समेत कई नेताओं ने सभा को किया संबोधित

कार्यक्रम में उपस्थित केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 में फिर एक बार भाजपा की सरकार बनानी है. भारी बारिश के बावजूद संकल्प यात्रा में हजारों लोग जुटे थे. संकल्प यात्रा में कई लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. कार्यक्रम में रविन्द्र राय, गणेश मिश्रा, जिप अध्यक्ष मुनिया देवी, लक्ष्मण स्वर्णकार, महादेव दुबे आदि ने भी अपने विचार रखे. कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रकाश यादव, पुरुषोत्तम चौधरी, चिंतामणि सिंह, राजू मंडल, अरुण हाजरा, अभिषेक पाठक, रंजीत स्वर्णकार, हरि मंडल, प्रवीण चौधरी, शिवपूजन राम, भागीरथ मंडल, सुरेश मंडल, बलराम गोस्वामी आदि मौजूद थे.

बाबूलाल की संकल्प यात्रा पर राजद ने साधा निशाना

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के संकल्प यात्रा पर राजद ने निशाना साधा है. पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि संकल्प यात्रा के दौरान बाबूलाल राज्य की जनता को गुमराह कर रहे हैं. संकल्प यात्रा के दौरान बाबूलाल कहते फिर रहे हैं कि हमारी सरकार बनी तो राज्य में रिक्त पड़े पदों को 6 माह में भर दिया जाएगा. राज्य की जनता भाजपा की चाल चरित्र को बखूबी समझती है. उन्होंने बाबूलाल से सवाल पूछा है कि जब भी वे खुद मुख्यमंत्री थे तो कितनी नियुक्तियां हुई थी? राज्य की जनता भाजपा के चाल और चरित्र को जानती है. इसलिए बाबूलाल के झूठे झांसे में नहीं आने वाली है. मनोज ने कहा कि बाबूलाल शासन काल में बाहरी-भीतरी का नाम पर कितने निर्दोष लोगों की जान ले ली गई. कुतुब मीनार से कूद कर जान दे देने की बात कहने वाले बाबूलाल आज भाजपा के गोद में बैठे हुए हैं.

आओ जानें

बगोदर से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	सीपीआईएमएल	महेंद्र प्रसाद सिंह
2005	सीपीआईएमएल	विनोद कुमार सिंह
2009	सीपीआईएमएल	विनोद कुमार सिंह
2014	भाजपा	नागेंद्र महतो
2019	सीपीआईएमएल	विनोद कुमार सिंह

भाजपा के लिए कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं : राजकुमार

संवाददाता। जमशेदपुर

रविवार को कदमा की भाटिया बस्ती पुष्पांजलि क्लब में भाजपा मंडल कमेटी की बैठक मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल प्रवासी और किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह उपस्थित थे. बूथ सशक्तीकरण को लेकर हुई इस बैठक में मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी और बूथ अध्यक्ष मौजूद थे. इस अवसर पर राजकुमार सिंह ने कार्यकर्ता का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ होते है. सभी कार्यकर्ता संगठित होकर आगामी चुनाव की तैयारी में लग जाए.

इस अवसर पर मुख्य रूप से महानगर उपाध्यक्ष सुधांशु ओझा, मंडल महामंत्री अजय झा,ललन चौहान, अमरेंद्र मल्लिक, रमेश बास्के, भोला शर्मा, प्रेम कुमार, शोभा श्रीवास्तव, राजेश सोनकर, कार्तिक गोप, कमल कुमार, संजय शर्मा, डीएन सिंह, केएन ओझा, बर्मा प्रसाद, कृष्णा देवी, विक्की यादव, गणेश भूमिज, बिनोद रजक, राघव प्रसाद, संतोष सिंह, प्रकाश कुमार, रेणु झा, रीना सरदार, खुशी ओझा, यशवंत सिंह, गुड्डी देवी, सीमा जयसवाल, निर्मला देवी, सुब्रत दास, संतोष शर्मा, रीता सरदार, बीना देवी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खास बातें

- कदमा की भाटिया बस्ती में भाजपा मंडल कमेटी की बैठक
- बूथ सशक्तीकरण को लेकर बैठक में विचार-विमर्श

'हर घर से एक यूथ को बूथ से जोड़ेंगे'

संवाददाता। गढ़वा

रंका स्थित झामुमो प्रखंड कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक हुई. मौके पर आशीष गुप्ता ने बताया कि कार्यकर्ता को अब कमर कस कर चुनावी समर में कूदने की तैयारी कर लेनी चाहिए. सभी तरह के गिले शिकवे को भुलाकर पार्टी संविधान के अनुरूप संगठन की मजबूती के लिए काम करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हर घर से एक यूथ को बूथ से जोड़ना है और तब बूथ कमेटी बनाना है. सदस्यता अभियान को तेज करना है. झामुमो नेता आशीष गुप्ता ने कहा कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने क्षेत्र के हर बड़ी समस्या को खत्म कर दिया है. जैसे शिक्षा के क्षेत्र में डिग्री कॉलेज, स्वास्थ्य के लिए रेफरल अस्पताल, बिजली के क्षेत्र में 20 से 22 घंटे बिजली, हर एक गाँव को पंचायत एवं पंचायत को प्रखंड मुख्यालय से जोड़कर कर सड़क का निर्माण, यात्री सुविधा के लिए बस स्टॉप इत्यादि का निर्माण कराया. विकास की किरण पहुंचने लगी है. लोग गढ़वा को पिछड़े जिले के नाम से जानते थे लेकिन मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने अपने कठिन परिश्रम से इसे अब विकसित जिले में अग्रणी बनाया.

बैठक में झामुमो के अनुमंडल अध्यक्ष जैनुल्लाह अंसारी, प्रखंड प्रमुख हेमंत लकड़ा, 20 सूत्री अध्यक्ष अहमद अंसारी, उपाध्यक्ष कार्तिक पांडे, प्रखंड सचिव इरफान अंसारी, उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, युवा प्रखंड सचिव पपू यादव, जिला परिषद प्रतिनिधि राहुल तिवारी, जिला अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष आफताब आलम,पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, यूसुफ अंसारी, मोबिन अंसारी, रहबर अंसारी, संतोष प्रसाद, रंजन प्रसाद, योगेंद्र यादव, बुधन यादव,मोबिन खान,मंजूर आलम, नौशाद राय, रुली ओझा, सहित सभी चौदहों पंचायत के सभी विंग के अध्यक्ष सचिव समेत कई झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे.

सफाई अभियान बाबूलाल गिरिडीह व रघुवर ने रांची में चलाया स्वच्छता अभियान

अर्जुन मुंडा, अन्नपूर्णा देवी ने किया श्रमदान

प्रमुख संवाददाता। रांची

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले रविवार को देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने श्रमदान किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील की सुबह 10 से 11 बजे तक देशभर के 6.4 लाख जगहों पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया. झारखंड के भाजपा नेताओं ने भी हाथों में झाड़ लेकर सफाई अभियान में सहयोग दिया. केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सफाई अभियान में हिस्सा लिया.

केंद्रीय राज्यमंत्री और कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 के पास स्थित पार्किंग और बस पड़ाव में हाथों में झाड़ लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सफाई की.

झारखंड के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह के अंबेडकर चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छता अभियान चलाया. कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए स्वच्छता के संदेश और अहमियत को सभी देशवासी आत्मसात कर इसे अपने दैनिक स्वभाव का हिस्सा बनाएं.

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रांची के सर्कुलर रोड स्थित नगड़ा टोली सरकारी विद्यालय के पास सफाई अभियान में शामिल हुए. उनके साथ महानगर भाजपा के अध्यक्ष केके गुप्ता, मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रताप और पूर्व पार्षद रोशनी खलखो भी सफाई अभियान में शामिल हुई. इसके अलावा राज्य के सभी भाजपा सांसद, विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगातार बारिश के बावजूद पूरे उत्साह के साथ स्वच्छता अभियान में शामिल हुए.

पूर्व सीएम बाबूलाल ने की सड़क की सफाई

गिरिडीह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे देशव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत गिरिडीह जिले में भी भाजपा की ओर से 1 अक्टूबर को विशेष आभियान चलाया गया. इस अभियान का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री-सह-भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया. इस दौरान बाबूलाल मरांडी समेत भाजपा के तमाम नेता हाथों में झाड़ू लेकर सड़क की सफाई करते दिखे. मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा की ओर से 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि स्वच्छता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंभीर हैं और लगातार आभियान चला रहे हैं. मौके पर डॉ रविंद्र राय, पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहबादी, जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, चुन्नुकांत समेत काफी नेता व कार्यकर्ता शामिल थे.

नामकुम केजीवी में स्वास्थ्य शिविर, 11 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी रहे मौजूद

आयुष्मान भव शिविर का राज्यपाल राधाकृष्णन ने किया उद्घाटन

संवाददाता। रांची

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नामकुम में स्वास्थ्य शिविर आयुष्मान भव का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने किया. इस दौरान शिविर में कुल 2378 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई. मौके पर डॉ. जी लोगनाथन व उनकी टीम ने बधाई दी. कहा कि स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आती है.

बहुत सारे लोग जो किसी कारणवश चिकित्सक या अस्पताल नहीं जा पाते हैं, उन्हें शिविर के माध्यम से अपनी बीमारियों का पता होता है. उनका त्वरित इलाज भी संभव हो पाता है. शिविर बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया. मौके पर 11 यूनिट रक्त एकत्र किया गया.

इलाज के साथ मानसिक ताकत का होना जरूरी : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि शिविर में लोगों को जीवन में स्वस्थ जीवनशैली, उचित पोषण की भी जानकारी प्रदान की जाती है. उन्होंने कहा कि किसी बीमारी से उबरने के लिए इलाज के साथ-साथ मानसिक बल भी आवश्यक है. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के साथ-साथ आसपास के समाज के लोग भी इस शिविर से लाभान्वित होंगे. लोगों के कल्याण के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयुष्मान भव योजना राष्ट्र को समर्पित किया गया. इस योजना का उद्देश्य ही है कि समाज के सभी वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ बीमा कवरेज से आच्छादित करना. भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी बीमा योजना 'आयुष्मान भारत' योजना की शुरुआत की गई थी.

रक्तदान करने वाले व्यक्ति को प्रमाण पत्र देते राज्यपाल.

खास बातें

- स्वास्थ्य शिविर में 2378 लोगों की हुई जांच
- राज्यपाल ने की मादक पदार्थों के सेवन न करने की अपील

मादक पदार्थ का सेवन नहीं करने की अपील

राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है. लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट व जागरूक रहना चाहिए. उन्होंने लोगों से हानिकारक मादक पदार्थों के सेवन न करने की अपील की. स्वस्थ एवं सुखी झारखंड के निर्माण की कामना की. उक्त अवसर पर उन्होंने हेल्थ किट का वितरण किया और इस शिविर आयोजन के लिए सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया.

आओ जानें

विश्व के प्रमुख भौगोलिक उपनाम की सूची

1.	सात पहाड़ियों का नगर	रोम
2.	एंटीलीज का मोती	क्यूबा
3.	गगनचुंबी इमारतों का नगर	न्यूयॉर्क
4.	लैंड ऑफ कंगारू	ऑस्ट्रेलिया
5.	भूमध्य सागर का द्वार	जिब्राल्टर
6.	नील नदी की देन	मिस्र
7.	सूर्योदय का देश	जापान
8.	लैंड ऑफ़ थंडरबोल्ट	भूटान
9.	लैंड ऑफ वाइट एलीफेंट	थाईलैंड
10.	पोप का शहर	रोम
11.	रक्तवर्ण महिला	रोम
12.	प्राचीन विश्व की साम्राज्ञी	रोम
13.	पश्चिम का बेबीलोन	रोम

ब्रीफ खबरें

एक तारीख, एक घंटा के तहत श्रमदान

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक तारीख एक घंटा कार्यक्रम के तहत श्रमदान से 24 जगहों पर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया. इस अभियान में नगर पंचायत के पदाधिकारी और कर्मचारियों तथा आम लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी चंदन कुमार के नेतृत्व में मुख्य सड़क के किनारे सफाई अभियान चलाया गया. नागानल मंदिर के पास नगर पंचायत की कनीय अभियंता ग्लोरिया भेंगरा के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया.

अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की हुई बैठक

घाटशिला। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार को धरमबहाल पंचायत सचिवालय में आयोजित हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिन्हा उपस्थित थे. विभिन्न विभागों से आए कर्मचारियों ने अपनी-पनी समस्याएं महासंघ के समक्ष रखी. प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि अराजपत्रित कर्मचारियों का पे ग्रेड 1900 है जो की बहुत ही काम है. पे ग्रेड कम से कम 2400 रुपये होना चाहिए था. अलग राज्य गठन के बाद से प्रोन्नति का लाभ कर्मचारियों को नहीं मिल रहा है जो काफी दुखद है.

पहले एयरपोर्ट छिन गया, फिर एम्स और अब वंदे भारत ट्रेन

सर्वाधिक राजस्व देने के बाद भी वंदे भारत को रेड सिग्नल

संवाददाता। धनबाद

धनबाद को विकास की जरूरत है. इसकी खूबसूरती को चार चांद लगाने की आवश्यकता है लेकिन बीते कई वर्षों से इसका उल्टा हो रहा है. कोयलांचल की खुशियां छिनती जा रही हैं. पहले एयरपोर्ट छिन गया, फिर एम्स की आस टूट गई और अब वंदे भारत ट्रेन को धनबाद में रेड सिग्नल दिखा दिया गया. यहां के जनप्रतिनिधि और ब्यूरोक्रेटस ताकते रह गए.

कोविड काल से ही धनबाद की पटरियों से कई ट्रेने गायब हो गईं. वंदे भारत के मामले में रेलवे की बेरूखी से नई ट्रेनों की आस ही जैसे टूट सी गई है.

खास बातें

- कोयलांचल वासी इसे मान रहे क्षेत्र का दुर्भाग्य
- लोगों ने कहा कि अब तो हो गई है इसकी आदत

क्या कहते हैं कोयलांचलवासी

केवल सुविधाएं छीनने का ही किया गया काम : संजीव

पार्क मार्केट चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजीव चौरसिया ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि किसी काम के नहीं हैं. ये न तो एम्स को धनबाद ला सके और न ही एयरपोर्ट को और अब वंदे भारत ट्रेन भी धनबाद की पटरी से छिन गई. यही हाल रहा तो धनबाद पहले भी कोयला के लिए ही जाना जाता था और आने वाले समय में भी कोयला के लिए ही जाना जाएगा. दूसरे शहर विकसित होते जा रहे हैं और झारखंड का ऊर्जावान धनबाद हर मामले में पिछड़ता जा रहा है.

अब खोने की आदत सी हो गई है : प्रमोद गोयल

बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने कहा कि बड़े-बड़े पहाड़ खो दिए हैं, तो वंदे भारत ट्रेन खो देने का दुख क्या मनाएं. इससे पहले भी हमने दूरंतो, एम्स और एयरपोर्ट खोया है. धनबादवासियों को मिला है तो केवल रंगदरी और गुंडागर्दी जैसा अभिशाप. अब तो यह डर लगा रहता है कि कहीं यहां जो है वह भी दूसरे शहरों में ना चला जाए. कहीं आईआईटी-आईएसम न खो दें. यही हाल रहा तो धनबाद हिस्ट्रिकल प्लेस में तब्दील हो जाएगा.

धनबाद ने केवल खोना ही सीखा है : सुब्रतो बनर्जी

धनबाद कोर्ट में वकालत करने वाले सुब्रतो बनर्जी बताते हैं कि धनबाद ने केवल खोना ही सीखा है. कुछ पाने की इच्छा ही बेकार है. केवल वंदे भारत ही क्यों कोविड काल से अब तक कई महत्वपूर्ण ट्रेनें धनबाद से छिन गईं. ऐसा ही चलता रहा तो धनबाद का रेलवे स्टेशन भी बाद में हॉल्ट में न बदल जाए. धनबाद शिक्षा और स्वास्थ्य में भी पिछड़ चुका है. पर्यटन स्थल के विकास के साथ और भी बहुत कुछ है जो हमसे दूर होते जा रहा है.

वंदे भारत नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : दिनेश

मटकुरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष दिनेश हेलीवाल कहते हैं कि वंदे भारत ट्रेन नहीं मिलना धनबाद का दुर्भाग्य है. झारखंड में रेलमंडल के हिसाब से धनबाद राजस्व देने वाला सबसे बड़ा जिला है. ऐसे में धनबाद के साथ गलत हो रहा है. दिल्ली और मुंबई के लिए डायरेक्ट ट्रेन भी अब तक नहीं मिली. व्यापारियों के लिए कोलकाता सबसे नजदीक बाजार है. रोजी-रोजगार के लिए रोज व्यापारी वहां आना-जाना करते हैं. वंदे भारत ट्रेन धनबाद के लोगों को मिलनी ही चाहिए थी.

चाईबासा जेल की सुरक्षा होगी मजबूत

संवाददाता। रांची

मंडल कारा चाईबासा की सुरक्षा व्यवस्था 15.68 लाख की लागत से मजबूत की जायेगी. गृह विभाग ने राशि स्वीकृत कर दी है. इस राशि से जेल में दो वॉच टॉवर बनाये जायेंगे. इससे पहले जुलाई महीने में भी 55.24 लाख की लागत से जेल के मुख्य द्वार पर घेराबंदी की गयी थी. वर्तमान मे चाईबासा जेल में कई बड़े अपराधी और नक्सली बंद है. ऐसे में जेल की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना अति आवश्यक है.

कार्य की गुणवत्ता में कमी हुई तो एजेंसी पर होगी कार्रवाई : गृह विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जिम्मेवारी संयुक्त रूप से संबंधित काराधीक्षक और एजेंसी की होगी. संबंधित एजेंसी उच्च गुणवत्ता युक्त मानक स्तर का कार्य सुनिश्चित करायेंगे. यह उनकी व्यक्तिगत जवाबदेही होगी. कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर अथवा कार्य मानक स्तर का नहीं पाये जाने पर संबंधित एजेंसी सीधे तौर पर इसके लिए उत्तरदायी होंगे. ऐसी स्थिति में उनके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी. संबंधित काराधीक्षक निरंतर योजनाओं की जांच करेंगे और अपनी देख-रेख में ससमय कार्य पूरा कराना सुनिश्चित करेंगे.

स्पीकर दो विधायकों के साथ साउथ अफ्रीका रवाना

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 66वें सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पश्चिम अफ्रीका गये हैं. रविवार को वे नई दिल्ली से पश्चिम अफ्रीका के लिए रवाना हुए. उनके साथ रांची के सांसद सीपी सिंह और मझगांव के विधायक निरल पूर्ति भी सम्मेलन में हिस्सा लेने गये हैं. वे इस सम्मेलन में ऑब्जर्वर के रूप में हिस्सा लेंगे. राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का 66वां सम्मेलन पश्चिम अफ्रीका के घाना के अकरा में 30 सितंबर से चल रहा है, जो 06 अक्टूबर तक चलेगा. रविंद्रनाथ महतो राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के प्रतिनिधि के रूप में प्लीनरी सेशन में अपना व्याख्यान भी प्रस्तुत करेंगे.

बीएसएल कर्मी की विधवा को मिला नियोजन पत्र

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के एचआरडी विभाग में कार्यरत धनंजय दिगार की मृत्यु सड़क दुर्घटना में 28 सितंबर को हो गई थी. दुर्घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस घायल धनंजय दिगार को आनन-फानन में सदर अस्पताल में ले गई, जहां रात 8 बजे उनकी मृत्यु हो गई थी. इस मामले में पुलिस द्वारा घायल को सदर अस्पताल ले जाने के कारण नियोजन में बहुत सारी अड़चनें आ गईं. भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता सदर अस्पताल पहुंचे और मामले को सुलझाकर शव को बोकारो जनरल अस्पताल के शवगृह में रखवाया. दो दिनों के मशक्कत के बाद 1 अक्टूबर को प्रबंधन ने अनुकंपा के आधार पर नियोजन पत्र उनकी विधवा को सौंपा.

स्वच्छता के लिए लगे नारे, दिया संदेश, निकाली रैलियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे सूबे में स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस के स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधियों ने साफ-सफाई की. स्वच्छता के लिए श्रमदान किया .नेता, पादाधिकारी समेत स्थानीय लोग भी उत्साहपूर्वक अभियान में शामिल हुए. लोगों ने कहा कि स्वच्छता ही श्रद्धेय बापू को सच्ची स्वच्छांजलि है. स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है. स्थानीय लोगों ने साफ-सफाई को लेकर नारे लगाए, रैलियां निकाली और आम लोगों के बीच सफाई के प्रति जागरूकता फैलाई.

रेलवे स्टेशन में चला अभियान

धनबाद। भारत स्वच्छता अभियान के तहत एक अक्टूबर रविवार को जिले के सभी सरकारी संस्थानों में एक घंटा स्वच्छता अभियान चलाया गया. धनबाद रेलवे स्टेशन परिसर में डीआरएम कमल किशोर सिन्हा के नेतृत्व में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया. डीआएम समेत अन्य रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्टेशन परिसर की सफाई की.

न्यायालय परिसर में की सफाई

लातेहार। रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया. इस अवसर पर प्रधान जिला सह सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने कहा कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत दिवस मनाया जाता है.

कोर्ट परिसर में लगाई झाड़ू

गोड्डा। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा अभियान मनाने को लेकर 1 अक्टूबर की सुबह प्रधान जिला न्यायाधीश देवेंद्र कुमार पाठक, जिला न्यायाधीश प्रथम जनार्दन सिंह, अवर न्यायाधीश दयाराम, प्रभारी न्यायाधीश वाल्टर भेंगरा, डीएलएसए सचिव डॉ. प्रदीप कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुरेंद्र बेदिया समेत कर्मचारी ने जुटकर कोर्ट परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया.

टेल्को टाउनशिप में चला अभियान

जमशेदपुर। स्वच्छ भारत अभियान के तहत टाटा मोटर्स द्वारा वर्क्स और टेल्को टाउनशिप में रविवार को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में सफाई अभियान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर टाटा मोटर्स प्लांट प्रमुख रवींद्र कुलकर्णी सहित वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया.

एडीजे ने दिया स्वच्छता का संदेश

घाटशिला। व्यवहार न्यायालय परिसर में रविवार की सुबह 10 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया गया. स्वच्छता अभियान की शुरुआत एडीजे केके शुक्ला, एसीजेएम सुशीला सोरेंग, एसडीजेएम अमित आल्डा के साथ न्यायालय के कर्मचारियों ने मिलकर न्यायालय परिसर की साफ-सफाई की. एडीजे केके शुक्ला ने स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि स्वच्छ भारत अभियान को साकार करने के लिए अपने घर, कार्यालय एवं आसपास के सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई करने से ही स्वच्छता अभियान साकार होगा.

प्लास्टिक मुक्त भारत की ली शपथ

चाकुलिया। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) रुपुषकुंडी और आजीविका महिला ग्राम संगठन की ओर से रविवार को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत रुपुषकुंडी गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया. पंचायत की मुखिया दानगी सोरेन के नेतृत्व में चलाये गए इस अभियान से पूर्व सभी ने प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने की शपथ ली. इस कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया और सफाई अभियान चला कर स्वच्छता का संदेश दिया.

आरएएफ ने की साफ-सफाई

जमशेदपुर। आरएएफ 106वीं बटालियन की टूकड़ी ने साकची में सफाई अभियान चलाया. इस दौरान एसडीओ पीयूष सिन्हा और विधायक सरयू राय भी मौजूद रहे. यह अभियान साकची गोलचक्कर से शुरू करते हुए जुबली पार्क तक चलाया गया. मौके पर मौजूद कमांडेंट डॉ. निशीत कुमार ने बताया कि देश भर में इस अभियान की शुरुआत की गई है. इस अभियान के तहत एक घंटा श्रमदान कर सफाई की जा रही है. इस अभियान से लोगों को भी साफ-सफाई के लिए जागरूक किया जाएगा.

पंचायत भवन में हुए कार्यक्रम

मनोहरपुर। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत रविवार को मनोहरपुर व आनंदपुर प्रखंड के सभी पंचायतों में सफाई अभियान चलाया गया. इस अभियान में पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, सभी वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका व ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. सभी ने झाड़ू लेकर पंचायत भवन, गांव के गली-मुहल्ले व आस-पास के क्षेत्रों से जमे कूड़ा-कचरा व गंदगियों को साफ किया. वहीं मनोहरपुर पूर्वी पंचायत में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत पंचायत भवन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

शिक्षक हुए अभियान में शामिल

पांकी। राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत पांकी प्रखंड के कर्पूरी चौक व बाजार परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया. पांच दिवसीय अभियान के अंतिम दिन मजदूर किसान डिग्री कॉलेज डंडार कला के छात्र-छात्राओं, कर्मियों व शिक्षकों ने हिस्सा लिया. भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष कुंदन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छता का संदेश विश्व में दिया है.

स्वच्छता अपनाने की अपील

जमशेदपुर। छोटा गोविंदपुर पंचायत अंतर्गत कैलाश नगर में रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जमशेदपुर द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया. मौके पर मुख्य रूप से विनय कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी ने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के साथ-साथ लोगों को स्वच्छ रहने के लिए जागरूक करना भी है.

दस जगहों पर चला अभियान

बहरागोड़ा। सांड्रा पंचायत के जन जागरण केंद्र के नेतृत्व में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा व एक तारीख एक घंटा कार्यक्रम के तहत श्रमदान कर दस जगहों पर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया. इस अभियान में सांड्रा पंचायत की मुखिया मीणा मुंडा तथा आम लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

स्वच्छ भारत का दिया संदेश

नोवामुंडी। गुवा के योग नगर सीआईएसएफ बैरक परिसर व शिव मंदिर प्रांगण से गुवा डीएवी स्कूल जाने वाली सड़क पर रविवार को सीआईएसएफ जवानों ने स्वच्छता अभियान चलाया. 100 घंटे यानी हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान कर स्वच्छता के संकल्प को चरितार्थ करते हुए सड़क की साफ-सफाई की व स्वच्छ भारत मिशन का संदेश लोगों को दिया.

दुष्कर्म जैसे जघन्य मामले में पंचायत नहीं करें : एसपी

अरुण यादव । गढ़वा

जिले के रंका अनुमंडल मुख्यालय में रविवार को पुलिस कप्तान दीपक कुमार पांडेय ने पुलिस जन संपर्क अभियान को लेकर रंका अनुमंडल के पंचायत प्रतिनिधियों एवं राजनीतिक दलों के साथ बैठक की. इसमें पुलिस कप्तान ने सबसे पहले पंचायत प्रतिनिधियों एवं राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से बारी-बारी से पुलिस से आम लोगों की अपेक्षाएं और पुलिस से होने वाली समस्याओं की जानकारी ली. पुलिस कप्तान दीपक कुमार पांडेय ने कहा कि कानून को लागू करना पुलिस का काम है. उसी के अनुरूप पुलिस कार्य करती है. उन्होंने कहा कि पुलिस और पब्लिक के सहयोग से ही थाना चलती है. इसलिए आम जनता से भी पुलिस सहयोग की अपेक्षा करती है. उन्होंने कहा कि गांव में छोटी-छोटी लड़ाई के मामला को थाना में नहीं आने दें. पंचायत प्रतिनिधियों को गांव में ही ऐसे मामले को निपटाना चाहिए. उन्होंने कहा गांव में अक्सर देखा जाता है कि दुष्कर्म के मामले को गांव में ही निपटारा करते हैं. बाद में इसका परिणाम गलत निकलता है. उन्होंने कहा कि दुष्कर्म जैसे जघन्य आपराधिक मामले में पंचायत नहीं करें. इसकी जानकारी पुलिस को दें, पुलिस इसपर कार्रवाई कर कोर्ट से सजा दिलाने का काम करेगी.

शराब के मामले में पुलिस कप्तान ने कहा कि शराब एक सामाजिक समस्या है. एसपी ने कहा कि पूरे देश में हेलमेट पहन कर बाइक चलाने का जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है. कार्यक्रम के अंत में एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को हरेक 15 दिन में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कर उनकी समस्याएं सुनने और उसका समाधान करने की बात कही. उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों की शिकायत पर गोदरमाना में पकड़े गए बाइक को दो-दो हजार रुपए लेकर छोड़ने के मामले में एसडीपीओ संतोष कुमार को एक सप्ताह के अंदर जांच कर रिपोर्ट देने की बात कही है.

सरायकेला में अब भी डेंगू के आठ मरीज, इलाज जारी

संवाददाता । आदित्यपुर

राज्य भर में फैले डेंगू के आतंक से अब भी सरायकेला-खरसावां जिले के लोग सुरक्षित हैं. जिला प्रशासन के अनुसार सरायकेला-खरसवां जिले में वर्तमान में 8 डेंगू के मरीजों का इलाज चल रहा है. जिले में अब तक कुल 1526 डेंगू के संदिग्ध मरीजों के सैंपल की जांच हुई है, जिनमें 113 मरीज में डेंगू की पहचान हुई थी. वहीं सरायकेला जिला प्रशासन की सूची में डेंगू से मरने वालों की संख्या शून्य है, जबकि इस जिले के 97 लोगों ने पूर्वी सिंहभूम जिले में सैंपल टेस्ट कराया है. बता दें कि सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत पड़ने वाले आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के अधिकतर लोग अपना इलाज पूर्वी सिंहभूम के टीएमएच या एमजीएम में कराते हैं. जिला प्रशासन के पास आंकड़ों के अनुसार जिले के 18 सरकारी और निजी अस्पतालों में डेंगू के संदिग्ध मरीजों के सैंपल की जांच हुई है. इसमें सदर अस्पताल सरायकेला, ईएसआईसी अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गम्हरिया, चांडिल, कुचाई, राजनगर, खरसावां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और शहरी स्वास्थ्य केंद्र आदित्यपुर शामिल हैं. इन अस्पतालों में आदित्यपुर को छोड़ मरीजों के लिए बेड की सुविधाएं 4 अस्पतालों में हैं. जिला प्रशासन ने दावा किया है कि सरायकेला जिले में डेंगू का प्रकोप नियंत्रण में रहने की वजह जागरूकता और जिला प्रशासन के साथ निकायों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान है.

सोता रहा वन विभाग, हाथियों ने लाखों रुपये की संपत्ति को किया नष्ट, लोगों ने जंगल में भाग कर जान बचाई

हाथियों ने रातभर मचाया तांडव, 16 घरों को तोड़ा

संवाददाता । बेरमो

गोमिया प्रखंड के सियारी व लोधी पंचायत के गांवों में हाथियों का झुंड पूरी रात तांडव मचाता रहा लेकिन वन विभाग की नींद नहीं खुली. इस दौरान हाथियों का झुंड 16 घरों को क्षतिग्रस्त कर घरों में रखे अनाज को चट कर गया. हाथियों ने कई एकड़ में लगी फसलों को भी रौंद दिया. 30 सितंबर की रात 11 बजे हाथियों का झुंड सबसे पहले सियारी पंचायत के चितु गांव में घुस गया और सात घर को तोड़ दिया. यहां पहुंचे हाथी घर पर रखे चावल, मकई, महुआ खा गए. इस दौरान हाथियों ने घरों में टीवी, स्टेबलाइजर, डीजे सेट साउंड, टीवी, फ्रिज, स्कूटी, सहित अन्य सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया. ग्रामीणों ने किसी तरह ढोल नगाड़ा बजाकर यहां से हाथियों को भगाया तो दो हाथी लोधी पंचायत के बन चतरा गांव के रास्ते टोला व भवरा टांड़ में पहुंच गए. यहां हाथियों ने 9 घरों को तोड़ दिया और घर पर रखे अनाज चट कर गए. हाथियों के भय से गांव के लोगों ने बाल-बच्चों समेत जंगल में भाग कर जान बचाई.

इनके घरों को हाथियों ने कर दिया क्षतिग्रस्त : सियारी पंचायत के चितु गांव में हाथियों ने मुकेश गांझू पिता सुधान गांझू, बासुदेव गांझू पिता सुक्रर गांझू, धुंजा गांझू पिता सुक्रर गांझू, मालू गांझू, पिता सुक्रर गांझू, शनिचर गांझू, पिता स्वर्ग अगना गांझू, बंधन गांझू पिता ननका गांझू, खेदान गांझू पिता ननका गांझ के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया.

हाथी ने तोड़ा आवास.

इन किसानों के खेतों में लगी फसलों को किया बर्बाद

राम धनि गांझू, मोजो लाल गांझू, पुराण गांझू, मालू गांझू, सुरेंद्र गांझू, पुराण गांझू, प्रेम गांझू, माखो गांझू, महादेव गांझू, अमर भोक्ता, राम कुमार भोक्ता, गुदीया गांझू, भीम गांझू के धान की फसल को बर्बाद कर दिए, जबकि मुकेश, बालेश्वर गांझू मालू गांझू, बुधन गांझू, रेवत लाल गांझू, बंधन गांझू की मकई की फसल को खा गए. रास्ता टोला निवासी सुशीला टुडू, मेहीलाल टुडू, पांडु मांझी, रोहन सोरेन, सुधीर सोरेन, संझली देवी, थॉमस मरांडी, सोहन मरांडी और मोहन मरांडी की बाड़ी में लगी फसलों को भी हाथी चट कर गए.

जंगली हाथियों ने फसलों को किया नष्ट

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है. जंगली हाथियों का झुंड रोज किसी ना किसी गांव में घुसकर किसानों के खेतों में लगी फसलों को अपना निवाला बना रहे हैं और रौंदकर उसे बर्बाद भी कर रहे हैं. इन दिनों दो टीमों के बंटकर हाथी नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के गुंडा, रसुनिया, डीटांड, जामडीह, रामनगर, कुशपुतुल, बाना, तिल्ला, काशीडीह समेत आसपास के गांवों में उत्पात मचा रहे हैं. शनिवार की रात जंगली हाथियों ने गुंडा गांव के बाहर किसानों के खेतों में लगी फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया. इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि एक झुंड में 18 हाथी शामिल हैं, जबकि दूसरे झुंड में मात्र तीन हाथी हैं. फिलहाल जंगली हाथी गुंडा पहाड़ में अपना डेरा डाले हुए हैं.

बर्बाद खेत देखता किसान

आओ जानें

2023 की नवीनतम पुस्तकें

नवीनतम पुस्तकें 2023	लेखक
ए मैटर ऑफ हार्ट : एजुकेशन इन इंडिया	अनुराग बेहर
वॉर एंड वूमेन	एम .ए हसन
बिपिन : द मैन बिहाइंड द यूनिफॉर्म रचना	विस्वात रावत
एज गुड एज माय वर्ड	केएम चंद्रशेखर
मुंडका उपनिषद : द ब्रिज टू मम्मार्टलिटी	डॉ. करण सिंह
विक्ट्री सिटी	सलमान रशदी
वांडरर्स, किंग्स एंड मरचेंट्स	डॉ. पेगी मोहन
द पावर्टी ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमिक्स	मेघनाद देसाई
मोदी : शेपिंग ए ग्लोबल ऑर्डर इन फ्लक्स	एस जयशंकर
ब्रेकिंग बैरियर	काकी माधवराव
तुम पहले क्यों नहीं आए	कैलाश सत्यार्थी
ह्यूमन एनाटॉमी	एके द्विवेदी

ब्रीफ खबरें

आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में लगी योग की पाठशाला

चाकुलिया। आयुष हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में रविवार को योग अभ्यास शिविर का आयोजन हुआ. इसमें जमशेदपुर से आए पतंजलि के जिला प्रभारी कृष्ण कुमार, किसान मंच प्रभारी बिहारी लाल, संगठन मंत्री भोलानाथ भगत ने कई विशिष्ट व्यक्तियों एवं पतंजलि के कार्यकर्ताओं को योग का अभ्यास कराया. इसमें दिनेश कुमार सिंह, सुखदेव पाल, गिरधारी महतो, लक्ष्मी नारायण दास, डॉ. जगमोहन महतो आदि उपस्थित थे.

वार्ड 29 में चलाया गया स्वच्छता ही सेवा अभियान

आदित्यपुर। नगर निगम के वार्ड 29 में प्रशासक गिरिजा शंकर प्रसाद की अगुवाई में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया. इसमें दिवंगत पार्षद के पुत्र और प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला खरसावां के अध्यक्ष मनमोहन सिंह राजपूत ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. उन्होंने कहा कि वे अपनी स्वर्गीय मां राजमणि देवी के सपने को साकार करने आए हैं. उन्होंने कहा कि उनकी मां ने अपने वार्ड के लिए जो भी सपना संजोया था वे उसे साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे.

हर्ल के प्रोजेक्ट हेड दिप्तेन राय का हुआ आबादला

सिंदरी। हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड (हर्ल) सिंदरी, खाद कारखाने के प्रोजेक्ट हेड सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दिप्तेन राय का तबादला हर्ल गोरखपुर कर दिया गया है. इसकी पुष्टि हर्ल प्रबंधन की ओर से की ई है. फिलहाल उनके स्थान पर हर्ल सिंदरी के उत्पादन वाइस प्रेसिडेंट सुरेश प्रमाणिक को प्रोजेक्ट हेड बनाया गया है. जानकारी के अनुसार, हर्ल गोरखपुर के प्रभारी की सेवानिवृत्ति के कारण उनका पद रिक्त था.

नगर पंचायत कर्मी के निधन पर जताया दुख

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के ट्रैक्टर चालक अशोक चौधरी का निधन हो गया. अशोक चौधरी के निधन पर नगर पंचायत के कर्मियों व सहयोगियों में शोक की लहर है. शहर के निवर्तमान नगर अध्यक्ष शशि कुमार, कार्यपाल पदाधिकारी बिपुल सन्नी, नगर प्रबंधक नजीबुल्ला अंसारी, हिमानी बारा बड़ा, लेखपाल रविकांत पटेल, अवदेश राम, विकास कुमार समेत एजाज हुसैन, राज अली, समेत कई ने दुख व्यक्त किया.

महिला समिति ने मच्छरदानी बांटी

बालूमाथ। सीसीएल की अपराजिता महिला समिति ने आमारवाडीह पंचायत के फूलबसिया गांव में शिविर लगाकर ग्रामीणों के बीच 100 मच्छरदानी बांटे. सीसीएल की मगध संघमित्रा क्षेत्र की अर्पिता महिला मंडल के मार्गदर्शन से यह किया गया. जिसका उद्देश्य डेंगू व मलेरिया से बचाव और ग्रामीणों को जागरूक करना था. मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता विभा नाथ ने की.

चौका पुलिस ने भरवाए सड़क पर बने गड्ढे

चांडिल। चौका थाना की पुलिस ने सामाजिक सहभागिता निभाते हुए दुर्घटना रोकने की पहल की. चौका मोड़ में फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर बने गड्ढे को पुलिस ने भरवाया, जिससे संभावित सड़क दुर्घटना रोकी जा सके. चौका-कांड्रा सड़क के एनएच 33 के सर्विस रोड से मिलने वाले स्थान पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे. रविवार को सुबह गड्ढे में एक ट्रक फंस गया था. इसके बाद उक्त सर्विस लेन पर वाहनों का आवागमन बंद हो गया.

बरपा मौसम का कहर, घरों में घुसा पानी, सड़कें रहीं बाधित, दुबके रहे लोग

बारिश ने छीना आशियाना, गई जान

संवाददाता । बोकारो

30 सितंबर की दोपहर से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से बोकारो के शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. बोकारो शहर से सटे सिटी सेंटर, उकरीद मोड़, बालीडीह पेट्रोल पंप के सामने, गोस्वामी टोला के सामने गायत्री मंदिर जाने के रास्ते सहित कसमार के दांतू एनएच स्थित सहदेव साव के घर के सामने मुख्य सड़क पर जलजमाव से वाहन चालकों समेत आम लोगों की परेशानी बढ़ गयी है. दूसरी ओर बिजली नहीं रहने से छोटे-बड़े कल कारखाने से लेकर बिजली से चलनेवाली मशीनें ठप हो गई हैं. बोकारो जिले के ग्रामीण क्षेत्र की बात करें तो जैनामोड़ बिजली सब स्टेशन, कसमार प्रखंड के बगियारी व खुदीबेड़ा सब स्टेशन व पेटरवार प्रखंड के चरगी सब स्टेशन में 30 सितंबर की शाम से ही बिजली सेवा बाधित है. इससे न तो किसी का मोबाइल चार्ज हो पा रहा है, ना ही पंप. समरसेबल पंप भी बंद हो गए हैं. बारिश से सड़कों पर सन्नाटा पसर गया है.

कसमार में गिरा घर, दबकर मरी दो बकरी : दूसरी ओर मूसलाधार बारिश में कसमार प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को परेशान कर दिया. 30 सितंबर की रात 8 बजे कसमार पंचायत के सुरजुडीह गांव के सुइयाडीह निवासी कुरबान अंसारी का खपरैल घर अचानक गिर गया, जिसमें दबकर उनकी दो बकरियों की मौत हो गयी. घर गिरने से कुछ देर पहले ही घर के दो सदस्य निकलकर बगल के घर में गए थे.

बारिश के कारण गिरा घर

मिट्टी की दीवार गिरी, दबकर बच्ची की मौत

दीवार का मलवा हटाते लोग

बोकारो । लगातार हो रही बारिश के कारण चास मुफस्सिल थाना इलाके के कुम्बरी गांव में 1 अक्टूबर की सुबह मिट्टी की दीवार गिर गई. इस दीवार के मलवे में दबकर चार वर्षीय एक बच्ची साइना परवीन की मौत हो गई. घटना के बाद आनन-फानन में परिजनों ने मलबा हटाकर बच्ची को मिट्टी से निकाला. घटना के बाद परिजनों में मातम है.

बच्ची के पिता शमीम अंसारी ने बताया कि सुबह में उनकी बेटी घर के बगल के रास्ते से खेलने जा रही थी. उसी दौरान बारिश में भींगी हुई दीवार अचानक उस पर गिर गई. दीवार गिरने की आवाज सुनने पर आस-पास घर के लोग दौड़ कर निकले, किसी तरह मिट्टी को हटाकर बच्ची को निकाला. लोग अस्पताल ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि उसकी मौत हो गई.

खास बातें

- चास मुफस्सिल थाना इलाके के कुम्बरी गांव हुआ हादसा
- खेलने जा रही थी बच्ची, अचानक गिरी दिवार

बीएसएल के आवास का गिरा छज्जा, आउट हाउस ध्वस्त

ध्वस्त हुआ आउट हाउस

बोकारो। शहर के सेक्टर-8 ए के स्ट्रीट -14 में 1 अक्टूबर की सुबह 8 बजे तीन मंजिला आवास का छज्जा गिर गया. छज्जा का मलबा गिरने से नीचे के आवास संख्या- 2433 में बना आउट हाउस ध्वस्त हो गया. जिस वक्त मलबा गिरा, उस समय आउट हाउस में कोई नहीं था. इस वजह से हाउस के अंदर रखी बाइक सहित कई समान नष्ट हो गये. मलबा गिरने की आवाज सुनकर आवास में रहने वाले परशुराम कुमार का पूरा परिवार दुबक गया. जब मलबा गिरना पूरी तरह बंद हुआ, उसके बाद घर के लोग बाहर निकले.

नगर सेवा विभाग से की थी शिकायत : परशुराम ने बताया कि वह कई बार आवास के जर्जर होने के संबंध में बीएसएल के नगर सेवा विभाग को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन आवास के छज्जे की मरम्मत नहीं की गई. बीती रात को हुई जोरदार बारिश में यह हादसा हुआ. उनके आवास के साथ आस-पास के अन्य कई आवास जर्जर हैं, लेकिन उनकी भी मरम्मत नहीं हो रही है. इस वजह से आए दिन आवास का छज्जा टूटकर गिरता रहता है.

11 सितंबर को सेक्टर-12 ई में गिर गई थी सीढ़ी

गत 11 सितंबर को सेक्टर-12 ई में बीएसएल के आवास के ब्लॉक की पूरी सीढ़ी ही गिर गई थी. जिसमें कई लोग ऊपरी मंजिलों में फंस गए थे, जिनका अग्निशमन विभाग के सहयोग से रेस्क्यू किया गया था लेकिन इस बार सेक्टर-8 में आवासों का छज्जा गिरना शुरू हो गया है. इस घटना से सेल के जर्जर आवासों में रह रहे कर्मियों में दहशत है.

घरों में तैर रहे सामान लोगों को खाने के लाले

मल्लिक टोला के घरों में घुसा बारिश का पानी

संवाददाता । धनबाद

धनबाद के कई इलाकों में जलजमाव से लोग काफी परेशान हैं. एक अक्टूबर को हुई भारी बारिश में कई घरों में पानी घुस गया है. जिससे कई परिवारों की स्थिति दयनीय हो गई है. मल्लिक टोला, बाबूडीह, राज कॉलोनी, भूदा रोड, बिशुनपुर, ग्रेवाल कॉलोनी, गांधी रोड, लुबी सर्कुलर रोड आदि क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है. धैया के मल्लिक टोला में करीब आधे दर्जन घरों में पानी भर गया है. रसोई घर से लेकर शयन कक्ष तक में पानी घुस गया है. स्थिति यह है कि घरों में रखे सामान पानी मे तैर रहे हैं. इससे 30 से 35 लोग प्रभावित हैं. मल्लिक टोला वासी इस स्थिति के लिए जिम्मेवार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को खोज रहे हैं. वृद्ध महिला मुनि देवी ने कहा कि उनके बेटे की तबियत खराब है. घर में पानी भर जाने से खाने-पीने तक की दिक्कत हो गई है. श्रवण राय ने कहा कि हम गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं है. नेता चुनाव के समय घर तक आते हैं वो लोग आज कहा हैं. सविता देवी ने कहा कि पति की मृत्यु के बाद से बच्चों का पालन-पोषण करना वैसे ही काफी कठिन हो गया है. ऊपर से इस जलजमाव ने खाने पर भी मुश्किल खड़ी कर दी है.

रानीबांध में सड़क पर जलजमाव से आधी डूबी गाड़ियां.

रानीबांध में जलजमाव से स्थिति भयावह, आधा हिस्से तक डूबीं कारें : रानीबांध में जलजमाव की स्थिति भयावह है. रोड पर गाड़ियां आधी तक डूब कर पार कर रही हैं. कई दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बचे. आज सभी विभागों में व जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता अभियान चालाया लेकिन किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने रानीबांध की तरफ देखना तक मुनासिब नहीं समझा.

गरगा डैम का जल स्तर खतरे के ऊपर, कई मुहल्लों में पानी

कालोनी में घुसा पानी.

संवाददाता । बोकारो

बालीडीह स्थित गरगा डैम को जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, जिसे देखते हुए डैम के एक फाटक को करीब 4 इंच खोला गया है. इस वजह से नदी में पानी की रफ्तार काफी बढ़ गई है. साथ ही नदी के किनारे रहने वालों को अलर्ट कर दिया गया है. अभी जिस तरह डैम में पानी का आना जारी है, उसे देखते हुए दूसरे गेट को भी खोले जाने की बात कही जा रही है. डैम समुद्र तल से 765 फीट पानी हमेशा रहता है, लेकिन अभी पानी 767 फीट के ऊपर चला गया है. 1 अक्टूबर की दोपहर 1बजे डैम का एक फाटक खोले जाने के बाद भी पानी कम होता नहीं दिख रहा है.

चांडिल डैम : एक-एक मीटर तक खोले गए छह रेडियल गेट

संवाददाता । चांडिल

झमाझम बारिश के बाद चांडिल डैम का जलस्तर बढ़ गया है. रविवार सुबह तक बढ़ रहे जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए डैम के छह रेडियल गेटों को एक-एक मीटर तक खोल दिया गया है. रविवार की सुबह 11 बजे भी दो रेडियल गेट को एक-एक मीटर तक खोला गया है. छह रेडियल खोले जाने के बाद चांडिल डैम का जलस्तर स्थिर बताया जा रहा है. लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण चांडिल डैम के किनारे डुब क्षेत्र में स्थित कई विस्थापित गांवों के सामने तक डैम का पानी पहुंच गया है. इससे ईचागढ़ गांव में रहने वाले विस्थापित परिवार दहशत में हैं कि कहीं बारिश होती रही तो गांव एक बार फिर जलमग्न हो जाएगा.

डैम का जलस्तर 181.75 मीटर पर : चांडिल डैम का जलस्तर रविवार की दोपहर को 181. 75 मीटर दर्ज किया गया. डैम के पानी को नियंत्रित रखने के लिए पहले से ही एक रेडियल गेट खुला था. वहीं बारिश का दौर शुरू होने पर शनिवार को दोपहर एक और गेट को खोल दिया गया. शाम तक जलस्तर को बढ़ता देखकर दो अतिरिक्त गेटों को खोला गया. चार गेटों को खोलने के बाद भी जलस्तर के कम नहीं होने पर रविवार को 11 बजे दो और रेडियल गेटों को एक-एक मीटर तक खोल दिया गया. कुल छह रेडियल गेटों को एक-एक मीटर तक खोले जाने के बाद चांडिल डैम का जलस्तर स्थित बताया जा रहा है. वहीं मूसलाधार बारिश होने पर एक बार फिर विकट स्थिति पैदा होने की संभावना है.

डैम के खुले रेडिल गेट.

राजधनवार का नौलखा बांध टूटा

खेतों में घुसा डैम का पानी.

गिरिडीह : राजधनवार का नौलखा डैम बारिश के कारण 1 अक्टूबर को टूट गया. बांध का पानी निचले इलाकों में फैल गया है. इससे लगी हुई फसलों को काफी नुकसान हुआ है. डैम का पानी रेल पटरी तक पहुंच गया है. मालूम हो कि यह डैम धनवार प्रखंड के लोगों के लिए वरदान की तरह था. इस डैम के कारण क्षेत्र का भूमिगत जल स्तर बरकरार रहता था. ग्रामीणों का आरोप है कि नौलखा डैम के अंदर एक कुप बना है जिसकी मरम्मत जरूरी थी. इसके लिए 400 करोड़ रुपये की लागत से नौलखा डैम का सौंदर्यीकरण कराया गया था लेकिन सौंदर्यीकरण के नाम पर महज खानापूर्ति की गई.

आशंका मकान के सामने हर साल होती है दुर्गा पूजा, बढ़ी श्रद्धालुओं की चिंता

झरिया में नेता जी का जर्जर मकान हुआ खतरनाक

संवाददाता । झरिया

शहर में 24 घंटे से रुक-रुककर हो रही झमाझम बारिश ने यहां के लोगों की परेशानियां बढ़ा दी है. झरिया मुख्य मार्ग स्थित चार नंबर टैक्सी स्टैंड के समीप भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार अग्रवाल का जर्जर मकान इस बारिश में और खतरनाक बन गया है. देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह मकान कभी भी गिर सकता है. मकान के ठीक सामने दुर्गा पूजा हाती है. मां मंगला चंडी पूजा समिति की ओर से यहां भव्य पंडाल बनाया जा रहा है. मकान की जर्जर स्थिति देखकर पूजा समिति के लोग काफी चिंतित हैं. सदस्य मकान मालिक से मकान की मरम्मत कराने की मांग कर रहे हैं. मां मंगला चंडी पूजा समिति पिछले कई वर्षों से उक्त स्थल पर दुर्गा पूजा का आयोजन करती आ रही है. मुख्य बाजार क्षेत्र में होने के कारण यह पूजा पंडाल लोगों की आकर्षण का केंद्र रहता है. हजारों की संख्या में श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना करने पहुंचते हैं. स्थानीय लोगों की मानें, तो पिछले कई वर्षों से यह मकान जर्जर अवस्था में है.

जर्जर मकान में पड़ी दरार

क्या कहते हैं जिम्मेदार

बेवजह मामले को तूल दे रहे समिति के लोग : राजकुमार

मकान मालिक भाजपा नेता राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि दुर्गा पूजा के चक्कर मे समिति के लोग मकान के पीछे पड़ गए हैं. मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है. अगर पूजा कमेटी को दिक्कत हो रही है, तो स्थान बदल लें. पूरा काली मंदिर का मैदान खाली पड़ा है.

मालिक से कई बार कहा गया, नहीं दे रहे ध्यान : गणेश गुप्ता

मां मंगला चंडी पूजा समिति के उपाध्यक्ष गणेश गुप्ता ने कहा कि मकान की जर्जर स्थिति से मकान मालिक राजकुमार अग्रवाल को कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन कोई पहल नहीं हुई. मजबूरन इस बार तय जगह से पीछे हटकर थोड़ा छोटे आकार में पंडाल बनाया जा रहा है.

दीवारों में मोट-मोटी दरारें बन गई हैं. मकान का अगला हिस्सा पूरी तरह से फट चुका है, जो कभी भी धराशाई हो सकता है. पूजा के समय हादसे की आशंका से समिति के लोग काफी चिंतित हैं.

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्ध मतदाता सम्मानित

वृद्ध मतदाताओं को सम्मानित करते डीडीसी.

संवाददाता । जमशेदपुर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर रविवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) मनीष कुमार ने 80 वर्ष आयु के वरिष्ठ नागरिकों व मतदाताओं को सम्मानित किया. जिला मुख्यालय सभागार में आयोजित इस सम्मान समारोह में सभी को शॉल एवं उपहार भेंट किया गया. डीडीसी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की धरोहर हैं. उनके लंबे अनुभव से समाज को सही दिशा मिलती है. लोकतंत्र में उनकी सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है. निर्वाचन आयोग की मंशा है कि वरिष्ठ नागरिक स्वयं को लोकतंत्र की कड़ी मानें और उनके आत्मसम्मान में वृद्धि हो. इस अवसर पर अपर उपायुक्त, विशिष्ट पदाधिकारी अनुभाजन, अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

स्कॉर्पियो के धक्के से बाइक सवार की मौत

पाकुड़ । पाकुड़ से बांका जा रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा पाकुड़ के जिला अध्यक्ष श्याम यादव के स्कॉर्पियो के धक्के से बाइक सवार की मौत हो गई. बताया जाता है कि जिला अध्यक्ष श्याम यादव स्कॉर्पियो से बांका जा रहे थे. इसी क्रम में पंजवारा के बैदाचक के समीप मोटरसाइकिल व स्कॉर्पियो में टक्कर हो गई. इस हादसे में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. मृतक भागलपुर का रहने वाला बताया जा रहा है. फिलहाल गाड़ी में सवार जिला अध्यक्ष सहित उनका परिवार सुरक्षित है.

बस-ऑटो में टक्कर, एक की मौत, 6 घायल

गढ़वा । रंका थाना क्षेत्र के खुथवा मोड़ के पास रविवार की दोपहर एक बस और ऑटो में टक्कर हो गई. बस गढ़वा से अंबिकापुर जा रही थी. इस दौरान हादसा हुआ. दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं 6 लोग घायल हो गये. दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई. लोगों ने घायलों को बाहर निकाला. झामुमो नेता पप्पू यादव की टीम मौके पर पहुंची. एंबुलेंस से घायलों को स्वास्थ्य केंद्र रंका पहुंचाया, जहां डॉ अशजद ने सभी का प्राथमिक उपचार किया.

बदमाशों के साथ पुलिस न खिंचवाए तस्वीर

रांची । संवाददाता सम्मेलन के दौरान चोर और बदमाशों की तस्वीर अब नहीं दिखेगी. तब तक जब तक रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा रहेंगे तब तक. इसकी शुरुआत एसएसपी ने कर दी. दरअसल 14 सितंबर को कांके थाना अंतर्गत ब्लॉक चौक पर अवधेश यादव को गोली मारी गई थी, इस आरोप में 12 लोग पकड़े गए थे. जिसमें मुख्य आरोपी चितरंजन की पत्नी, बेटा हर्ष सहित जो इस घटना से जुड़े हुए थे उन सभी को पुलिस पकड़ कर लाई जरूर थी, लेकिन सबको अलग से तस्वीर खींच कर मीडिया को फोटो, वीडियो दिया गया और उसे कोर्ट में पेश कर दिया था.

50 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

रांची । पुंदाग ओपी क्षेत्र से 50 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक युवक गिरफ्तार किया गया. बताया जाता है पुलिस को सूचना मिली थी कि पुंदाग के आलम हाता चौक के पास ब्राउन शुगर तस्कर सफ्लाय करने पहुंचे हैं. इस सूचना के आधार पर हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में पुंदाग ओपी थाना प्रभारी विवेक कुमार और उनकी टीम आलम हाता चौक पहुंची और वहां से मोहम्मद शाकिब खान उर्फ गोलू उम्र-27 वर्ष पिता-वासिद खान को 50 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार कर लिया.

टाटा मैजिक को ट्रेलर ने मारी टक्कर, नौ घायल

घाटशिला । धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के महुलीसोल चौक के पास रविवार की शाम टाटा मैजिक को ट्रेलर ने टक्कर मार दी. दुर्घटना में मैजिक में सवार नौ लोग घायल हो गए. घायलों को पुलिस वाहन से अस्पताल लाया गया. डॉक्टर ने बताया कि दो घायलों की स्थिति गंभीर है. इनमें गुड़ाबांधा थाना क्षेत्र के हथियापाटा गांव की रहने वाली दुर्गा देवी मुंडा तथा ओडिशा के मयूरभंज के रहने वाले रथो सिंह शामिल है. जिन्हें बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया है.

गुड़ाबांदा में पोस्टरबाजी के आरोप में एक गिरफ्तार

जमशेदपुर । गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र स्थित गांव में पोस्टरबाजी की घटना हुई. पुलिस ने मामले की छानबीन में पाया कि पारिवारिक विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है. पुलिस आरोपी हांगो सरदार को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस को शक ना हो इसके लिए आरोपी ने पोस्ट के माध्यम से दुकानदारों से पैसे की मांग की थी. पुलिस के अनुसार रविवार को गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र स्थित हड़ियान एवं सिंहपुरा गांव के ग्रामीणों के द्वारा सूचित किया गया की गांव में धमकी भरा पोस्टर किसी अज्ञात के द्वारा चिपकाया गया है.

बुजुर्ग ने किशोर के साथ किया अप्राकृतिक यौनाचार

हुसैनाबाद। हैदरनगर थाना क्षेत्र में 68 साल के बुजुर्ग द्वारा एक नाबालिग किशोर के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है. मामला उजागर होने के बाद आरोपी रामनारायण ठाकुर की ग्रामीणों ने जमकर पिटाई कर दी. इससे वह घायल हो गया है. आरोपी व पीड़ित का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में किया गया. पीड़ित नाबालिग और आरोपी को वहां से मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया है.

नक्सलियों ने मनाया स्थापना दिवस, वीडियो वायरल

सौरभ सिंह। रांची

एक तरफ झारखंड पुलिस माओवादियों को खत्म करने की बात कह रही है. वहीं नक्सली संगठनों ने जंगलों में स्थापना दिवस मना कर पुलिस को खुली चुनौती दी हैं. नक्सलियों द्वारा स्थापना दिवस समारोह मनाने का एक वीडियो वायरल हुआ है. यह सितंबर का है, इस महीने 21-27 सितंबर तक नक्सलियों ने स्थापना दिवस सप्ताह मनाया. हालांकि इस वीडियो का लगातार न्यूज कोई पुष्टि नहीं करता है.

क्रांति गीत गाकर श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है : वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि 100 से ज्यादा

हथियारबंद नक्सली भी मौजूद हैं. जिसमें एक बड़ी संख्या महिला नक्सलियों की भी थी. वीडियो में साफ तौर पर नजर आ रहा है कि घने जंगल में गीत संगीत का कार्यक्रम चल रहा है. पुलिस के हाथों मारे गए नक्सलियों की तस्वीरें लगाई गयी हैं, उन्हें शहीद का दर्जा देकर अन्य साथियों के द्वारा क्रांति गीत गाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है.

हथियारबंद नक्सलियों के बीच बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वीडियो में नजर आ रहे हैं. जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं.

मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, असीम मंडल, चमन, संतोष, अजय महतो, अनमोल दा, बेला सरकार, रामप्रसाद मारड़ी, अमित मुंडा, गुलशन मुंडा, संतोष महतो, भवानी, मदन महतो, मेहनत, कांडे होगहांगा, जयंती, सालुका कायम, प्रभात मुंडा, रवि सिंह सरदार, नयनतारा, अमोज मोदक, सागेन अंगारिया, सुलेमान हांसदा, राहुल चंपिया, बबलू और गौरी शामिल हैं.

राज्य के 8 जिले अति माओवाद प्रभावित हैं

झारखंड के आठ जिले माओवादियों की सक्रियता के लिहाज से अति माओवाद प्रभाव श्रेणी में हैं. वहीं राज्य के 16 जिलों में माओवादियों का प्रभाव है. केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, पूर्व में देशभर के 90 जिले माओवाद प्रभावित थे. लेकिन अब इसकी संख्या 70 है. देश के अति माओवाद प्रभाव वाले 25 में 8 जिले झारखंड के हैं. माओवाद प्रभाव वाले 16 जिलों में रांची, खूंटी, बोकारो, चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, सिंहभूम शामिल हैं. वहीं आठ अति माओवाद प्रभावित जिलों में चतरा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं.

झारखंड में बचे सिर्फ 91 इनामी नक्सली

झारखंड में पिछले एक साल के दौरान 45 इनामी नक्सली कम हो गए. सालभर पहले झारखंड में इनामी नक्सलियों की संख्या 136 थी, जो अब घटकर 91 पर पहुंच गई है. झारखंड में इस साल 21 नक्सलियों ने सरेंडर किया है. 181 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं और सात नक्सली मारे गए हैं. झारखंड पुलिस के लिए वर्तमान में चार बड़े नक्सली प्रयाग मांझी मिसिर बेसरा, असीम मंडल और पतिराम मांझी को पकड़ना चुनौती बना हुआ है. झारखंड में वर्तमान में एक करोड़ के चार, 25 लाख के आठ इनामी, 15 लाख के 15, 10 लाख के 12, पांच लाख के 21, दो लाख के 10, एक लाख के 21 इनामी नक्सली बचे हैं.

आओ जानें

2023 में सड़क दुर्घटना में हुई मौतें

लद्दाख	153	झारखंड	7369
जम्मू कश्मीर	1386	पश्चिम बंगाल	15698
हिमाचल प्रदेश	3003	मेघालय	566
पंजाब	10445	मणिपुर	277
उत्तराखंड	1777	मिजोरम	232
हरियाणा	15492	त्रिपुरा	638
दिल्ली	3185	दमन	274
उत्तरप्रदेश	36521	छत्तीसगढ़	17525
सिक्किम	233	ओडिशा	19663
अरुणाचल प्रदेश	391	महाराष्ट्र	58424
राजस्थान	23197	तेलंगाना	13097
बिहार	15405	गोवा	596
असम	4524	आंध्रप्रदेश	16044
नागालैंड	73	कर्नाटक	25278
गुजरात	22052	केरला	13886
मध्यप्रदेश	40510	तमिलनाडु	28286

पांच गिरफ्तार, पिस्टल, गाड़ी, मोबाइल समेत अन्य समान बरामद

बगियारी सब स्टेशन डकैती कांड का पुलिस ने कर दिया खुलासा

संवाददाता । बोकारो/बेरमो

बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र के बगियारी बिजली सब स्टेशन में 28 सितंबर की रात पिस्टल का भय दिखाकर डकैती का प्रयास करने के मामले का बोकारो पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है. रविवार को बेरमो एसडीपीओ बीएन सिंह, जरीडीह पुलिस निरीक्षक शंकर कामती व कसमार थाना प्रभारी उज्ज्वल कुमार पांडेय ने तेनुघाट में प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी. बताया कि इस डकैती कांड में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार अपराधियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है. इस कांड में रामगढ़ जिले के रजरप्पा प्रोजेक्ट थाना क्षेत्र के जरियो निवासी एहसान उल्लाह अंसारी उर्फ नाजिर, चतरा जिले के टंडवा थानाक्षेत्र के गारीलौंग निवासी प्रदीप कुमार साव, धनबाद जिले के कतरास निवासी मंसूर आलम शेख उर्फ मंजूर, गिरिडीह जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के भरकट्ठा निवासी रविन्द्र सिंह व हजारीबाग जिले के केराडारी निवासी लक्ष्मण रजक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

6 मोबाइल औप 3 लाइटर पिस्टल बरामद : पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामले के उद्भेदन के लिए टीम गठित कर गिरफ्तार पांचों अपराधियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 6

घटना की जानकारी देते पुलिस अधिकारी.

किया उद्भेदन

- 28 सितंबर की रात डकैती का प्रयास हुआ था
- पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया

मोबाइल, 2 ग्रेन्डर कटर, तार, 3 लाइटर पिस्टल एवं एक लोहे का फाइटर, 2 लोहे का सब्बल, दस्ताना, मास्क व अन्य कागजात बरामद किया गया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लगातार छापामारी की जा रही है. उल्लेखनीय है कि घटना के दिन अपराधकर्मियों ने पुलिस गाड़ी देखकर घटना में प्रयुक्त पिकअप वैन गाड़ी नंबर जेएच 02बीजी- 6747, मारूति 800 गाड़ी नंबर बीआर13सी- 4237 व ग्रेन्डर (कटर) मोबाइल, पहचान पत्र तथा अन्य औजार सब्बल, तार, मास्क, ग्लब्स व अन्य सामग्री घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग गये थे. जिसे बरामद किया गया था.

इस मामले में सब स्टेशन के कर्मी ने कसमार थाना में लिखित शिकायत दी थी

सुबोध ने बताया था कि 10 से 15 की संख्या में अज्ञात अपराधियों ने सब स्टेशन के दो कर्मियों को पिस्टल का भय दिखाकर बंधक बनाकर कॉपर क्वायल चोरी कर रहे थे. इस बीच कसमार पुलिस की गश्ती टीम को देखते ही सभी अपराधी भाग खड़े हुए. छापामारी दल में बेरमो अनुमंडल पुलिस अधिकारी बीएन सिंह, पुलिस निरीक्षक शंकर कामती, कसमार थाना उज्जवल पाण्डेय एसआई कार्तिक पहान, रमेश कुमार वर्णवाल, अनिल कुमार सअनि रंजीत कुमार के अलावा दीपक कुमार, सुरज कुमार गुप्ता, भागीरथ महतो (तकनीकी शाखा), गुणाराम मरांडी, राजेश ठाकुर, अशोक कुमार पूर्ति समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

गर्भवती हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

संवाददाता । गोड्डा

ससुराल में हुए विवाद के बाद पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर फरार हो गया था. घटना ठाकुरगंगटी थाना अंतर्गत ग्राम चजोरा की है. खुशबू देवी पति बिंदेश्वरी राय ग्राम मंडरो साहेबगंज निवासी ने बताया कि उनकी बेटी की शादी करीब आठ माह पूर्व सुधीर राय उर्फ पुलिस राय, पिता संतलाल राय के साथ हुई थी. अभी वो पांच माह के गर्भ से थी. बताया जाता है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को ससुराल वाले दहेज को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे. बराबर मारपीट की जा रही थी. इस बात को लेकर बेटी ने कई बार अपने मां-बाप को भी बताया था.

घटना के दिन पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ. इस पर ससुराल वालों ने

मिलकर उनकी पुत्री का गला दबाकर हत्या कर दी. सूचना पर माता-पिता बेटी के ससुराल पहुंचे तो सभी फरार हो चुके थे. घटना की खबर पर ठाकुरगंगटी पुलिस आरोपियों की तलाश में लग गई. इसी क्रम में खबर मिलने पर आरोपित पति को पथरगामा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया. ठाकुरगंगटी थाना प्रभारी रफीक आलम के अनुसार मामले को लेकर मृतका की मां के बयान पर आरोपी पति सुधीर राय उसके भाई उत्तम राय, पिता संतलाल राय व मां खाजो देवी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर पति को जेल भेज दिया गया है. बाकी फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है.

लैंड स्लाइडिंग में मशीन दबा, सुरक्षा गार्ड लापता

बेरमो । सीसीएल कथारा प्रक्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर फेस 2 परियोजना के नीचे क्वारी में 1 अक्टूबर की दोपहर लगभग ढाई बजे ओवर वर्डेन स्लाइडिंग के कारण एक श्री हंड्रेड इलेक्ट्रिक शेवेल मशीन मलवे में दब गया, जबकि इसी हादसे में एक सुरक्षा गार्ड सुबोध कुमार लापता है. घटना की जानकारी मिलते ही कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक दीपक गुप्ता, पीओ अनिल तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी गोविंदपुर परियोजना पहुंचे और घटना का जायजा ले रहे हैं. बता दे कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से खदान में पानी भर गया है, वहीं कई मशीन भी डूब गई हैं. रविवार को ढाई बजे बारिश के दौरान गोविंदपुर के नीचे क्वारी का ओवर वर्डेन सैलडिंग कर गया, जिसमें एक मशीन दब गया है, जबकि एक सुरक्षा गार्ड सुबोध कुमार लापता हो गया है.

चल रहा था धर्म परिवर्तन का खेल, पुलिस ने चेताया

संवाददाता । गावां (गिरिडीह)

गावां थाना क्षेत्र स्थित बगडेडीह में पंचायत भवन के समीप एक घर में धर्म परिवर्तन का खेल चल रहा था. वहां धर्म परिवर्तन करवाने के लिए प्रलोभन देकर कुछ लोगों को इकट्ठा किया गया था. बाहर से आई टीम प्रलोभन देकर लोगों के धर्म परिवर्तन का प्रयास कर रही थी. आसपास के लोगों को भनक लगी तो इसकी सूचना बजरंग दल के कार्यकर्ता उपेंद्र स्वर्णकार को दी गई.

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गावां थाना पुलिस को इसकी सूचना दी. पुलिस के पहुंचते ही वहां भगदड़ मच गई. कुछ लोग निकलकर भाग गए. वहीं कुछ लोगों से पुलिस ने पूछताछ की व कड़ी फटकार लगाई. कहा कि इस प्रकार गलत तरीके से गांव में आकर धर्म परिवर्तन के कार्य की दुबारा शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी. आसपास के ग्रामीणों का कहना था कि हर सप्ताह उक्त घर में बैठक का आयोजन होता है.

यहां आसपास की भोलीभाली महिलाओं को बहला-फुसलाकर धर्म कथा सुनने के लिए वहां जमा करवाया जाता है व बाद में धर्म परिवर्तन का प्रलोभन दिया जाता है. मौके पर बजरंग दल के उपेंद्र स्वर्णकार, दीपक कुमार साव, पप्पू कुमार साव, वीरेंद्र स्वर्णकार, गौतम सिन्हा, हंसराज पाण्डेय व गुड्डू तिवारी उपस्थित थे. एसआई अनिल कुमार सिंह ने कहा कि वहां पहुंचे लोगों को कड़ी फटकार लगाकर छोड़ दिया गया है.

जमशेदपुर के बागबेड़ा में हुआ बड़ा हादसा

प्रेमिका की धमकी से तंग युवक ने की खुदकुशी

रोहित कुमार । जमशेदपुर

बागबेड़ा थाना अंतर्गत गाढ़ाबासा में प्रेमिका की धमकी से तंग आकर 24 वर्षीय सोनू सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सोनू ने आत्महत्या से पहले सोशल मीडिया पर ऑनलाइन वीडियो भी पोस्ट किया. उसने घटना से पहले अपनी प्रेमिका को वीडियो कॉल भी किया. घटना शनिवार देर शाम की है. इधर, रविवार को शव को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया. सोनू दो भाई और बहनों में बड़ा था. वह मार्केटिंग का काम करता था.

परिजनों ने बताया कि सोनू शनिवार देर शाम घर आया और बाथरूम में चला गया. काफी देर तक जब वह बाथरूम से वापस नहीं निकला तो घर वालों ने बाथरुम का दरवाजा तोड़ दिया. वहां पाया कि सोनू फंदे से लटका हुआ है. उसे तत्काल टीएमएच ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सोनू के जेब से दो पन्ने का सुसाइड नोट

मृतक की फाइल फोटो.

मिला है. इसमें उसने लिखा है कि बिरसानगर की रहने वाली उसकी प्रेमिका किसी और के साथ अफेयर में है. प्रेमिका और उसकी मां ने ब्लैकमेल कर 60 हजार रुपये भी उससे लिए है. कुछ दिनों पहले प्रेमिका ने उसे फोन कर बुलाया और घर वालों से पिटवाया भी था. प्रेमिका ने मोबाइल भी छीन लिया था. कुछ दिनों से प्रेमिका ब्लैकमेल कर रही थी जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या की है.

इधर, मानगो पोस्ट ऑफिस रोड निवासी 45 वर्षीय हेमंत रुहीदास ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. हेमंत नशे का आदी था और साकची में जूते-चप्पल की मरम्मत का काम करता था. हेमंत की पत्नी रेखा दास एमजीएम अस्पताल में अटेंडर का काम करती है. शनिवार देर शाम जब वह घर लौटी तो पाया कि घर का दरवाजा अंदर से बंद है. उसने हेमंत को आवाज लगाई तो हेमंत ने कहा कि वह दरवाजा नहीं खोलेगा. इसी बीच रेखा अपने रिश्तेदार के घर चली गई. जब वह रात को वापस लौटी को दरवाजे को अंदर से बंद पाया. स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजे को तोड़ा गया. कमरे के अंदर हेमंत ने फांसी लगा ली थी.

खास बातें

- ऑनलाइन सोशल मीडिया पर वीडियो भी किया पोस्ट
- बाथरूम में लटका मिला सोनू घर में मच गया कोहराम

बंद आवास से ढाई लाख की जेवर की चोरी

बोकारो । चंदनकियारी थाना इलाके के दास टोला में चोर बंद घर से नगदी समेत ढाई लाख रुपये का समान लेकर भाग निकले. गृहस्वामी जब रविवार की शाम को घर पहुंचा, तो देखा कि उनके घर का ताला तोड़कर नगद समेत जेवर की चोरी हो गई है. इसके बाद उसने घटना की सूचना थाना को दी. गौर चन्द्र दास ने बताया कि शनिवार को वह सपरिवार ससुराल गया था. सामने के मुख्य दरवाजा पर ताला लगा था. रविवार शाम को जब घर आया तो देखा कि घर का मुख्य दरवाजा का ताला टूटा हुआ है. घर का दरवाजा अंदर से बन्द हैं. उन्होंने पीछे के रास्ते से घर घुसने पर देखा कि घर में रखा दो अलमीरा समेत बक्सा में रखा सामान गायब है.

उनके घर से अलमीरा में रखा सोना के चेन, हार, कंगन, कान की बाली समेत अन्य गहना व नगद 35 हजार रुपये भी गायब हैं. उन्होंने चंदनकियारी थाना में आवेदन देकर सामान बरामद का गुहार लगाई है. गौर चन्द्र दास के घर से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित रेलकर्मी दिनेश दास के घर से लगभग दो माह पहले 3 अगस्त को नगद बाइस हजार रुपए समेत तीन लाख का गहना चोरी हुई थी.

जामताड़ा में वज्रपात से चार की मौत, चार लोग झुलसे

संवाददाता । जामताड़ा

नारायणपुर थाना क्षेत्रन्तर्गत चंदाडीह-लखनपुर गांव में रविवार की शाम वज्रपात से एक महिला सहित तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए. इन सभी झुलसे लोगों का ईलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर में चल रहा है. बताया जाता है कि पश्चिम बंगाल का गुलगुलिया परिवार कुछ दिनों से चंदाडीह-लखनपुर गांव में टेंट लगा कर रुका था. इसी टेंट के पास वज्रपात हो गया, जिसके चपेट में आठ लोग आ गए. मृतकों में मां, उनके दो बेटे व एक बेटी शामिल है.

इनकी पहचान नेहा चौधरी मां), 11 वर्षीय पुत्र अंकित चौधरी, 05 वर्षीय पुत्र गगन चौधरी व 10 माह की नवजात ईच्छा कुमारी के रूप में हुई है. हालांकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर में ऑन ड्यूटी मुस्तैद होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ दिलीप बराई ने वज्रपात से मृतकों की पुष्टि नहीं की. उन्होंने प्राथमिक जांच के पश्चात चारों को ईसीजी जांच के लिए सदर अस्पताल जामताड़ा रेफर कर दिया. फिलहाल एंबुलेंस से वज्रपात से मृतकों को जामताड़ा लाया जा रहा है.

ये सभी पश्चिम बंगाल अंतर्गत पुरूलिया जिला के कोटशिला के रहने वाले हैं. यह सभी गुलगुलिया परिवार से है, जो पिछले तीन दिनों से चंदाडीह-लखनपुर गांव में टेंट लगाकर अपना डेरा जमाकर रह रहे थे. इधर, घटना की जानकारी मिलते ही जामताड़ा विधायक डॉक्टर इरफान अंसारी ने मौके पर पहुंचे. विधायक ने सीएचसी नारायणपुर की चरमराई स्वास्थ्य पर जमकर अपनी नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग किस काम का है, जब जिन्दा या मौत की पुष्टि में भी परेशानी हो रही है. एलोपैथ चिकित्सक के अस्पताल में मौजूद नहीं रहने पर विधायक ने आक्रोश जताते हुए कहा कि यहां पर्याप्त कुशल डॉक्टर उपलब्ध नहीं है, जो सही इलाज कर लोगों को जान बचा सके. आज डॉक्टर की कमी साफ दिखी जिस कारण हमारे लोगों की जान चली गई.

गोवंशीय पशु लदे तीन पिकअप धराए

देवघर । देवीपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार की रात छापेमारी कर पशुओं से लदे तीन पिकअप वैन को जब्त कर लिया. इस पर दर्जनों की संख्या में गोवंशीय पशु लदे थे. पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन पिकअप जिनका नंबर बीआर-01 जीएम 3658, पिकअप संख्या डब्ल्यूबी 37डी 4326 व डब्ल्यूबी 37ई 5024 है, में अवेध रूप से मवेशी भरकर चकाई, जमुआ, देवीपुर, बुढ़ई के रास्ते बंगाल ले जाया जा रहा है. इस सूचना पर वाहन चेकिंग कर मवेशियों से लदे तीनों गाड़ियों को जब्त कर थाना लाया गया. वाहन जांच करने पर किसी भी प्रकार का कोई कागजात नहीं मिला. बताया जाता है कि पिकअप में ठूंस-ठूंस कर मवेशी लादे गये थे. मौके पर थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह ने पशु चिकित्सक विजय कुमार से पशुओं के स्वास्थ्य की जांच करायी. स्वास्थ्य जांच के बाद सभी मवेशी को देवघर गौशाला भेज दिया गया है. वहीं पुलिस मामला दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है.

अजब-गजब खुद को समाजसेवी और राजनीतिज्ञ बता रहा है मोहम्मद हसनैन

जमशेदपुर के दो नागरिक गैरकानूनी तरीके से शरण लेने पहुंचे पाकिस्तान

संवाददाता। रांची

जमशेदपुर के रहने वाले दो नागरिक गैरकानूनी तरीके से पाकिस्तान में शरण लेने पहुंचे हैं. मोहम्मद हसनैन इसी सप्ताह अपने बेटे इसहाक अमीर के साथ गैरकानूनी तरीके से अफगानिस्तान के रास्ते कराची गये हैं.

मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक, बाप-बेटे पाकिस्तान में शरण लेना चाहते हैं. दोनों ने भारत में मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ 25 सितंबर को कराची प्रेस क्लब के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया. पुलिस ने उनके हवाले से बयान दिया कि वो जेल जाने को तैयार हैं, लेकिन वापस भारत नहीं जाना चाहते. उनका कहना है कि अगर उन्हें निर्वासित

किया गया, तो भारतीय भूमि पर कदम रखते ही दोनों मारे जाएंगे.

कराची ले जाने के लिए एक व्यक्ति को 60,000 दिए : मीडिया में छपी खबर के मुताबिक, कराची पुलिस ने बाप-बेटे से पाकिस्तान आने के लिए बनाये गये प्लान के बारे में पूछा. इस पर मोहम्मद हसनैन ने बताया कि वो और उनका बेटा 5 सितंबर को नई दिल्ली से संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना हुए थे. जहां से वे वीजा के लिए अफगानिस्तान दूतावास पहुंचे. इसके बाद वो काबुल गये और कंधार के लिए उड़ान भरी. कंधार पहुंचने के बाद वहां से पाकिस्तान में एंट्री ली. इसके बाद उन्होंने एक रात अफगानिस्तान बॉर्डर के पास गुजारी. इसके अगले दिन पाकिस्तान की ओर अपनी यात्रा जारी रखी. पाकिस्तान में प्रवेश करने के बाद उन्होंने कराची ले जाने के लिए एक व्यक्ति को 60 हजार रुपये दिये. मोहम्मद हसनैन का जन्म झारखंड के जमशेदपुर में साल 1957 में हुआ था. हालांकि वो पिछले कई साल से दिल्ली में रह रहे थे. साल 1989 में उनकी शादी हुई थी. उस शादी से उनके दो बेटे हुए. इसमें से एक की मौत हो गयी. जबकि दूसरा बेटा इसहाक अमीर उनकी इकलौती संतान है.

लड़ चुका है कई बार चुनाव, लेकिन कभी जीता नहीं

बता दें कि मोहम्मद हसनैन खुद को एक सोशल और पॉलिटिकल वर्कर कहते हैं. उन्होंने संसद, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव भी लड़ा है. हालांकि उन्हें किसी भी चुनाव में जीत नहीं मिली. जानकारी के अनुसार, उस दौरान उन पर कथित तौर पर भड़काऊ पोस्टर चिपकाने के आरोप में मामले भी दर्ज हुए .मोहम्मद हसनैन और इसहाक अमीर के अनुसार वह पिछले पंद्रह-बीस साल से दिल्ली के जाफराबाद में किराये के मकान में रहते थे और उनका आखिरी डेरा गौतमपुरी में था.

गिरिडीह: लकड़ी लदे दो ट्रक जब्त एमवीआई की टीम ने की कार्रवाई

संवाददाता । गिरिडीह

जिले की एमवीआई टीम ने रविवार को बेंगाबाद-गिरिडीह मुख्य पथ पर यूकलिप्टस की लकड़ी से लदे दो ट्रकों को जब्त कर बेंगाबाद वन विभाग को सौंप दिया. ग्रामीण क्षेत्र से यूकलिप्टस की लकड़ी लेकर ट्रक यूपी जा रहा था. इस बीच जांच के दौरान एमवीआई ने लकड़ी से भरा ट्रक को धर दबोचा. लकड़ी से संबंधित दस्तावेज की जांच की जा रही है. जानकारी के अनुसार इन दिनों यूपी, बिहार के तस्कर ग्रामीण क्षेत्रों से बडे पैमाने पर यूकलिप्टस के पेड़ की तस्करी में जुटे हुए हैं. गांव-गांव से यूकलिप्टस के पेडों को काट देने से गांवों की हरियाली गायब होने लगी है. संबंधित विभाग की उदासीनता के कारण लगातार यूकलिप्टस के पेडों की अंधाधुंध कटाई की जा रही थी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. रुके कार्य पूर्ण होंगे. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. राहु के मंत्रों का जाप करें. अन्न का दान करें.

वृषभ कोई गलत कार्य मे खर्च में वृद्धि होने से मन खिन्न होगा. विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं.

मिथुन आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी. कार्यसिद्धि होगी. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं. कोई लंबी यात्रा में सावधानी रखें.अन्न दान करें.

कर्क कर्म के बल पर अच्छी आय होगी. राहु के प्रभाव से भटकाव होगा. धर्म में मन लगेगा. कोई अच्छी खबरें मिलेंगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा.

सिंह किसी से विवाद हो सकता है. साथ ही लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है. पितरों के नाम पर भोजन दान करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचें. छोटी यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगी. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा. पितरों को प्रसन्न करें.

वृश्चिक मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

धनु संस्कार के बल पर प्रतिष्ठा मिलेगी. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा.

मकर कोई नया कार्य को लेकर भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. क्रोध और वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी. आलस का त्याग करें.

कुंभ पराक्रम से कार्य बनेगा. दान करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. शनि को खुश करें.

मीन आय का नया द्वार खुलेगा. संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं. बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. भविष्य को लेकर खर्चों में कमी करना होगी. अन्न दान करें.

पर्यावरण मित्र समूह ने लगाए पौधे

रांची। पर्यावरण मित्र समूह रांची के स्वयंसेवकों ने रविवार को स्वच्छ्ता एवं पौधारोपण अभियान चलाया. इस अवसर पर अलग अलग जगहों पर साफ सफाई व पौधारोपण किया. सरना पूजा स्थल, चुन्ना भट्ठा, कोकर , इंडियन ओवरसीज बैंक, दुमरदग्गा शाखा, बूटी मोड़ के सामने छायादार और फूलदार पौधे लगाये गए. मौके पर विश्वजीत गोप, जयप्रकाश पासवान, शिव पासवन, नंदकिशोर राम, प्रो. इंदल पासवान, राजेश पासवान, आशीष कुमार राम, राकेश कुमार सिंह, सतीश कुमार, देवराज गांगुली, सौरव बोस बिरसा उरांव समेत सैकड़ों लोग शामिल थे.

करम मिलन समारोह 7 को

रांची। सरना सदान मूलवासी मंच का करम मिलन समारोह 7 अक्टूबर को फिराया लाल चौक के सामने मनाया जाएगा. समारोह में झारखंड के नागपुरी कलाकारो को सम्मानित किया जाएगा.यह कार्यक्रम रविवार को आयोजित करने की योजना थी, लेकिन वह संभ नहीं हो सका. मंच के अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने बताया कि भारी बारिश होने के कारण एक अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया और आयोजन की अगली तिथि तय कर दी गयी.

धूम मचाने आया डिजनीलैंड मेला

धनबाद। धनबाद में दुर्गा पूजा उत्सव के साथ ही आने वाले कई त्योहारों में धूम मचाने के लिए एक बार फिर धनबाद एक्सपो डिजनी लैंड मेला जिला परिषद मैदान में आ गया है. मेला 2 अक्टूबर से शुरू होगा. इसका उद्घाटन सोमवार की शाम 6 बजे जिला परिषद धनबाद की अध्यक्ष शारदा सिंह व पूर्व मेयर चन्द्रशेखर अग्रवाल करेंगे.

मारवाड़ी समाज : भारी बारिश के बावजूद मतदाताओं में दिखा पूरा जोश और उत्साह

मारवाड़ी सहायक समिति का चुनाव, 1460 वोट पड़े

संवाददाता। रांची

मारवाड़ी सहायक समिति रांची की साधारण सभा एवं समिति की निर्वाचन सत्र-2023- 25 का चुनाव रविवार को मारवाड़ी भवन में हुआ, जिसमें भारी बारिश के बावजूद मतदाताओं में काफी जोश और उत्साह देखा गया. इस दौरान समिति की साधारण सभा प्रातः 10 बजे मारवाड़ी भवन के सभागार में प्रारंभ हुई. सभा की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार नारसरिया ने की.

आम सभा में सचिव कौशल कुमार राजगढ़िया ने 110 वर्ष पुरानी सामाजिक संस्था मारवाड़ी सहायक समिति के 2 वर्षों का प्रतिवेदन पेश किया तथा समिति द्वारा संचालित मारवाड़ी भवन, गोविंद भवन, मारवाड़ी युवक व्यायामशाला, रंगलाल मोदी विद्यालय, स्वर्ग द्वार, मुक्तिधाम, मोक्ष धाम तथा अन्य प्रकल्पों एवं उप समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के कुशल कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया. समिति के कोषाध्यक्ष कमल कुमार जैन ने समिति के आय व्यय का ब्योरा पेश किया. आमसभा में समिति के पूर्व अध्यक्षों, मंत्री सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे.

1460 मतदाताओं ने कि मताधिकार का प्रयोग : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कमल कुमार केडिया ने बताया कि पूर्वाहन 11 बजे से मारवाड़ी सहायक समिति सत्र-2023 - 25 के लिए चुनाव प्रारंभ हुआ. मतदान शाम 6 बजे तक चला.चुनाव में समिति के 2525 सदस्य मतदाताओं मे से 1460 मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया, भारी बारिश के बावजूद चुनाव में मतदाताओं में भारी उत्साह एवं जोश देखा गया. मतदाताओं ने मतदान कर अध्यक्ष-एक, उपाध्यक्ष- दो, सचिव - एक, उप सचिव- दो, कोषाध्यक्ष एक, एवं बीस कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया है. मारवाड़ी सहायक समिति के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में चुनाव के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कमल कुमार केडिया, सह निर्वाचन पदाधिकारी राजेंद्र केडिया, पवन शर्मा, विनोद कुमार जैन एवं अग्रवाल युवा सभा के प्रतिनिधियों ने प्रमुख भूमिका निभाई.

पर्यटन : प्रजनन काल होने के कारण जुलाई से थी बंदी

तीन महीनों के बाद खुला बेतला पार्क, लौटी रौनक

आशीष टैगोर। लातेहार

बेतला नेशनल पार्क रविवार से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया. पलामू टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेशकांत जेना ने बेतला नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर इसका शुभारंभ किया. इस अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि तीन महीने बाद बेतला नेशनल पार्क को पुनः पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है.

उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से बेतला नेशनल पार्क को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. आने वाले समय में इस नेशनल पार्क की पहचान देश के सर्वश्रेष्ठ नेशनल पार्क के रूप में होगी. उन्होंने कहा कि पर्यटकों को सभी सुविधा मुहैया कराने में विभाग कोई कसर नहीं छोड़ेगा . स्थानीय लोगों को भी इस कार्य में सहयोग करने की जरूरत है. बता दें कि प्रजनन काल होने के कारण जुलाई से तीन महीने बेतला पार्क बंद रहता है.

काफी संख्या में पहुंचे पर्यटक

झमाझम बारिश के बीच बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे . कोलकाता से पहुंचे दर्जनों पर्यटकों ने बेतला पार्क का भ्रमण किया . इस दौरान पर्यटकों में काफी उत्साह देखा गया . पार्क भ्रमण के दौरान सैलानियों ने हाथी, बाइसन, हिरण,मोर ,बंदर, लंगूर पर्यटकों ने देखा . इस दौरान पर्यटकों में जश्न का माहौल था . नो एंट्री के बाद बेतला नेशनल पार्क खुलने से करीब तीन महीने से वीरान पड़े बेतला नेशनल पार्क में रौनक लौट गयी है .

हाउसफुल है होटल

बेतला नेशनल पार्क के खुलने की सूचना पर पर्यटकों ने कई होटलों में अग्रिम बुकिंग करा ली थी . बेतला स्थित पर्यटन विभाग का होटल वन विहार 30 सितंबर से ही हाउसफुल है . रविवार होने के कारण पहले दिन तीन दर्जन से अधिक वाहन बेतला नेशनल पार्क में भ्रमण के लिए एंट्री कराया . बारिश के बीच बेतला नेशनल पार्क रौनक बढ़ी हुई थी . इस मौके पर वनपाल संतोष कुमार सिंह ,शशांक कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे .

रोटरी क्लब चाईबासा का मासिक रक्तदान शिविर

चाईबासा । रोटरी क्लब चाईबासा द्वारा 136वां मासिक रक्तदान सह जागरूकता शिविर का आयोजन रविवार को ब्लड बैंक सदर अस्पताल चाईबासा में किया गया. जिसमें कुल 30 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह किया गया. शिविर का प्रारंभ प्रमोद सुरीन एवं सचिव हर्ष राज मिश्रा के द्वारा किया गया. इस अवसर पर शिविर के बारे में जानकारी देते हुए क्लब के सचिव हर्ष राज मिश्रा ने बताया कि क्लब द्वारा 2012 के जुलाई से प्रारंभ हुआ है. स्व हरभजन सिंह खोखर की स्मृति में आयोजित की जा रही यह रक्तदान सह जागरूकता शिविर कोविड काल के संघर्ष भरे समय में भी जारी रहा. जिससे आम लोगों की जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके.

आओ जानें

झारखंड में वन एवं वन्यजीव

प्राकृतिक सुषमा	वन संसाधन की दृष्टि से झारखंड एक सम्पन्न राज्य है. राज्य में प्राकृतिक सुषमा और वनस्पति अधिक मात्रा में होने के कारण ही इसका नाम 'झारखंड' पड़ा.
कुल वनावरण	झारखंड में कुल वनावरण 23,721.14 वर्ग किमी है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 29.76% है. इस वनावरण के 23,605 वर्ग किमी क्षेत्र में वन स्थित है. भारत के कुल वन क्षेत्र का झारखंड में 3.4% है.
तीन प्रकार के वन	राज्य में अति सघन वन 2,601.05 वर्ग किमी, मध्यम सघन वन 9,688.91 वर्ग किमी तथा 11, 431.18 वर्ग किमी खुले वन क्षेत्र हैं.
वनावरण में बढ़ोतरी	वर्ष 2021 में वनावरण में 109.73 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है .
सर्वाधिक वनक्षेत्र	राज्य में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला पश्चिमी सिंहभूम (3368.44 वर्ग किमी) तथा न्यूनतम वन क्षेत्र वाला जिला जामताड़ा (106.02 वर्ग किमी) है.

दयानंद पान तांती समिति के नए उपाध्यक्ष

संवाददाता। चाईबासा

झारखंड प्रदेश पान तांती स्वांसी कल्याण समिति की बैठक रविवार को चाईबासा के पुलहातु स्थित सामुदायिक भवन में किया गया. बैठक में प्रदेश महासचिव बिजय कुमार दास ने कहा कि अनुसूचित जाति जनजाति शोध संस्थान और पिछडी जाति आयोग के द्वारा सरकार को दी गयी सलाह के आधार पर बिहार की भांति तांती कहे जाने वाले पान जाति को अनुसूचित जाति का लाभ मिल सके. इसके लिये पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग करेंगे. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री से पत्राचार अभियान की शुरुआत की गई. साथ ही सभी स्वजातीय बंधुओं से मुख्यमंत्री तक पत्राचार करने का आग्रह किया गया. बैठक में समाज सेवक चन्द्रशेखर दास ने पान गुरू स्व मुकुंद राम तांती का चाईबासा में प्रतिमा स्थापना हेतु जोर दिये. साथ ही सामाजिक गतिविधियों के लिए एक सामुदायिक भवन का निर्माण की आवश्यकता बताई.

कोडरमा गोशाला में भागवत कथा

संवाददाता। कोडरमा

झुमरी तिलैया शहर के यदुटांड़ स्थित श्री कोडरमा गोशाला परिसर में पहली बार गौवंशों के लिए श्रीमदभागवद मूल पाठ का आयोजन किया जाएगा. इसमें वृंदावन के कथावाचक आचार्य पंडित अनिरुद्ध शर्मा भागवत कथा का पाठ कराएंगे. बताते चलें कि पूरे गौशाला परिसर में इसके लिए पूर्व में ही गे शेड में छोटे-छोटे ध्वनि यंत्र दानदाता कैलाश चौधरी द्वारा लगाए गए हैं. कथा को लेकर अलग से माइक और साउंड सिस्टम लगाया जा रहा है, जिसके जरिये गोवंश अपने शेड से ही श्रीमद् भागवत कथा के मूल पाठ सुनेंगे. सनातन धर्म में पितृपक्ष में गो आहार दान की परंपरा है. ऐसे में भागवत कथा का आयोजन सराहनीय कदम होगा. गोशाला समिति के अध्यक्ष प्रदीप केड़िया, सचिव ओम खेतान, कोषाध्यक्ष अविनाश सेठ, अरुण मोदी और सज्जन शर्मा, कार्यक्रम के परियोजना निदेशक शुभ लक्ष्मी चौधरी ने बताया कि गौ वंश के आंतरिक विकास के लिए यह कदम उठाया गया है. 2 अक्टूबर से प्रतिदिन दिन 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कथा का अयोजन होगा. वहीं सात अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से भक्तों के लिए कोलकाता के आचार्य पतांजलि शर्मा के द्वारा गौ माता एवं श्रीकृष्ण के प्रेम पर प्रवचन दिया जायेगा. कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है. वहीं 3 अक्टूबर को कोडरमा गौशाला समिति की बैठक शिव वाटिका में होगी.

श्रीमद्भागवत कथा सुनने के लिए उमड़े श्रद्धालु

चौपारण । चौपारण के इटखोरी रोड स्थित राजगढ़ बिगहा के हनुमत मंदिर प्रांगण में पितृ पक्ष के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

के पहले दिन काफी संख्या में श्रद्धालु उमड़े . कथा इस्कॉन के संत आईआईटी के छात्र घनश्याम आनंद प्रभु सुना रहे हैं . श्रीमद्भागवत कथा के पहले दिन प्रभु ने कहा कि कलयुग में मानव का कल्याण प्रभु के भजन में है . श्रीमद्भागवत कथा सुनने से मानव के कष्ट दूर होंगे और समस्त कल्याण के द्वार खुल जाएंगे . संत घनश्याम आनंद प्रभु ने कहा कि भागवत कथा सुनने वालों को बैकुंठ प्राप्त होता है . इससे कलयुग के जीवों का कल्याण ही होगा . भागवत कथा का इष्टदेव भगवान श्री कृष्ण हैं . सभी को हर दिन भागवत कथा सुननी चाहिए .

जनमानस को जगाने को शौर्य जागरण रथ यात्रा कल पहुंचेगी जमशेदपुर

संवाददाता। जमशेदपुर

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंगदल द्वारा हिंदू जनमानस को जगाने झारखंड के विभिन्न जिलों मे भी यह यात्रा निकाली जा रही है. यह यात्रा 3 अक्टूबर को जमशेदपुर पहुंचेगी, जहां इसका भव्य स्वागत किया जायेगा. उक्त जानकारी विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा रविवार को बिष्टुपुर राम मंदिर में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला उपाध्यक्ष गोपी राव ने दी. उन्होंने बताया कि 3 अक्टूबर को जमशेदपुर मे प्रवेश करेगी रात्रि विश्राम के बाद पुनः 4 अक्टूबर को यह यात्रा प्रारंभ होकर दूसरे जिले में प्रवेश कर जायेगी.3 अक्टूबर के दोपहर बाराबंकी से शौर्य जागरण रथ टेल्को राममंदिर, बिरसानगर, बारीडीह से होते हुए साकची पहुंचेगी. जहां शाम को एक सभा का आयोजन किया जाएगा. रात्रि विश्राम के बाद 4 अक्टूबर को प्रातः 8: 30 बजे सोनारी राम मंदिर होते हुए कदमा स्थित रंकिणी मंदिर कदमा होते हुए बिष्टुपुर मुख्य मार्ग मे बिष्टुपुर स्थित राममंदिर, हिंदूपीठ होते हुए आदित्यपुर सरायकेला जिला में प्रवेश कर जायेगी. संपूर्ण रथ यात्रा के दौरान तय स्थानों पर समाज के विभिन्न द्वारा स्वागत किया जायेगा.

बैठक में पूजा की समस्याओं के निदान कराए जाने पर चर्चा

घाटशिला । पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति की बैठक घाटशिला के एक होटल में रविवार को समिति के कार्यकारी अध्यक्ष तापस चटर्जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां उपस्थित थे. बैठक में घाटशिला, मऊभंडार, नरसिंहपुर, बहरागोड़ा, समेत ग्रामीण क्षेत्रों की 20 पूजा समितियों ने भाग लिया. पूजा कमेटी के पदाधिकारी ने सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति के समक्ष अपनी समस्याएं रखकर प्रशासन के माध्यम से समाधान कराने का आग्रह किया. दुलाल भुइयां ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से ही दुर्गा पूजा की भव्यता है. यह हमारे क्षेत्र की सबसे बड़ी पूजा है. इसलिए हमारी समिति का यह प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों की दुर्गा पूजा में आनेवाली समस्याओं का निदान दिशा में प्रयास किया जाएगा.

साकची गुरुद्वारा साहिब के नए मुख्य ग्रंथी होंगे ज्ञानी अमृतपाल

संवाददाता। जमशेदपुर

गुरुद्वारा साहिब साकची में सत्कारयोग ग्रन्थी ज्ञानी करतार सिंह को 10 वर्ष की ग्रन्थी सेवा के बाद रविवार को उनकी इच्छा से सेवामुक्त कर भावभीनी विदाई दी गयी. इस अवसर पर शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ स्वर्ण सिंह को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया. भावपूर्ण माहौल में साकची गुरुद्वारा के प्रधान सरदार निशान सिंह, महासचिव परमजीत सिंह काले, ट्रस्टी सतनाम सिंह सहित कोषाध्यक्ष जसबीर सिंह गांधी, मनमोहन सिंह, सुरजीत सिंह छीते, ने साकची गुरुद्वारा कार्यालय में ग्रन्थी को शॉल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ देकर ससम्मान विदाई दी. मौके पर करतार सिंह ने कहा कि शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण वे स्वेच्छा से सेवामुक्त हो रहे हैं. इस अवसर पर प्रधान निशान सिंह और महासचिव परमजीत सिंह काले ने कहा कि ज्ञानी अमृतपाल सिंह साकची गुरुद्वारा साहिब के नए मुख्य ग्रन्थी होंगे.

बैठक में दुर्गापूजा की तैयारी, आय व्यय के विवरण किया प्रस्तुत

चंदवा। हरैया दुर्गा पूजा समिति की एक बैठक रविवार को डॉ मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में की गई। जिसमें गत वर्ष हुए दुर्गा पूजा के आय व्यय के विवरण कोषाध्यक्ष बिहारी सिंह के द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही आगामी दुर्गा पूजा की रूपरेखा तैयार की गयी. उनमें पूजा के लिए सहयोग राशि, पंडाल का निर्माण, प्रतिमा निर्माण, पंडाल तक पहुंचने वाले रास्ते की सफ़ाई, प्रसाद वितरण की व्यवस्था सौंपी गई. बैठक में मृत्युंजय सिंह उर्फ सोनू सिंह,डॉ मनीष कुमार सिंह,मुखिया प्रतिनिधि संदीप टोप्पो,बिहारी सिंह,सुबोध जयसवाल,जमुना जयसवाल, कामेश्वर प्रसाद,संतोष जयसवाल, बबलू खान, संजय कुमार उर्फ़ बड़े,अजय जयसवाल, विकास कुमार,बिहारी साव, आलोक कुमार, सुरेश साव, प्रवीन सिंह समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद .

तैयारियां विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ प्रारंभ होगा समारोह, लगाया जाएगा अग्रसेन मेला

जमशेदपुर में मनायी जाएगी आठ दिवसीय अग्रसेन जयंती

संवाददाता। जमशेदपुर

बैठक में उपस्थित संस्था के पदाधिकारी.

पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन आठ दिनों तक अग्रसेन जयंती का आयोजित करेगा. इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा. पुरस्कार वितरण 15 अक्टूबर को मुख्य समारोह में दामोदर जीवनी मोदी सभागार, धालभूम क्लब ग्राउंड, साकची में किया जाएगा. इसमें विशिष्ट अतिथि के रुप में समाजसेवी रमेश मेंगोतिया और दिनेश सोंथालिया शामिल होंगे. रांची से विनय सरावगी, बसंत मित्तल एवं प्रभाकर अग्रवाल भी अतिथि के रुप में शामिल होंगे. महालक्ष्मी मंदिर सभागार में आयोजित अग्रवाल सम्मेलन की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये. शोभायात्रा के संयोजक अमित अग्रवाल ने बताया कि शोभायात्रा के लिये बिलासपुर से बैंड बाजा मंगवाया जा रहा है. यह अद्भुत एवं अभूतपूर्व प्रदर्शन करेगा. साथ ही लिप्पु शर्मा ने जानकारी दी कि शोभा यात्रा में कई संस्थाओं की झांकियां शामिल हो रहीं हैं. शोभायात्रा जेएनएसी कार्यालय के समक्ष से प्रारंभ होकर धालभूम क्लब ग्राउंड तक जाएगी.

बैठक में ये थे उपस्थित : बैठक में अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष संदीप मुरारका, महासचिव अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, कोषाध्यक्ष पीयूष गोयल, पुस्तिका संपादक कमल किशोर अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, साकची शाखा के अध्यक्ष सुरेश कांवटिया, जुगसलाई शाखा अध्यक्ष दिलीप कांवटिया, अग्रवाल युवा मंच के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, महासचिव महेश भाऊका, नवनीत चौधरी, चैम्बर के सचिव सुरेश शर्मा लिपु, विनोद शर्मा, उमेश खीरवाल, दीपक चेतानी, बलराम अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

दानपत्र का होगा विक्रय

समारोह को सफल बनाने के लिये रुपये पांच सौ के दानपत्र बनवाए गये हैं . इसमें ड्रॉ द्वारा आकर्षक पुरस्कार भी दिये जाएंगे . प्रथम पुरस्कार ई स्कूटी, द्वितीय पुरस्कार एलईडी टीवी, तृतीय पुरस्कार मोबाइल फोन, चतुर्थ पुरस्कार एक ग्राम सोना एवं सांत्वना पुरस्कार 25 चांदी के सिक्के रखा गये हैं .

धालभूम क्लब परिसर में मेला

14 एवं 15 अक्टूबर को धालभूम क्लब ग्राउंड में अग्रसेन मेला का आयोजन किया जा रहा है . यहां भगवान गणेश जी, सालासर बालाजी, मेहंदीपुर बालाजी, राणी सती दादी, जीण माता, अग्रसेनका भव्य दरबार सजाया जाएगा . कई तरह के फन, फूड, चूरन इत्यादि के स्टॉल लगाए जा रहे हैं .

श्री सर्वेश्वरी समूह में किया गया मिर्गी रोगियों का नि:शुल्क इलाज

चिकित्सा शिविर में पहुंचे 83 मरीज

संवाददाता। रांची

श्री सर्वेश्वरी समूह की रांची शाखा में आज निःशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में कुल 83 मरीजों की जांच कर दवा और परामर्श दिया गया. समूह की स्थानीय शाखा औघड़ भगवान राम आश्रम में आयोजित मिर्गी रोग चिकित्सा का यह आठवां चरण था, जिसमें वैद्य रंजीत कुमार सिंह ने आयुर्वेदिक एवं फकीरी पद्धिति से रांची के आस-पास सहित इंदौर, पटना, सासाराम, रामगढ़ आदि जगहों से आये रोगियों का इलाज किया.

शिविर में समूह के ये लोग रहे उपस्थित : शिविर में समूह शाखा की तरफ से राधेश्याम सिंह, अभय सहाय, आनंद सिंह, नवीन कुमार, हेमंत नाथ शाहदेव, आशुतोष कुमार, समरेंद्र सिंह, प्रशांत सिन्हा, धर्मेन्द्र सिंह, गंगाधर नाथ शाहदेव, प्रताप आदित्य नाथ शाहदेव, गिरेंद्र नाथ शाहदेव, अंजनी सिंह, अभिजीत रौनियार सहित अन्य लोग शामिल हुए.

शिविर से पहले चलाया गया था प्रचार-प्रसार अभियान

मिर्गी रोगियों व उनके साथ आये परिजनों के लिए रात्रि विश्राम एवं भोजन आदि की व्यवस्था समूह शाखा द्वारा की गयी थी . रविवार प्रातः सूर्योदय से पहले सभी को दवा दी गयी . वहीं छोटे बच्चों को सूर्योदय के बाद दवा दी गयी . साथ ही मरीजों को दवा सेवन की विधि व क्या-क्या परहेज करना है, इसकी भी जानकारी दी . शिविर से पहले स्थानीय हाट-बाजार जैसे बिजुपाड़ा बाजार, मखमंद्रों बाजार, शालीमार बाजार, रातू एतवारी बाजार, हरमू बाजार में प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया था .

हमारे एसटी होने के कई प्रमाण, हक मिलना ही चाहिए

लड़ाई में झारखंड ही नहीं बंगाल ओडिशा के कुड़मी भी हैं शामिल

हम आदिवासी हैं तो संवैधानिक तौर पर भी हमें हक मिलना चाहिए

कुड़मी समाज के लोग अपनी मांग पर अड़े हैं. उनका कहना है कि जब हमारे जनजातीय होने के कई प्रमाण हैं,तो हमें वह हक मिलना ही चाहिए. वास्तव में कुड़मी को एसटी में शामिल नहीं करने का जो विरोध हो रहा है, वह सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीति से प्रेरित है. हमारी इस लड़ाई में सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कुड़मी भी शामिल हैं. सरकार को इस मामले में ध्यान देने की जरुरत है. सभी राजनैतिक दल के नेता कुड़मी समाज की वास्तविकता जानते हैं, लेकिन वे उनका पक्ष नहीं रखकर निष्क्रिय बने हुए हैं. देखा जाए तो हमारे मामले में राजनीति हो रही है. कुड़मी को एसटी सूची में शामिल करने की मांग बहुत पुरानी है. हर चुनाव में नेता आते हैं और हमारी मांगों को गौण कर अन्य बातों को तरजीह देकर चले जाते हैं. इससे हमारा समाज ठगा महसूस कर रहा है. हमारी लड़ाई सिर्फ अपना अधिकार पाने की है. हम आदिवासी हैं तो संवैधानिक तौर पर भी हमें उसका हक मिलना ही चाहिए. हमारा समाज उसी की लड़ाई लड़ रहा है. दूसरी ओर आदिवासी समाज के नेताओं का कहना है कि आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण एवं अन्य सुविधाओं का लाभ लेने के लिए कुड़मी जाति एसटी का दर्जा पाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं. यदि उनको एसटी में शामिल किया जाता है तो निश्चित तौर पर आदिवासियों को नुकसान होगा. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न जिलों में इस मुद्दे पर पाठकों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट

एसटी सूची में शामिल करने की मांग पर कुड़मी समाज अड़ा

विरोध सामाजिक नहीं, राजनीति से प्रेरित

चाईबासा

हम अपना हक मांग रहे हैं : गौरीशंकर

समाजसेवी गौरीशंकर महतो ने कहा कि कुड़मी जनजाति अपना अधिकार मांग रहा है. सरकार को इस पर विचार करने की जरूरत है. यह जनजाति पहले से ही जनजाति के श्रेणी में आता है. यादि वर्तमान समय में यह अपना अधिकार मांग रहा तो गलत इसमें कुछ भी नहीं है. सरकार के समक्ष हर किसी को अपनी बातें रखने का अधिकार है. कुछ समुदाय इसका विरोध भले ही कर रहा है, लेकिन जब सच्चाई सामने आयेगी तो उन्हें पश्यतापा ही होगा. भारत में कई जनजाति ऐसे हैं जो देवी देवता की पूजा करते हैं. ऐसे में उन सभी जाति को भी हटा देना चाहिये.

लड़ रहे हैं, आगे भी लड़ते रहेंगे : राजेंद्र

आदिवासी कुड़मी समाज के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने कहा कि शुरू से ही कुड़मी लगातार आदिवासी होने का अधिकार मांग रहे हैं.इसे लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं, आगे भी लड़ते रहेंगे. 1950 से पहले कुड़मी एक जनजाति ही थी. लेकिन हमें षडयंत्र के तहत एसटी की सूची से हटा दिया गया. ताकि हमारी जमीन को सीएनटी एक्ट से अलग रखा जाये. जैसे ही एसटी की सूची में हमें हटा दिया गया. वैसे ही कुड़मी जाति के लोगों की जमीन पर पूंजीपतियों का कब्जा शुरू हो गया. इसको लेकर कई बार विरोध भी हुआ. वर्तमान में भी इसका विरोध चल रहा है.

किसी भी जनजाति से लड़ाई नहीं : श्यामसुंदर

पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सह समाजसेवी श्यामसुंदर महतो ने कहा कि हमें किसी भी जनजाति से लड़ाई नहीं है. हमारी लड़ाई सिर्फ सरकार से है. लेकिन यह लड़ाई सिर्फ अधिकार पाने की है. आदिवासी बनने से लाभ लेने की नहीं है. आदिवासी होने से हमें गर्व होगा. हमारा पूर्वज जब आदिवासी के श्रेणी में थे तो आखिर हमलोग आदिवासी की श्रेणी में क्यूं नहीं हो सकते हैं. हमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है. सरकार हमारे अधिकार को दें. जिस तरह से कुड़मी का विरोध चल रहा है, इससे साफ जाहिर है कि आने वाले दिनों में कुड़मी को अकेले ही खड़ा होकर लड़ना होगा.

कुछ ही लोग विरोध कर रहे हैं: सोनाराम

कुड़मी समाज के सामाजिक कार्यकर्ता सोनाराम महतो ने कहा कि कुड़मी जनजाति का विरोध कुछ समुदाय कर रहा है. जो दुर्भाग्यपूर्ण है. जबकि उस समुदाय को सोचना चाहिये कि यादि झारखंड में कुड़मी को एसटी का दर्जा मिलेगा तो झारखंड का ही भला होगा. असम आज के समय में ट्राइबल स्टेट है. जहां पर सिर्फ ट्राइबल ही मुख्यमंत्री बन सकता है. लेकिन झारखंड को ऐसा नहीं है. यादि कुड़मी को आदिवासी का दर्जा मिल जाता है तो झारखंड भी एक ट्राइबल स्टेट हो जायेगा. इससे यहां के आदिवासी ही मुख्यमंत्री बन सकते है.

षडयंत्र के तहत एसटी सूची से हटा दिया : प्रदीप महतो

कुड़मी समाज के समाजिक कार्यकर्ता सह शिक्षक प्रदीप महतो ने कहा कि कुड़मी जाति को एक षडयंत्र के तहत एसटी सूची से हटा दिया गया है. लेकिन इससे हार मानने वाले नहीं है. पहले से आदिवासी की सूची भी है. लेकिन अपना अधिकर को दोबारा लेना चाहता है. आज भी ग्रामीण क्षेत्र में कुड़मी समुदाय पिछड़ा हुआ है. मेहनत कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं. सरकार इस जनजाति के लिये अलग से किसी तरह की योजना नहीं चला रही है. कुड़मी समुदाय को यादि एसटी में शामिल नहीं किया जाएगा तो इससे अन्य एसटी समुदाय को नुकसान होगा.

गिरिडीह

कुड़मी को आदिवासी का दर्जा मिले : राजेंद्र

बेंगाबाद के भाकपा माले नेता राजेंद्र मंडल ने कहा कि कुड़मी जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए. कुड़मी जाति की संस्कृति भी अनुसूचित जाति से काफी मिलती जुलती है. उनके रहन-सहन और खान-पान में भी काफी समानता है. कुड़मी जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए.

कुड़मी व आदिवासी की संस्कृति एक : बबलू महतो

डुमरी प्रखंड के उपप्रमुख बबलू महतो ने कहा कि कुड़मी और आदिवासी एक ही हैं. दोनों की संस्कृति व सभ्यता एक है. दोनों जाति के लोग प्रकृति के उपासक हैं. इसलिए कुड़की जाति को भी अनुसूचित जाति का लाभ मिलना चाहिए. एससी का आरक्षण मिलने के बाद ही इनकी जीवन शैली में बदलाव संभव है.

आदिवासी का दर्जा मिलना चाहिए : अजय

गावां प्रखंड के बीस सूत्री अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने कहा कि कुड़मी समाज लंबे समय से एससी में शामिल होने के लिए संघर्षरत हैं. उनकी मांग पर सरकार को विचार करना चाहिए. आए दिन होने वाले आंदोलन से आम लोगों को भी काफी परेशानी होती है. रेल चक्का जाम होने से स्थिति और खराब हो जाती है.

आदिवासी का दर्जा देना सही होगा : लालजीत

धनवार प्रखंड के लालजीत कुमार पांडेय ने कहा कि कुड़मी जाति की यह मांग लंबे से चल रही है. इस जाति की मांग जायज है. रहन-सहन और संस्कृति भी दोनों की एक तरह की है. हक नहीं मिलने के कारण कुड़मी समाज लंबे समय से आंदोलन कर रहा है. कुड़मी को आदिवासी का दर्जा देना सही होगा.

हजारीबाग

अधिकार के लिए लड़नी ही होगी : बालकुमार

चुरचू प्रखंड के 20 सूत्री अध्यक्ष बालकुमार महतो कहते हैं कि अधिकार के लिए लड़ाई तो लड़नी होगी. कुड़मी समाज की मांग जायज है. इसे अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करना ही चाहिए. सरकार इस मामले को गंभीरता से समझे. वर्ष 1891 में इसीलिए जनजाति यानी ट्राइब स्टेट्स दिया गया, कास्ट नहीं. 1908 में उनकी जमीन सीएनटी एक्ट के तहत संरक्षित की गई. वर्ष 1913 में इंडियन सक्सेसन एक्ट के बहुत से प्रावधानों से अलग रखा गया.

कुड़मी भी प्रकृति के उपासक हैं : ब्रजकिशोर

केरेडारी के ब्रजकिशोर महतो ने कहा कि कुड़मी भी आदिवासियों की तरह प्रकृति उपासक हैं. फिर कुड़मी को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने में कहां परेशानी है. छोटानागपुर पठार आदिकाल से आदिवासियों का निवास स्थान रहा है. यहां हो, मुंडा, संथाल, उरांव आदि जनजातियों के साथ कुरमी/कुड़मी जन जाति भी आदि काल से साथ साथ रहते आ रहे हैं. हजारीबाग के सिप्टन रिपोर्ट और बंगाल व ओडिशा के गजेटियर में भी इसका जिक्र है.

आंदोलन अब आर-पार का होगा : अर्जुन महतो

केरेडारी के ही अर्जुन महतो ने कहते हैं कि हक के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि अब आंदोलन ही विकल्प बचा है. राज्यभर में आंदोलन करने की जरूरत है. कुड़मी को एसटी का दर्जा दिलाने के लिए एकजुटता की जरूरत है. समाज के हर लोगों को अपना अधिकार पाने के लिए सड़क पर उतरना होगा.

हक कोई नहीं छीन सकता : राजू महतो

कुड़मी-आदिवासी आंदोलन समिति के सदस्य राजू महतो ने कहा कि कुड़मी से उसका अधिकार कोई छीन नहीं सकता. हम लड़कर अधिकार लेना जानते हैं. सरकार को कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करना होगा. उत्तरी छोटानागपुर के इतिहास के पन्नों में दर्ज अधिकार को कोई मिटा नहीं सकता है.

एसटी में शामिल करने की जरूरत : चंद्रनाथ भाई पटेल

झारखंड आंदोलनकारी सह कुड़मी-आदिवासी आंदोलन सलाहकार समिति के सदस्य चंद्रनाथ भाई पटेल ने कहा कि कुड़मी को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की जरूरत है. वर्ष 1911 में हजारीबाग के सिप्टन रिपोर्ट में इस बात की सिफारिश की गई थी. वहीं 1931 तक एंबोरिजनल ट्राइब रिपोर्ट में भी कहा गया था कि कोल्ह, संताल, मुंडा और उरांव की तरह ही कुड़मी भी प्रकृति के उपासक रहे हैं. बिहार और यूपी के इलाके में 'कुड़मी' शब्द को अपभ्रंश कर 'कुरमी' कर दिया गया. ऐसे में कुड़मी को अनुसूचित जनजाति के सूची में शामिल करने की दरकार है. बिहार, बंगाल और ओडिशा में सरकार के गजेटियर में भी इस बात का जिक्र है. चास, पुरुलिया, जमशेदपुर आदि क्षेत्रों में आदिवासियों की तरह कुड़मी भी खतियान में दर्ज हैं. ऐसे में पीआरआई ट्राइबल कमीशन को फिर से रिपोर्ट पेश करनी चाहिए.

धनबाद

कुड़मियों को अधिकार दे सरकार : हलधर महतो

कतरास निवासी समाजसेवी हलधर महतो ने कहा कि कुड़मी समाज के लोगों को एसटी की सूची में शामिल करने की मांग जायज है. समाज के लोग अधिकार की लड़ाई में सड़क पर उतर पड़े हैं. लेकिन राजनीतिक दलों के नेता उनका पक्ष नहीं रखकर निष्क्रिय बने हुए. हर बार चुनाव के समय नेता आते हैं और जनहित के मुद्दों को गौण कर अन्य बातों को तरजीह देकर चले जाते हैं. इससे समाज के लोग ठगा महसूस कर रहे हैं. उन्हें उनका हक मिलना ही चाहिए.

कुड़मी समाज की संस्कृति एक जैसी : शंकर महतो

बाघमारा प्रखंड के खानुडीह बस्ती निवासी सामाजिक कार्यकर्ता शंकर महतो ने कहा कि कुड़मी समाज को निश्चित रूप से आदिवासी का दर्जा मिलना ही चाहिए. उनकी मांग जायज है. कुड़मियों की संस्कृति आदिवासियों से मिलती-जुलती है. पूर्व में इसके साक्ष्य भी मिल चुके हैं. इसलिए इन्हें आदिवासियों के समान सभी हक व अधिकार मिलना चाहिए. लंबे समय से आदोलन के बाद भी सरकार ध्यान नहीं दे रही है.

यह मांग काफी पुरानी है : राजेंद्र प्रसाद राजा

बाघमारा के कतरास रामकनाली निवासी राजेंद्र प्रसाद राजा ने कुड़मी को आदिवासी की सूची में शामिल करने मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह समाज की काफी पुरानी मांग है. आजादी के पहले से यह मांग उठती रही है. इस पर राजनीति नहीं होना चाहिए. इसके लिए लोग आंदोलन कर रहे हैं. मामले को ज्यादा लटकाना ठीक नहीं है. आज भी इस समाज की महिलाएं कामकाज करने कारखानों में जाती है.

हक मारने की साजिश है मांग : केशव पासवान

बाघमारा प्रखंड के माटीगढ़ निवासी ट्रेड यूनियन नेता केशव पासवान ने कहा कि कुड़मी समाज की मांग आदिवासियों का हक मारने की साजिश है. कुड़मी समाज के लोग पहले से काफी सबल हुए हैं. कई प्रदेशों में तो कुड़मी फॉरवर्ड क्लास की भूमिका में हैं. फिर उन्हें आदिवासी की सूची में क्यो शामिल किया जाना चाहिए. यह मांग पूरी तरह अनुचित है. सरकार इस समाज को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल करती है, तो इससे आदिवासयों का हक मारा जाएगा.

घाटशिला

शामिल करने का अधिकार केंद्र को : बहादुर सोरेन

माझी परगना महाल के देश विचार सचिव बहादुर सोरेन ने कहा कि कुड़मी जाति को एसटी में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार के पास अधिकार है. मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार को इस संबंध में उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन करना चाहिए. कमेटी जांच कर रिपोर्ट केंद्र सरकार को दे, ताकि सरकार नीतिगत फैसला ले सके. कुड़मी जाति आदिवासियों, मूलवासी से बेहतर स्थिति में है. राजनीतिक रूप से सक्षम व्यक्ति ही समाज का नेतृत्व करता है. ऐसे में केंद्र को ठोस निर्णय लेना चाहिए. संवैधानिक प्रक्रिया के तहत एसटी में शामिल किया जा सकता है,तो करना चाहिए.

आदिवासी सूची में करें शामिल : परिमल महतो

दीघा गांव निवासी परिमल महतो ने कहा कि कुड़मी जाति को दोबारा आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग वर्षों पुरानी है. इसका समर्थन कई आदिवासी बुद्धिजीवी नेता जैसे लोगों ने भी किया है. उन्होंने अभी माना था कि कुर्मियों/कुड़मियों की भी अपनी संस्कृति और परंपरा है. उसके आधार पर उन्हें आदिवासी सूची में शामिल किया जाना चाहिए. सरकार को इस पर विचार करने की जरूरत है. शांतिपूर्ण तरीके से समाज के लोग आंदोलन कर रहे हैं. सरकार को हमारी बातों को गंभीरत से लेनी चाहिए. साथ ही इस मामले में गहन चिंतन कर कोई ठोस निर्णय लेने की जरुरत है.

आदित्यपुर

आदिवासी का दर्जा मिलना चाहिए : राजरानी महतो

आदित्यपुर की पूर्व पार्षद राजरानी महतो कहती हैं कि कुड़मियों को आदिवासी का दर्जा मिलना चाहिए. हमारे पूर्वजों को अंग्रेजों ने आदिवासी का दर्जा दिया था, लेकिन बाद में राजनीतिक षड्यंत्र कर एसटी सूची से बाहर कर दिया गया था. अब कुड़मी समाज के लोग अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं. कुड़मी समाज की संस्कृति, रीति रिवाज, परंपरा, पर्व त्योहार आदिवासियों से अलग नहीं है. हमारे समाज में भी बेटियों से दहेज नहीं लिया जाता है. आज कुड़मी जाति को राजनीतिक कारणों से आजादी के बाद हमें इस सूची से बाहर कर दिया गया था.

आदिवासियों के हक पर हमला : डोको चाकी

झामुमो नेता डोको चाकी कहते हैं कि कुड़मी आंदोलन का आदिवासियों द्वारा विरोध करना उचित है. इससे आदिवासियों के हक पर हमला होगा. झारखंड राज्य आदिवासियों के लिए अलग हुआ है. कुड़मी बाहर से आये. वे यहां के मूल निवासी नहीं हैं. कुड़मी की वजह से ही अन्य जाति के छात्रों, युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है. हमारे हक को छीनने की कोशिश की जा रही है. कुड़मी जाति आजाद भारत में कभी भी आदिवासी नहीं थे. अलग राज्य की लड़ाई आदिवासियों ने लड़ी है. सिद्धो-कान्हू, चान्द भैरव, भगवान बिरसा की शहादत कोई नहीं भूल सकता.

चक्रधरपुर

कुड़मियों का आंदोलन वर्षों पुराना : शत्रुघ्न महतो

चक्रधरपुर निवासी शत्रुघ्न महतो ने कहा कि कुड़मियों का आंदोलन वर्षों पुराना है. सरकार की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिलता आया है. हम अपने हक व अधिकार के लिए आवाज बुलंद कर रहे हैं. कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए. साथ ही कुड़माली भाषा के लिए प्रयुक्त त्रुटिपूर्ण शब्द कुरमाली को स्कूल से कॉलेज स्तर तक अविलंब संशोधित कर कुड़माली किया जाए. कुड़मी समाज अब जाग चुका है, कितनी भी बाधा आये, हम अपना अधिकार लेकर ही रहेंगे.

समाज को कर रहा जागरुक : दीपक महतो

चक्रधरपुर निवासी दीपक महतो ने कहा कि कुड़मी समाज अपने अस्तित्व और अधिकार की लड़ाई में जन आंदोलन कर समाज को जागरुक कर रहा है. हमारे आंदोलन का मुख्य उद्देश्य कुड़मी समुदाय को अनुसूचित जनजाति में सूचीबद्ध करना, दूसरा कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराना और तीसरा सरना धर्म कोड लागू कराना है. कुछ दिनों में तथाकथित आदिवासी लोग कुड़मियों का इतिहास बिना जाने, बिना पढ़े अनर्गल बयानबाजी कर सामाजिक समरसता को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं. यह राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं.

बेरमो

जमीन हड़पना चाहते हैं कुड़मी : रोहित ठाकुर

तेनुघाट के अधिवक्ता रोहित ठाकुर ने कहा कि आदिवासी मूलतः जंगल में निवास करते हैं. इनका पूरा जीवन जंगल पर निर्भर करता है, ये मूलतः जल, जंगल व जमीन की पूजा करते हैं. आज कुड़मी जाति अपने आप को आदिवासी कह रहे हैं. कुड़मी जाति आदिवासी का दर्जा पाने को संवैधानिक लड़ाई लड़ रहे हैं, जो कि न्यायसंगत नहीं है.

कुड़मी पहले से ही आदिवासी हैं : राजेश

कसमार प्रखंड के निवासी राजेश कुमार महतो ने कहा कि कुड़मी पहले से ही आदिवासी हैं. आजादी के बाद से कुड़मी को आदिवासी समुदाय की सूची से हटाया गया है. कुड़मी का रहन सहन सभी कुछ आदिवासी सभ्यता व संस्कृति से जुड़ा हुआ है. इसलिए सरकार को शीघ्र ही निर्णय लेकर कुड़मी को आदिवासी का दर्जा दे देना चाहिए है.

रांची

कुड़मी जनजाति 1931 तक आदिम जनजाति की सूची में थी : ओम प्रकाश

कुड़मी विकास मोर्चा के केंद्रीय मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश महतो ने कहा कि कुड़मी जनजाति जो 1931 तक मुंडा, उरांव, हो, संथाल आदि अन्य आदिवासी समुदायों के साथ आदिम जनजाति की सूची में शामिल थी, 6 सितम्बर 1950 में बनी अनुसूचित जनजाति की सूची में भूलवश या किसी साजिश के तहत कुडमी जनजाति को बिना किसी नोटिफिकेशन के शामिल करने से छोड़ दिया गया, जबकि डॉ. हृदयनाथ कुंजरू की 12 सदस्यीय रिपोर्ट में भी साफ लिखा है कि 1950 में उन्हीं जनजातियों को अनुसूचित जनजाति (शिड्युल ट्राइब) की सूची में शामिल किया गया, जो 1931 की आदिम जनजाति की सूची में शामिल थे. तो फिर कुड़मियों के साथ ऐसा अन्याय क्यों किया गया? सम्भवतः आदिवासियों की प्रतिशत कम करने और कुड़मियों की जमीनों का हस्तांतरण करने के कुटिल उद्देश्य से ऐसा किया गया होगा.जो भी हो, आज कुड़मी समुदाय आदिवासी होते हुए भी भारतीय उत्तराधिकार कानून 1865 एवं 1925 के प्रावधानों से मुक्त है और झारखंड सरकार के दस्तावेज में चिह्नि होने के बाद भी पिछले 66 सालों से अपनी खोई हुई पहचान, अस्तित्व व हक-अधिकार वापस पाने को संघर्षरत हैं. पटना हाई कोर्ट के कई जजमेंट में भी कुडमी को जनजाति माना है, इसके अलावे बहुत सारे दस्तावेज होने के बावजूद कुड़मी जनजाति को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर रखा गया है, जिसके कारण आज यह जनजाति अन्य सभी जनजातियों से रोजगार शिक्षा के साथ-साथ राजनैतिक भागीदारी में अंतिम पायदान पर चला गया है.

हमारे पूर्वज जब आदिवासी थे तो हम ओबीसी कैसे हो गए: दिनेश महतो

टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा के गोड्डा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार महतो का कहना है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू (कांग्रेस सरकार) ने छोटानागपुर क्षेत्र व संथाल परगना क्षेत्र के कुड़मी जनजाति को एक षडयंत्र के तहत अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर कर दिया था. 1931 की जनगणना में कुल 13 प्रीमिटिव ट्राइब थे, जिसमें से एक कुड़मी भी शामिल था. लेकिन 1950 में जब सभी प्रीमिटिव ट्राइब को सिड्यूल ट्राइब का गठन कर सूचीबद्ध किया जाने लगा, तब कुड़मी जनजाति समुदाय को छोड़ बाकी सभी 12 जनजातियों को सूचीबद्ध किया गया. झारखंड सरकार व भारत सरकार से निवेदन करते हैं कि कुड़मी जनजाति के साथ हुई गलती को पुनः सुधार कर अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध किया जाए. नहीं तो आंदोलन वृहद रूप लेगा हर घर से मां बहनें भी सड़क में उतरने के लिए तैयार हैं.

पक्षपातपूर्ण रवैया अब कुड़मी समाज नहीं करेगा बर्दाश्त : लालटु

कुडमी सेना टोटेमिक जमशेदपुर के केंद्रीय अध्यक्ष लालटु महतो ने कहा है कि कुड़मी जनजाति का जो सामाजिक और सांस्कृतिक क्षति हो चुकी है उसकी तो भरपाई संभव न हो पायेगी, उन्होंने कहा कि कुड़मी आदिकाल से आदिवासी थे,हैं और आगे भी रहेंगे. उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा कुडमी समाज के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं, उन्होंने मुख्यमंत्री रहते 2004 में कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध करने की अनुशंसा केंद्र सरकार से कर चुके हैं. अब वे केंद्र सरकार में जनजातीय मंत्री हैं,उन्हें कुड़मियों का इतिहास ज्ञात है, इसके बाद भी वे हमें अधिकार से वंचित कर रहे हैं. जबकि देशभर के 16 जातियों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल कर दिया गया है, जिनका कभी जनजातीय इतिहास ही नहीं रहा है.मुंडा जी के पक्षपात रवैये को अब कुड़मी समाज बर्दाश्त नहीं करेगा.

जमशेदपुर

कुड़मी समाज का विरोध राजनीति से प्रेरित है : प्रणव महतो

युवा नेता प्रणव महतो ने कहा कि कुड़मी समाज की मांग बिल्कुल सही है. कुड़मी 1931 तक मुंडा, उरांव, संताल, हो, भूमिज सहित अन्य जातियों के साथ जनजाति की श्रेणी में शामिल थे. इस संबंध में जूडिशियल आदेश संख्या 550 2 मई 1913 एवं 8 दिसम्बर 1931, बिहार, ओडिशा नोटिफिकेशन नं 3563 के द्वारा कुड़मी समुदाय को संताल, हो, उरांव, भूमिज आदि के साथ आदेश से जनजाति मानकर कस्टमरी लॉ व पर्सनल लॉ लागू किया गया था. ये सभी नोटिफिकेशन आज तक खारिज नहीं किए गए और न ही इसमें कोई सुधार किया गया, परंतु कुड़मी समाज को सूची से हटा दिया गया. कुड़मी समाज का खान-पान, रहन-सहन, पूजा-पर्व, विचार, सब समान हैं. कुड़मी समाज के गोत्र इनकी जनजाति होने का प्रमाण है. समय-समय पर झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, बिहार सहित अन्य प्रदेशों के लोकसभा , राज्यसभा , विधानसभा सदस्यों ने कुड़मी समाज को पुनः अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग कर चुके हैं. कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने का विरोध सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीति से प्रेरित है.

राजनीति से प्रेरित है कुड़मियों की मांग : गोमिया सुंडी

आदिवासी हो महासभा के जिला अध्यक्ष गोमिया सुंडी का कहना है कि कुड़मियों की सभ्यता संस्कृति आदिवासियों से मेल नहीं खाती है और न ही कुड़मी जाति आदिवासियों के पर्व त्योहार में पूर्ण रुप से शामिल होते हैं. वर्तमान में उनका हिंदूकरण हो गया है. ऐसे में कुड़मियों को एसटी में शामिल करने की मांग राजनीति से प्रेरित है. आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण एवं अन्य सुविधाओं का लाभ लेने के उद्देश्य से कुड़मी जाति एसटी का दर्जा पाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं. यदि उनको एसटी में शामिल किया जाता है तो निश्चित रुप से आदिवासियों को नुकसान होगा. वर्तमान समय में कुड़मी जाति धन, जन, शिक्षा, राजनीतिक रुप से सुदृढ़ हैं. ऐसे में उनके एसटी में शामिल होने से आदिवासी समाज का नेतृत्व सीधे तौर पर उनके हाथों में चला जाएगा और आदिवासी पिछड़ जाएंगे. इसलिए सरकार को आदिवासी हित को देखते हुए इस मामले में निर्णय लेना चाहिए.

संविधान सम्मत है हमारी मांग : शैलेंद्र महतो

पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो का कहना है कि कुड़मी जाति को आदिम जनजाति में शामिल करने की हमारी मांग संविधान आधारित है. 1913 में 13 जातियों में कुड़मी जाति को भी आदिम जनजाति में शामिल किया गया था. 1917 के रांची गजेटियर में भी कुड़मी जाति को एसटी में शामिल करने का जिक्र किया गया. वहीं 1936 में भी कुड़मी जाति को एसटी की बात कही गई है. यह सब दस्तावेज हैं जो यह साबित करता है कि कुड़मी जाति आजादी के पहले से आदिम जनजाति में शामिल था. पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा भी उन अधिसूचना को आज तक खारिज नहीं किया गया. सबसे बड़ा आधार तो वही है. 1950 में जब कुड़मी जाति को आदिम जनजाति की सूची से बाहर कर दिया गया था, तब कुड़मी समाज के 15 सांसदों में तत्कालीन प्रधानमंत्री को आपत्ति दर्ज कराया गया था, तब प्रधानमंत्री ने सांसदों को आशवस्त किया था कि गलती से ऐसा हो गया है जल्द ही इसमें सुधार कर दिया जाएगा. 2014 में केंद्रीय जनजाति मंत्री द्वारा पत्र लिखकर जानकारी दी गई थी. कुड़मी जाति को एसटी में शामिल करने से संबंधित मांग पत्र पर विचार किया जाएगा. ऐसे में वर्तमान केंद्रीय जनजाति मंत्री का बयान हास्यास्पद लगता है. 2023 अगस्त में संसद में तृणमूल कांग्रेस के सांसद अधीर रंजन चौधरी द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा था कि कुड़मी जाति को एसटी में शामिल करने से संबंधित प्रस्ताव पर विचार किय जा सकता है.

कुड़मी को नहीं मिलना चाहिए एसटी का दर्जा : राकेश उरांव

पूर्वी सिंहभूम हो समाज के अध्यक्ष राकेश उरांव का कहना है कि कुड़मी जाति को एसटी में नहीं शामिल किया जाना चाहिए. इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है कि अभी तक कुड़मी जाति प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से आदिवासियों का विरोध करते हैं. कभी भी आदिवासी समुदाय के पर्व त्योहार में उनकी भागीदारी नहीं रही. उनकी संस्कृति भी अलग है. कुड़मी जाति में दहेज प्रथा का प्रचलन है, जबकि आदिवासियों में दहेज प्रथा नहीं है. आदिवासी मूर्ति पूजा नहीं करते हैं, जबकि कुड़मी जाति मूर्ति पूजक हैं. ज्यादातर वे हिंदू के पर्व त्योहार मनाते हैं. ऐसे में किस आधार पर उनको एसटी में शामिल किया जा सकता है. कुड़मी जाति शुरू से ही स्वयं को आदिवासियों से श्रेष्ठ मानते रहे हैं. यही कारण है कि उन्होंने अपने नामकरण में भी समयानुसार बदलाव किए. यदि कुड़मी जाति को एसटी में शामिल किया जाता है तो पलामू और बिहार के कुड़मी जाति को भी एसटी में शामिल कर लिया जाएगा, जबकि पलामू और बिहार के कुड़मियों की सभ्यता संस्कृति कहीं से भी आदिवासियों से नहीं मिलती है.इसलिए कुड़मियों की मांग जायज नहीं है. यह बात उन्हें भी सोचने की जरुरत है.

कुड़मी को एसटी में शामिल करने की मांग...विषय पर आज दें अपनी राय

नोट

पाठक 50 से 75 शब्दों में अपना नाम, रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो के साथ अपनी राय वॉट्स एप नंबर 8102917469 पर भेजें. आपकी राय 03 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

झमाझम बारिश के बीच की गई साफ-सफाई

चौपारण। गांधी जयंती के अवसर पर प्रखंड के कई सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों सहित सामाजिक संगठनों ने रविवार को झमाझम बारिश में सफाई अभियान चलाया और श्रमदान कर आसपास की गंदगी को साफ किया. इस अवसर पर मुखिया की अगुवाई में लोगों ने स्वच्छता का संकल्प लिया. उसी क्रम में पंचायत रामपुर मुखिया सुनीता देवी, बसरिया मुखिया मंजू देवी, बेला मुखिया ममता कुमारी और पांडेयबारा में मुखिया रेखा देवी ने गणमान्य लोगों के साथ सफाई अभियान चलाया.

कोबरा वाहिनी ने चलाया स्वच्छता अभियान

बरही। बरही के अनमंडलीय अस्पताल में रविवार को 203 कोबरा वाहिनी के अधिकारियों व कार्मिकों ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया. इसका नेतृत्व कमांडेंट पवन कुमार सिंह ने किया. जवानों ने सभी कचरा निपटान कर गीले एवं सूखे कचरा को अलग-अलग रखने की विधि की भी जानकारी दी. कमांडेंट ने बताया कि 203 कोबरा वाहिनी नक्सल विरोधी अभियान के साथ स्वच्छ जीवन शैली के प्रति आम जनमानस को प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है.

एनसीसी कैडेटों ने की नदी के तट की सफाई

कोडरमा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सैनिक स्कूल तिलैया के एनसीसी कैडेटों ने सफाई अभियान चलाया. कैडेटों ने बराकर नदी व तटवर्ती क्षेत्र में सफाई की. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर, भारत सरकार के निर्देशानुसार चलाये जा रहे 'स्वच्छता अभियान' अंतर्गत रविवार का दिन जल स्रोतों व नदियों की सफाई का रहा. रिमझिम बारिश के बीच सैनिक स्कूल तिलैया के उप-प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल लालनुन सियामा ने कुल 50 एनसीसी कैडेटों के साथ बराकर नदी व तटवर्ती क्षेत्र की साफ-सफाई की.

किसानों को उन्नत कृषि का दिया गया प्रशिक्षण

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के खैरबनी पंचायत भवन में क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि के लिए तकनीकी प्रशिक्षण उद्यान विभाग द्वारा दिया गया. पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में किसानों को टमाटर, बैंगन, लौकी, भिंडी आदि सब्जी की खेती कम लागत में अधिक पैदावार कैसे हो इसकी जानकारी दी गई. रविवार को विभाग की ओर से 50 किसानों के बीच किट का वितरण मुखिया सुरेंद्रनाथ हेंब्रम के हाथों किया गया. मौके पर किसान अनंत लाल नायक दुर्गा पात्र, अरुण कुमार, बड़ा माझी, रामपदो महतो, अर्जुन माझी, धरण सिंह मौजूद थे.

क्लोरोफिल स्कूल में मनाई गई गांधी जयंती

कोडरमा। महाराणा प्रताप चौक झुमरीतिलैया में स्थित क्लोरोफिल स्कूल में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया. इसमें छोटे-छोटे बच्चे गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी के लिबास में नजर आये. छोटे बच्चों ने गांधीजी पर बनाया हुआ सबसे लोकप्रिय गीत दे दी हमें आजादी बिना खडग, बिना ढाल पर एक बहुत ही मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया. प्राइमरी क्लास के बच्चों ने गांधीजी और शास्त्रीजी की तस्वीर को कैनवास पर पेंसिल और रंगों की सहायता से उकेरा.

मुखिया संघ ने विकास को लेकर की बैठक

कोडरमा। सतगावां प्रखण्ड के बासोडीह पंचायत भवन में रविवार को मुखिया संघ का बैठक किया गया. बैठक की अध्यक्षता मुखिया संघ के अध्यक्ष उत्तम कुमार के द्वारा किया गया.वहीं बैठक में प्रखण्ड के सभी पंचायत के मुखिया एवं मुखिया प्रतिनिधि उपस्थित थे. वहीं मुखिया संघ के बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्च किया गया. वहीं संघ के द्वारा सभी पंचायत से लेकर प्रखण्ड में विकास हो इसको लेकर विशेष रूप से चर्च किया गया.

ग्रामीणों को मुर्गी पालन की ट्रेनिंग दी जाएगी

किरीबुरु। बैंक औफ इंडिया के आरसेटी डिलियामर्चा की ओर से ग्रामीणों को मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा. यह प्रशिक्षण 9 अक्टूबर से शुरू होगा, जो 18 अक्टूबर तक चलेगा. इसमें प्रशिक्षण लेने के इच्छुक लोग 9 अक्टूबर से पहले आरसेटी कार्यालय में जाकर नामांकन करा सकते हैं. नामांकन फोन कॉल के जरिये भी किया जा सकता है. इस प्रशिक्षण के लिए योग्यताएं जो रखी गई हैं, उसमें जो लिख-पढ़ सके, 18 साल से 45 साल के बीच उम्र होना चाहिए.

लालच के नशे की लत से रातों-रात अमीर बनने का ख्वाब देखने वाले युवा व मजदूर फंसते जा रहे हैं

तेजी से पांव पसार रहा है अवैध लॉटरी का गोरखधंधा

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में अवैध लॉटरी का गैर कानूनी धंधा एकबार फिर पांव पसारने लगा है. चांडिल बाजार, चौका, मुखिया होटल, स्टेशन चौक, रघुनाथपुर समेत अन्य स्थानों में रोज सुबह होटल, चाय व पान की दुकानों में अवैध लॉटरी के एजेंटों को छिपते-छिपाते लॉटरी बेचते हुए देखा जा सकता है. बताया जा रहा है कि रघुनाथपुर क्षेत्र में यह गोरखधंधा जोर-शोर से चल रहा है. इसमें लालच के नशे की लत से रातों-रात अमीर बनने का ख्वाब देखने वाले युवा व मजदूर फंसते जा रहे हैं. लाखों-करोड़ों रुपये इनाम का लालच देकर गरीबों की गाढ़ी कमाई को लूटा जा रहा है. बताया जा रहा है कि अवैध लॉटरी के कारोबार के खिलाफ पुलिस भी सक्रिय है. इसके खिलाफ पुलिस कई बार छापामारी कर चुकी है, लेकिन पुलिस को अबतक कोई सफलता नहीं मिल पाई है.

क्षेत्र में बेचे जाने वाली लॉटरी का फोटो.

पुलिस डाल-डाल तो लॉटरी कारोबारी पात-पात : झारखंड में लॉटरी खेल पर प्रतिबंध है, सरकार ने इस पर पाबंदी लगा रखी है. बावजूद इसके पूरे अनुमंडल क्षेत्र में अवैध लॉटरी की बिक्री जोर-शोर से की जा रही है. शहरी व बाजार क्षेत्र के अलावा गांव व टोला में भी अवैध लॉटरी के एजेंट लॉटरी बेचते हुए देखे जा सकते हैं. बताया जा रहा है कि गोरखधंधा में शामिल एजेंट गांव के मजदूर, छोटे-छोटे दुकानदार व युवाओं को लाखों-करोड़ों रुपये इनाम का लालच दिखाकर लॉटरी बेचते हैं. यहां स्थानीय स्तर के लॉटरी के अलावा पश्चिम बंगाल, नागालैंड समेत अन्य प्रदेशों के लॉटरी की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है. यहां पुलिस डाल-डाल तो लॉटरी कारोबारी पात-पात हैं. इसके साथ चांडिल में ऑनलाइन जुआ का धंधा भी परवान पर है.

बढ़ती जा रही पारिवारिक कलह

चांडिल बाजार के प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि जैसे-जैसे क्षेत्र में लॉटरी का गैर कानूनी धंधा एक बार फिर अपना पांव पसार रहा है, वैसे-वैसे क्षेत्र में पारिवारिक कलह भी बढ़ता जा रहा है. लॉटरी में अपने दिनभर की कमाई को लुटाने के बाद जब लोग खाली हाथ घर पहुंचते हैं, तो स्वाभाविक रूप से गरीबों के घरों में पारिवारिक विवाद बढ़ेगा. अवैध लॉटरी का नशा लोगों के नसों में ब्राउन शुगर की तरह घुल गया है, जिससे निजात पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है. दिन पर दिन क्षेत्र के लोग इस गोरखधंधे के दलदल में फंसते जा रहे हैं.

असाध्य रोगियों को जिला स्तर से नहीं मिलेगी मदद, जाना होगा मुख्यालय

25 से अधिक आवेदन लटके सिविल सर्जन ने भेजा रांची

रविन्द्र कुमार । धनबाद

जिले में असाध्य बीमारी पीड़ित मरीजों को अब सिविल सर्जन कार्यालय से मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना का लाभ नहीं मिलेगा. झारखण्ड सरकार ने नियमों में बदलाव किया है. अब मरीजों को पहले आयुष्मान योजना से इलाज कराना होगा. आगे इलाज की जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत 5 लाख रुपये सहायता राशि दी जाएगी.

ज्ञात हो कि अबतक असाध्य रोग से पीड़ितों को मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाती थी. राज्य सरकार ने यह राशि बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी थी. घोषणा के बाद 5 लाख तक की सहायता राशि जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग स्वीकृत करता था और बाकी 5 लाख रुपए के लिए जिला से आवेदन स्वास्थ्य निदेशालय रांची को भेजा जाता था. लेकिन अब इस नियम में बदलाव किया गया है. इधर, धनबाद के सिविल सर्जन कार्यालय में 25 से अधिक मरीजों का आवेदन लंबित पड़ा. अब तक उन्हें स्वीकृति नहीं मिली है, जिससे मरीज निराश हैं. कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनके आवेदन तो स्वीकृत कर लिए गए हैं, लेकिन अस्पताल एमओयू समाप्त होने के कारण इलाज से इनकार कर रहे हैं.

असाध्य बीमारियों की सूची में नहीं हुआ है फेरबदल

मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत 21 तरह के असाध्य रोगों के इलाज में सरकारी सहायता प्रदान करने का प्रावधान है. इनमें कैंसर, लीवर, किडनी, एसिड अटैक, विस्कॉट एल्ड्रिच सिंड्रोम, थैलेसीमिया, ब्लड डिस्क्रेसिया, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, प्लास्टिक सर्जरी इन केस ऑफ पोस्ट ट्रामा डिफॉर्मिटी एंड बर्न केस, रेटिनल डिटैचमेंट, सीरियस हेड इंज्यूरी विद क्रेनिऑटोमी प्लस क्रिटिकल केयर, प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी, ऑपरेशन ऑफ ट्रेकिआ एसोफाजाल फिस्टुला, मायेलोमेनिगोसेले सर्जरी, पेनेट्रेटिंग केरेटोप्लास्टी, ब्रेन हेमरेज, कंजेनिटल डिफॉर्मिटी इंक्लूडिंग फेशियल क्लेफ्ट्स, माइक्रोटेक हेमीफेशियल, मैक्रोसोमिया, ट्रेचर कोलिंस सिंड्रोम, एक्टोपिया, कॉकलियर इंप्लांट, ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, जुवेनाइल नासोफेरिंजल एंजियोफिब्रोमा, कोरोनरी आर्टरी बाइपास ग्राफ्टिंग/इंट्रा एओर्टिक बैलून पंप (सीएबीजी आईएबीपी), कंटीन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी इन एक्यूट फेलियर इन आईसीयू पेशेंट शामिल हैं.

बढ़ेंगी मुश्किलें

- झारखंड सरकार ने नियमों में अब बदलाव किया है
- मरीजों को पहले आयुष्मान योजना से इलाज करना होगा
- आगे इलाज की जरुरत होने पर सहायता राशि मिलेगी
- सीएम गंभीर उपचार योजना में पहले 5 लाख मिलता था

> सहायता राशि देने की प्रक्रिया में फेरबदल किया गया है. पीड़ित मरीजों की ओर से दिए गए आवेदनों को मुख्यालय, रांची भेजा गया है. मंजूरी के लिए मुख्यालय से आग्रह भी किया गया है, ताकि मरीजों को राहत मिल सके. हालांकि अंतिम निर्णय सरकार के हाथ में है.
> **डॉ. सीबी प्रतापन, सिविल सर्जन, धनबाद**

प्रेस क्लब के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष करेंगे अंगदान

आदित्यपुर। सरायकेला-खरसावां जिला के एकमात्र मान्यता प्राप्त पत्रकार संगठन द प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला के अध्यक्ष मनमोहन सिंह ने रविवार को क्लब द्वारा आयोजित एकदिवसीय रक्तदान शिविर के मौके पर लोगों को रक्तदान के अलावा अंगदान के लिए भी प्रेरित करते हुए खुद एक नजीर पेश की है. रविवार को उन्होंने रोटरी क्लब जमशेदपुर मिडटाउन, श्री साईं सेवा संस्थान, सिविल सर्जन और प्रेस क्लब के पदाधिकारियों की मौजूदगी में अंगदान करने की घोषणा की. इतना ही नहीं उनके इस घोषणा से प्रेरित होकर क्लब के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह एवं सरायकेला के व्यवसायी वासुकीनाथ सिंह मोदक ने भी अंगदान करने की घोषणा की.

स्टेशन क्षेत्र में चला सफाई अभियान

जमशेदपुर। देश भर में "स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत सफाई अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत टाटानगर स्टेशन व उसके आसपास सफाई अभियान चलाया गया. मौके पर रेलकर्मियों के साथ-साथ जमशेदपुर लायंस क्लब, गायत्री क्लब, जेएसआर ऑन व्हिल्स समेत कई संस्था और स्काउट गाइड्स भी मौजूद थे. कार्यक्रम की शुरुआत में सभी को शपथ दिलाई गई, जिसके बाद स्टेशन परिसर के आस-पास प्रभात फेरी निकाली गई. इस दौरान पौधरोपण भी किया गया. मौके पर मौजूद सिनियर डीईई (टीआरएस) विनोद कुमार ने कहा कि कार्यस्थल को साफ-सुथरा रखना बेहद जरूरी है.

जहां स्वच्छता, वहीं ईश्वर का वास है: अंजनी कुमार

संवाददाता। मैथन

डीवीसी मैथन परियोजना सहित चिरकुंडा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर रविवार 1 अक्टूबर को सुबह दस बजे से स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया. मैथन के बीपी नियोगी अस्पताल परिसर से लेकर पोस्ट ऑफिस और डेली मार्केट एरिया में साफ-सफाई की गई. डीवीसी के कार्यपालक निदेशक सह मैथन परियोजना के प्रधान अंजनी कुमार दुबे के नेतृत्व में चलाये गये इस अभियान में निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, डीवीसी के अधिकारी, सीआईएसएफ की टीम, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. परियोजना प्रधान दुबे ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई. कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान केवल एक दिन या सप्ताह का नहीं, बल्कि जीवनशैली में सर्वदा परिवर्तन लाने का अभियान है.

लोग सफाई को आदत में शामिल करें : बीडीओ

एग्यारकुंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार के नेतृत्व में शिवलीबाड़ी शंकर टॉकीज से मैथन मोड़ तक स्वच्छता अभियान चलाया गया. बीडीओ ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि लोग साफ सफाई को अपनी आदत में शामिल करें. कार्यक्रम में सीओ कृष्णा मरांडी, झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ निरसा 3 इकाई के अध्यक्ष प्रमोद कुमार झा, तनवीर आलम, चंचला देवी, विनोद कुमार दास, भोला यादव, शिवकुमार अग्रवाल, कुमारधुबी ओपी प्रभारी संदीप यादव, बहादुर मुर्मू, विवेक कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

ब्राइट वे एकेडमी के फाइनल समेस्टर के विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण पर गए ओडिशा

संवाददाता। चाईबासा

ब्राइट वे एकेडमी के सेमेस्टर-6 (फाइनल स्नातक) के छात्र-छात्राओं को रविवार को संस्थान की ओर से एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिये ओडिशा के प्रसिद्ध घटगांव मंदिर तथा किचिंग मंदिर ले जाया गया. इस बारे में बताते हुए संस्थान के निर्देशक प्रोफेसर डॉ. मुरारी लाल बैध ने कहा कि सेमेस्टर-6 का यह अंतिम पढ़ाई है. संस्थान में अब ये छात्र-छात्राएं अपनी फाइनल की परीक्षा 11 अक्टूबर से देंगें. इसलिए इनको एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए ओडिशा के प्रसिद्ध मंदिर ले जाया गया. उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राओं को अपनी सभ्यता के बारे में अवश्य जानना चाहिए. सभी छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण का आनंद लिया और ओडिशा की संस्कृति को करीब से देखा. कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के प्रोफेसर करन चन्द टुडु, प्रोफेसर लक्ष्मी बोदरा, जितेश खंडेलवाल, सुरोजित सेन, मालती बास्के, अंजना, अंजनी बोयपाए, अंजलि दास, फोनिभूषन नायक, तनिष बैध, सिरिष्टि दत्ता अनिमेष बिरुली ,लक्ष्मी जामुदा, युवराज कालन्दी और सेमेस्टर-6 के सभी छात्र-छात्राओं का योगदान रहा.

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

संवाददाता। गढ़वा

उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई. बैठक में निर्वाचन, मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व समेत अन्य कल्याणकारी योजनाओं की उपायुक्त ने समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. उपायुक्त ने हेल्थ एवं न्यूट्रिशन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का निर्देश दिया. साथ ही नीति आयोग द्वारा निर्धारित 49 पैरामीटर को ध्यान में रखते हुए कार्य करने को कहा. सिविल सर्जन से सदर अस्पताल में इमरजेंसी सेवाओं के लिए डॉक्टरों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने सदर अस्पताल में इमरजेंसी सेवा के लिए अनिवार्य रूप से चिकित्सक की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. आयुष्मान कार्ड निर्माण की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए.

पीडीएस दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश

आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने राशन कार्ड निर्माण एवं राशन वितरण की जानकारी ली. उपायुक्त ने कहा कि जन वितरण प्रणाली दुकान का समय-समय पर औचक निरीक्षण करें और गड़बड़ी पाये जाने पर कार्रवाई करें. डीसी ने मतदाता सूची दुरूस्त करने का भी निर्देश दिया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिले में कुल 8000 पीवीटीजी परिवार रहते हैं. प्राथमिकता के आधार पर शत प्रतिशत इन परिवारों का पहचान पत्र हो. इनमें से कोई भी ऐसा योग्य मतदाता न छूटे. मतदान केंद्रों पर एएमएफ के तहत शौचालय समेत अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया. बैठक में मनरेगा, आधार सीडिंग, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर शहिद पोटो हो खेल विकास योजना के तहत खेल मैदान निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समेत अन्य योजनाओं की एक एक कर समीक्षा कर डीसी ने आवश्यक निर्देश दिए.

बैठक में ये रहे मौजूद

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, अपर समाहर्ता पंकज कुमार सिंह, निदेशक डीआरडीए दिनेश प्रसाद सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा राज महेश्वरम, अनुमंडल पदाधिकारी रंका राम नारायण सिंह, सिविल सर्जन गढ़वा डॉ अवधेश सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार उपस्थित थे.

सरकार पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय कर रही है

चाईबासा। आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के सिंहभूम लोकसभा प्रभारी सह युवा नेता रामहरि गोप ने कहा कि महागठबंधन की हेमंत सरकार झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिला के पिछड़ा वर्गों के साथ अन्याय कर रही है. अपने ही जिला में अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है. चाईबासा जिला में लगभग पिछड़ी जातियों की 40 से 45 फीसदी आबादी है बावजूद इसके चाईबासा जिला में जिला स्तरीय आरक्षण रोस्टर में आरक्षण शून्य कर दिया गया है. इससे यह साबित होता है कि राज्य सरकार पिछड़े एवं अत्यंत पिछड़े वर्गों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है और नौकरियों में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व नहीं देने पर आमादा है. गोप ने आरक्षण के विषय पर सरकार को सुझाव देते हुए कहा कि सर्वप्रथम जातीय जनगणना की जाए. इसके बाद ही जिलावार आरक्षण रोस्टर को तय किया जाए और संख्या के आधार पर सभी वर्गों को सभी सरकारी विभागों में जनसंख्या की अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जाए.

सरकार दे रही है सर्वाधिक राशि : विधायक

संवाददाता। घाटशिला

काशीदा आजीविका महिला संकुल स्वावलंबी सहयोग समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा काशीदा पंचायत सचिवालय में रविवार को आयोजित की गई. इसमें पावड़ा, घाटशिला, गोपालपुर, काशीदा व कालचिति पंचायत की महिला समूहों के सदस्यों ने भाग लिया. संकुल के अध्यक्ष नमिता रानी महतो ने वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया. आमसभा में संकुल के नए अध्यक्ष सुष्मिता नारायण दे, सचिव बाहा मुर्मू व कोषाध्यक्ष निनी बेहरा चुने गए. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामदास सोरेन ने कहा कि अब महिला और पुरुष में कोई अंतर नही रहा. सरकार सब को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन स्वरोजगार जरूर दे सकती है. सरकार ने जेएसएलपीएस को बजट में सब से अधिक राशि का प्रावधान किया है. सरकार हर महिला समूहों को हरसंभव मदद करेगी.

उत्पाद के लिए बाजार उपलब्ध कराने की मांग

विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने कहा कि महिलाएं कम समय में बेहतर कार्य करके ऊंचाई को हासिल किया है. छोटे से समूह से प्रारंभ करके लिमिटेड बन गयी है. काशीदा और धरमबाहाल पंचायत को रूर्बन मिशन से आच्छादित किया गया है. इसके लिए बहुत सारी योजनाएं चलायी जा रही हैं. महिला समूहों के उत्पाद के लिए सरकार बाजार उपलब्ध कराए. जिला परिषद सदस्य करण सिंह ने भी अपनी बातों को रखा. आम सभा को उप प्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल, मुखिया पार्वती मुर्मू, मुखिया वैद्यनाथ मुर्मू,पंसस सुमित्रा सोरेन,काशीदा ग्राम प्रधान दिलीप कुमार दे ने भी सभा को संबोधित किया. इस मौके पर जगदीश भकत, अर्चना चक्रवर्ती, छबि कर्मकार, सुनीता पात्र, सुष्मिता भोल, मिठू राव, समेत अनेक लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन संजुक्ता नायक ने किया.

परेशानी समाजसेवी के अंतिम संस्कार में मूसलाधार बारिश की वजह से परिजनों को भारी परेशानी हुई

अंतिम संस्कार के लिए शेड तक नहीं, भींगते हुए दी मुखाग्नि

संवाददाता। बड़कागांव

मूसलाधार बारिश ने बड़कागांव के विकास की पोल खोल दी. यह बात उस वक्त सामने आयी, जब समाजसेवी अमीर साव के अंतिम संस्कार के लिए लोग घाट पर पहुंचे. वहां शेड नहीं होने के कारण मूसलाधार बारिश की वजह से परिजनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी. पहले तो चिता में अग्नि संस्कार करने में ही परेशानियों का सामना करना पड़ा. किसी तरह मुखाग्नि दी गई. विकट स्थिति यह थी कि कई बार चिता बुझने के कगार पर पहुंच गई. वहां शेड होता, तो यह स्थिति का सामना परिवार को नहीं करना पड़ता.

दरअसल बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत चेपाखुर्द निवासी समाजसेवी 65 वर्षीय अमीर साव का निधन रविवार की सुबह 7.00 बजे हो गया. तेज बारिश होने के कारण परिजनों को उनके अग्नि संस्कार में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. मूसलाधार बारिश में ही लोगों ने किसी तरह अमीर साव का अग्नि संस्कार किया. उनके अंतिम संस्कार में लोकहित अधिकार पार्टी के हजारीबाग जिला प्रभारी कुंजबिहारी साहू तथा रांची जिला मुख्य सलाहकार रामबिलास साव शामिल हुए. लोकहित अधिकार पार्टी के नेता श्मशान घाट में शेड नहीं देखकर नाराजगी व्यक्त की. स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधि से मांग की गई कि यथाशीघ्र श्मशान शेड का निर्माण हो, ताकि बरसात में शव को जलाने में किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े. अमीर साव के बड़े पुत्र जीवलाल साव ने उन्हें मुखाग्नि दी.

बारिश में समाजसेवी अमीर साव का अग्नि संस्कार करते परिजन.

श्मशान घाट के लिए भूतनाथ मंडली तत्पर रहती है

इस संबंध में हजारीबाग स्थानीय मुक्तिधाम बाबा भूतनाथ मंडली के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि बड़ाकागांव में बड़ी-बड़ी कंपनियां विकास का दावा करती है. यहां डीएमएफटी फंड है. जनप्रतिनिधि विकास की बड़ी-बड़ी घोषनाएं करते हैं. लेकिन कभी भी श्मशान घाट के शेड के बारे में उन्होंने नहीं सोचा. इससे बड़ी संवेदनहीनता और क्या हो सकती है. हजारीबाग में श्मशान घाट के लिए भूतनाथ मंडली सदैव तत्पर रहती है. बहरहाल अमीर साव के अंतिम संस्कार में समाजसेवी पदुम साव, सीताराम साव, कुलदीप साव, द्वारिका साव, जुगेश्वर साव, राजदेव महतो, कौलेश्वर महतो, दिनेश्वर महतो, महेंद्र राम आदि भीगते हुए शामिल हुए.

विहिप की जागरण यात्रा विधायक ने किया स्वागत

संवाददाता। नीलांबर पीतांबरपुर

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में शौर्य जागरण यात्रा निकाली गई. नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड मुख्यालय में रथ का स्वागत पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने किया. मौके पर विधायक ने कहा कि आज भारत देश में सनातन धर्म से काफी लोग आस्था व निष्ठा के साथ जुड़ रहे हैं. धर्म जिंदगी जीने की कला सिखाता है. उन्होंने नौजवानों से अपील करते हुए कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए वह धर्म के बताए हुए मार्ग पर चलें. भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प के साथ आगे बढ़ें. महावीर मोड़ से विधायक ने रथ का स्वागत किया. वहीं बैरिया मोर से पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ शौर्य जागरण रथ को लेकर प्रखंड मुख्यालय पहुंचे.

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- इनसाइक्लोपीडिया मुण्डारिका के लेखक कौन हैं – जे. हॉफमैन
- किसे इंटेल इंडिया का अध्यक्ष नियुक्त किया गया – गोकुल सुब्रमण्यम
- मनु, याज्ञवल्क्य, नारद और बृहस्पति कौन थे – प्राचीन भारत के कानूनज्ञ
- ट्राइटियम किसका समस्थानिक है – हाइड्रोजन
- देश के पहले फोटोग्राफी संग्रहालय का उद्घाटन कहां हुआ – मसूरी
- बॉक्साइट उत्पादन में झारखंड का भारत में कौन सा स्थान है – तीसरा
- कच नामक सिक्के किस वंश के माने जाते हैं – गुप्त
- प्रक्षेपास्त्र का विकास किसने किया था – वर्नहर वॉन ब्रॉउन
- किस राज्य में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन योजना शुरू हुई – छत्तीसगढ़
- झारखंड में टोंगीनाथ का मंदिर किस जिले में है – गुमला

ब्रीफ खबरें

करंडे में इलाज के दौरान बच्चे की मौत

शेखपुरा। इलाज के दौरान बच्चे की मौत पर जमकर बवाल हुआ. मामला जिले के करंडे थाना क्षेत्र के लुटौत गांव की है. जहां 7 वर्षीय बालक राहुल कुमार की बुखार के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई. बालक की मौत के बाद उसके आक्रोशित परिवार वालों ने प्रैक्टिशनर के घर पर जमकर पथराव किया. स्थिति गंभीर होते देखकर चिकित्सक और उनके परिवार वाले घर छोड़कर फरार हो गए. घटना की सूचना मिलने के बाद प्रभारी थानाध्यक्ष अमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया.

झोलाछाप चिकित्सक के चक्कर में मौत

समस्तीपुर। झोलाछाप के चक्कर में एक महिला की मौत हो गई. घटना रविवार की मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोरदिवा रसलपुर गांव की है. महिला की पहचान गांव के संतोष चौधरी की पत्नी किरण सहनी 27 वर्ष के रूप में की गई है. मौत की सूचना पर आक्रोशित लोगों ने रसलपुर के पास सड़क पर शव रखकर समस्तीपुर अंगार बाईपास पथ को जाम कर दिया. जाम के कारण इस सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हुई. घटना की सूचना पर मुफस्सिल पुलिस भी मौके पर पहुंची.

कर्मचारी की लाठी से पीट-पीट कर हत्या

आरा। शहर में एक सरकारी कर्मचारी की लाठी-डंडों से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. घटना शनिवार रात की टाउन थाना क्षेत्र के मझौवां गांव की है. जिस सरकारी कर्मचारी की हत्या की गई, उसका नाम राकेश सिंह है. वह मझौवां गांव के लंगड़ सिंह का बेटा था. वर्तमान में वह बड़हरा ब्लॉक में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के पद पर कार्यरत था. घटना की सूचना मिलते ही टाउन थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की और मामले की छानबीन शुरू कर दी.

यह संख्या बल नहीं, मानसिकता का सवाल है: गिरिराज

संवाददाता । पटना

बिहार की राजनीति में इन दिनों राजनीतिक बयानबाजी तेज है. सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सभी एक-दूसरे हमला बोल रहे हैं. पटना एयरपोर्ट पर उतरे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के एक बयान पर पलटवार किया. तेजस्वी यादव ने कहा था कि बीजेपी से ज्यादा उनकी पार्टी में राजपूत एमएलए और एमएलसी हैं.

इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह संख्या बल का सवाल नहीं है, मानसिकता का सवाल है. गिरिराज सिंह ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और राष्ट्रीय जनता दल की मानसिकता शुरू से ही भेद करने का रहा है. मैंने सोचा था कि लालू प्रसाद यादव ठाकुरों से माफी मांग कर समाज में एक शांति बहाल करेंगे लेकिन ऐसा उन्होंने नहीं किया. उन्होंने अभी तक माफी नहीं मांगी. दिल दुखाकर अच्छा नहीं किया.

बता दें कि आरजेडी से राज्यसभा सांसद मनोज झा ने 21 सितंबर को सदन में ''ठाकुर'' वाली कविता पढ़ी थी. इसके बाद आरजेडी के विधायक चेतन आनंद ने मोर्चा खोल दिया. हालांकि मनोज के समर्थन में खुद आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव आ गए. हैं. उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि मनोज झा ने कुछ गलत नहीं कहा है.

वहीं दूसरी ओर आरजेडी नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने शुक्रवार को महिला आरक्षण पर दिए गए अपने बयान के बाद विवादों में घिर गए. मुजफ्फरपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कह दिया कि महिलाओं के आरक्षण के नाम पर लिपस्टिक और बॉब कट वाली औरत नौकरी में चली आएंगी तो आपकी महिलाओं का हक नहीं मिलेगा. इसके बाद बिहार में बवाल मच गया. गिरिराज सिंह ने आरजेडी नेता के इस बयान की भी घोर निंदा की.

राजद का भाजपा की तुलना में ठाकुरों से अधिक जुड़ाव है

बता दें कि पिछले दिनों आरजेडी नेता मनोज झा की 'ठाकुर' वाली कविता पढ़े जाने के बाद से बिहार में सियासत शुरू हो गई. इस मामले में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी कूद गये. उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि हाल में 'ठाकुरों' का राज्यसभा में उनके करीबी मनोज झा ने अपमान किया था. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का भाजपा की तुलना में ठाकुरों से अधिक जुड़ाव है. तेजस्वी ने कहा कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में हमारे सदस्यों में, भाजपा की तुलना में अधिक राजपूत (बिहार में ठाकुर कहे जाने वाले) हैं. हमारे पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह को उनमें शामिल किया है, जिन्हें हम अपना आदर्श मानते हैं. उन्होंने कहा कि राजद के संस्थापकों में दिवंगत रघुवंश प्रसाद सिंह शामिल थे, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मनरेगा की शुरुआत कीण्

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- बिहार में शेरशाह सूरी का मकबरा बिहार में कहां है – सासाराम
- सेन वंश का संस्थापक कौन था – सामंत सेन
- स्टेलनेस स्टील किसकी मिश्रित धातु है – क्रोमियम और आयरन
- बिहार में पहली बार विधानसभा चुनाव कब हुआ – 1937
- कांच के निर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्रियां – बालू, सोडा, चूना-पत्थर
- थीपुसम त्यौहार किस समुदाय के द्वारा मनाया जाता है – तमिल
- गौतम बुद्ध के पिता का क्या नाम था – शुद्धोधन
- मड़ई त्यौहार किस प्रदेश का आदिवासी त्यौहार है – छत्तीसगढ़
- जोवाई हिल स्टेशन किस राज्य में स्थित है – मेघालय
- चोल वंश का अंतिम राजा कौन था – राजेंद्र तृतीय

भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने नीतीश पर निशाना साधा, कहा

जेडीयू पार्टी नहीं गैंग है

संवाददाता । पटना

भाजपा की ओर से सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है. पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा पूरे बिहार में स्वच्छता अभियान चला रही है. इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के साथ भाजपा के अन्य बड़े नेता शामिल हुए. इसी क्रम में बांस घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार को पीएम कैंडिडेट तो दूर छोटे से टोला का संयोजक तक बनाने से भी इनकार कर दिया गया है.

वहीं जेडीयू में मंत्री-विधायक के बीच चल रहे विवाद पर कहा है कि जेडीयू पार्टी नहीं गैंग है, जो नीतीश कुमार के नेतृत्व में चला रही है. उस गैंग में विद्रोह हो चुका है. जदयू में जितने भी छोटे-मोटे नेता हैं उनका कोई महत्व राजनीति में अब नहीं रह गया है. वहीं नगर निगमकर्मियों की हड़ताल के कारण पटना में लगे गंदगी के अंबार पर सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार को जितनी जल्दी हो इसपर संज्ञान लेना चाहिए. सरकार को इसकी चिंता कर निगमकर्मियों की हड़ताल को खत्म करानी चाहिए. इधर पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने भी सेवा पखवाड़ा के तहत पटना के काली घाट स्थित दरभंगा हाउस में स्वच्छता अभियान में चलाया.

भाजपा नेताओं ने बांस घाट पर शाह जी को सम्मानित किया. उन्होंने अब तक 6 लाख से भी अधिक लोगों को मुक्ति दिलाई है. सीताराम राय उर्फ शाह जी ने 29 नवंबर 1977 को बांस घाट शवदाह गृह को ज्वाइन किया था. 2012 में रिटायर हुए थे. अभी ये बांस घाट पर ही रहते हैं. एक छोटी सी दुकान है. बांस घाट पर उसी को चलाते हैं. अब तक 6 लाख से भी अधिक शव को जला चुके हैं.

दूसरी ओर जदयू विधायक सुदर्शन कुमार ने सीएम नीतीश कुमार के करीबी और भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि राजो बाबू हत्याकांड में अशोक चौधरी साजिशकर्ता थे. अब वे मेरी भी हत्या करवा सकते हैं. सुदर्शन कुमार ने कहा कि अशोक चौधरी जदयू में रहते हुए बीजेपी से अपने दामाद सयाण कुणाल को नवादा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़वाना चाहते हैं. यही वजह है कि अब अचानक उन्हें बरबीघा की याद आने लगी है.

भाजपा हमलावर

- निगमकर्मियों की हड़ताल पर संज्ञान ले सरकार
- दरभंगा हाउस में स्वच्छता अभियान में चलाया गया

जदयू में एक बड़ी टूट देखने को मिलेगी

रविवार को पटना एयरपोर्ट पर चिराग पासवान मीडिया से मुखातिब हुए. उन्होंने अशोक चौधरी, ललन सिंह और सुदर्शन कुमार में चल रहे विवाद के सवाल पर कहा कि हमको नहीं पता कौन...किसको कहां से सेट करने जा रहा है. यह बात हकीकत है कि ललन सिंह को लेकर उन्हीं के नेताओं में एक असंतोष की भावना है. धीरे-धीरे यह चीज सतह पर दिखने लगी है. अब वह वह दिन दूर नहीं है जब जदयू में एक बड़ी टूट देखने को मिलेगी. जदयू का भविष्य क्या है. जेडीयू एक ऐसी पार्टी है जिसके नेता बार-बार पाला बदल देते हैं. धीरे-धीरे जदयू में आने वाले दिनों में टूट निश्चित है. चिराग पासवान ने कहा कि जदयू के कई नेता सांसद, विधायक हम लोगों के संपर्क में हैं. वहीं, मनोज झा के ठाकुर वाले कविता पर कहा कि मैं किसी का समर्थन नहीं कर रहा हूं. वो जिस-जिस पार्टी से आते हैं. वह जातियों की पार्टी मानी जाती है. समाज को बांटकर समाज में भेदभाव उत्पन्न करके उसका राजनीतिक लाभ लेना एमवाई समीकरण बनाना, अगड़े-पिछड़े की लड़ाई करवानी है. जो कविता उन्होंने पढ़ी वह लंबे समय से है. इस कविता का हमलोग स्कूल में सप्रसंग व्याख्या करते थे. किसी जाति को लेकर यह कविता नहीं लिखी गई है, जो सोच इस पार्टी की रही है. इसकी जरूरत नहीं थी, ऐसी किसी कविता को पढ़कर इस तरीके से मतभेद को उत्पन्न करने की जरूरी नहीं है.

परीक्षा में नकल करते चार धराए

संवाददाता । नवादा

सिपाही भर्ती परीक्षा के पहले दिन नवादा में रविवार को पहली पाली में चार लोग नकल करते पकड़े गये. वहीं परीक्षा हॉल के बाहर से एक परिजन को भी गिरफ्तार किया गया. नवादा के सदर एसडीओ ने बताया कि ब्राइट करियर स्कूल से अखिलेश कुमार, दिल्ली पब्लिक स्कूल से प्रिंस कुमार, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल से पुष्पेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया. तीनों लोगों के पास से ब्लूटूथ डिवाइस मिला है.

वहीं संत जोसेफ पब्लिक स्कूल से नकल करते हुए कमलेश कुमार को पकड़ा गया है. इस परीक्षा केंद्र के पास से एक परिजन को मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है. एसडीओ ने बताया कि एग्जाम शुरू होने से एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों की एंट्री करवा दी गई थी. परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए खुद डीएम सभी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर रहे हैं. परीक्षा हॉल के बाहर और अंदर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. एसडीए और एसडीपीओ अपने-अपने इलाके में केंद्र का दौरा कर रहे हैं.

नवादा जिले में एग्जाम के लिए 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं. विभाग की ओर से सख्त आदेश दिए गए हैं कि अगर कोई अभ्यर्थी पकड़ा जाता है तो उस पर 5 साल प्रतिबंध लगेगा.

सीनियर डॉक्टर पर लगा छेड़खानी करने का आरोप

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

सदर अस्पताल में कार्यरत इंटर्न महिला डॉक्टर ने अपने सीनियर डॉक्टर पर छेड़खानी का आरोप लगाया है. रविवार को महिला डॉक्टर ने टाउन थाने में लिखित शिकायत की, जिसपर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार किया. महिला डॉक्टर ने बताया कि डिप्टी सुपरिटेंडेंट के निर्देश पर रविवार को इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी कर रही थी.

इसी दौरान सीनियर डॉक्टर मो. नुरुल कमाल पहुंचे और मेरी फोटो खींची. इसके साथ ही हाथ पकड़कर मरोड़ दिया और जोर जबरदस्ती कर अपने साथ चलने को कहा. यह घटना इमरजेंसी वार्ड में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद है. महिला डॉक्टर ने बताया कि डॉ. मो. नुरुल कमाल ने धमकी देते हुए कहा कि इंटर्न पूरा होने के बाद जो लेटर मिलता है, वो मिलने नहीं दूंगा. इसके बावजूद पीड़िता टाउन थाना पहुंची और पुलिस से शिकायत की. पुलिस ने शिकायत मिलते ही कार्रवाई शुरू कर दी गई. वहीं, आरोपी डॉ मो.नुरुल कमाल ने बताया कि मुझे सदर अस्पताल के अधीक्षक बाबू साहब झा ने फोटो खींचने के निर्देश दिए थे. इसलिए मैं फोटो खींच रहा था.

चौसा में किसानों ने निकाला बाइक मार्च

बक्सर। चौसा के मूरा बाबा स्थान से रविवार को किसानों ने बाइक मार्च निकला. जिसमें दर्जनों किसान बाइक के साथ तिरंगे झंडा, किसान के प्रतीक हरे झंडे को लेकर गांव गांव घूमने निकले. बाइक मार्च अखौरिपुर गोला, सरेंजा, यादव मोड़, दुर्गा मंदिर के रास्ते चुन्नी पवनी होते हुए पुनः धरना-स्थल पर पहुंचकर समाप्त होगा. बता दें कि चौसा थर्मल पावर में गई और जा रही ज़मीन की उचित मुआवजा, स्थानीय युवाओं को रोजगार और कंपनी के आरएरआर पॉलिसी को लागू करने की मांग को लेकर 350 दिन से किसान धरने पर बैठे हैं.

कारोबार

10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 62,586.88 करोड़ रुपये की गिरावट आई. सबसे ज्यादा नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं. समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 26,308.58 करोड़ रुपये घटकर 12,91,919.56 करोड़ रुपये रह गया. इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 25,296.43 करोड़ रुपये घटकर 5,95,597.10 करोड़ रुपये पर आ गया.

आईसीसीओ का सदस्य बने अब भारत : एरियन

आबिदजान। अंतरराष्ट्रीय कोको संगठन (आईसीसीओ) के कार्यकारी निदेशक मिशेल एरियन ने कहा है कि कोको को लेकर भारत को नीतिगत चर्चाओं में भाग लेने के लिए आईसीसीओ का सदस्य होना चाहिए. भारत कोको के उपभोग के मामले में उभरते बाजारों में से एक है. यह फिलहाल सालाना 27,000 टन कोको का उत्पादन करता है, जिसका अधिकतम उपयोग चॉकलेट बनाने में किया जाता है.

पीएफआरडीए चेयरमैन दीपक मोहंती ने पेंशन अपनाने पर दिया जोर

'खाने से सजी थाली' जैसी हो सेवानिवृत्ति बाद की आय: मोहंती

भाषा । नई दिल्ली

पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा है कि लोगों को पेंशन के लिये एक स्वाभाविक पसंद विकसित करने की जरूरत है. सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर जीवनयापन के लिये खाने से सजी थाली की तरह विभिन्न स्रोतों से आय होनी जरूरी है. मोहंती ने यह भी कहा कि जब भी कोई नौकरी या कामकाज शुरू करता है, तो उसे उसी समय से सेवानिवृत्ति आय और पेंशन के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए. इसके लिए निवेश भी करना चाहिए. लंबी अवधि तक निवेश करके ही कम्पाउंडिंग (चक्रवृद्धि) का लाभ उठाकर सेवानिवृत्ति के लिये अच्छा कोष बनाया जा सकता है. मोहंती ने एक अक्टूबर को मनाये जा रहे एनपीएस (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) दिवस के मौके पर खास बातचीत में उक्त बातें कहीं. पीएफआरडीए देश के नागरिकों के बीच पेंशन और सेवानिवृत्ति योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल एक अक्टूबर को एनपीएस दिवस के रूप में मनाता है.

अलग-अलग होने चाहिए आय

पेंशन लेकर पसंद का अभाव

दीपक मोहंती ने कहा कि लोगों में पेंशन को लेकर स्वाभाविक पसंद होनी चाहिए, जिसका अभी अभाव है. सेवानिवृत्ति के बाद अच्छा जीवन जीने के लिये जरूरी है कि हमारे पास निश्चित आय का जरिया हो. वह केवल पेंशन रूपी इकलौते स्रोत से नहीं बल्कि खाने से सजी थाली की तरह विभिन्न स्रोतों से आए. अगर आप ईपीएफओ के अंतर्गत आते हैं और आपकी आय का एक हिस्सा पीएफ में जा रहा है.

आय जरूरी

- नौकरी शुरू करने के समय ही पेंशन पर सोचना चाहिए
- मोहंती ने एनपीएस दिवस के मौके पर यह बात कही

कुछ देशों में तीन पेंशन मिलती हैं

पीएफआरडीए) के चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा कि कुछ विकसित देशों में कर्मचारियों को तीन-तीन पेंशन मिलती हैं. मेरा अपना अनुभव है, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के कई स्रोत होने चाहिए. एनपीएस में पेंशन राशि तय नहीं होने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि लंबे समय तक पेंशन तय करना व्यावहारिक नहीं है. कुछ विकसित देशों में जहां पेंशन कोष जीडीपी का 100 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा है, वहां भी इसे लेकर समस्या हो रही है.

के स्रोत : दीपक मोहंती ने कहा कि लोग कहते हैं, मेरे बैंक खाते में पैसा है, मेरे पास संपत्ति है. मेरा मानना है कि पैसा हर जगह लगाना चाहिए.

एमएंडएम की कुल बिक्री सितंबर में 17% बढ़ी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) लिमिटेड की सितंबर में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 75,604 इकाई रही. कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी. एमएंडएम ने कहा कि यात्री वाहन बिक्री सितंबर, 2023 में 20 प्रतिशत बढ़कर 41,267 इकाई रही, जो पिछले साल सितंबर में 34,508 इकाई थी. एमएंडएम की पिछले महीने कारों और वैन की बिक्री शून्य थी. हालांकि, सितंबर, 2022 में उसने इस श्रेणी में 246 वाहन बेचे थे. एमएंडएम के वाहन खंड के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा कि जहां हमारे प्रमुख एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) ब्रांड की मांग मजबूत बनी हुई है, वहीं हम त्योहारी सीजन की मजबूत मांग को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर और चुनिंदा कलपुर्जों की उपलब्धता पर नजर रख रहे हैं. एमएंडएम ने कहा कि उसका कुल निर्यात पिछले महीने पांच प्रतिशत घटकर 2,419 इकाई रह गया, जो सितंबर 2022 में 2,538 इकाई था.

दिवाला कानून के तहत 300 समाधान की उम्मीद

भाषा । नई दिल्ली

दिवाला कानून के तहत दबाव वाली संपत्तियों के समाधान का आंकड़ा इस साल 300 तक पहुंचने उम्मीद है. भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के चेयरपर्सन रवि मित्तल ने रविवार को यह बात कही. इसके साथ ही मित्तल ने समाधान पेशेवरों का मामलों को तेजी से आगे बढ़ाने का आह्वान किया. मित्तल ने कहा कि ऋणदाताओं ने दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के जरिये लगभग तीन लाख करोड़ रुपये की वसूली की है. पिछले साल यह आंकड़ा 51,000 करोड़ रुपये से अधिक था. उस समय ऐसे समाधान का आंकड़ा 80 प्रतिशत बढ़कर 180 हो गया था. वह राष्ट्रीय राजधानी में आईबीबीआई के सातवें वार्षिक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. आईबीबीआई, आईबीसी को लागू करने वाला प्रमुख संस्थान है.

मित्तल ने कहा कि आईबीसी ने गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में कमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. यह कानून वसूली का तंत्र नहीं है, बल्कि समाधान प्रक्रिया है. इस साल अगस्त तक 135 समाधान हुए हैं.

बायजू का मार्च तक मुनाफे में आने का लक्ष्य

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू ने संगठन के एकीकरण और पुनर्गठन के साथ मार्च, 2024 तक मुनाफे में आने का लक्ष्य तय किया है. पूरे मामले से अवगत सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी 1.2 अरब डॉलर के ऋण का निपटान भी करेगी. कंपनी ने अपने संगठन में भूमिकाओं के दोहराव को खत्म करने के बाद इस महीने कार्यबल में लगभग 3,000-3,500 तक की कमी करने की कवायद शुरू की है. एक सूत्र ने कहा कि थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) के पुनर्गठन से कई व्यावसायिक इकाइयों में फैली मौजूदा परिचालन व्यवस्था को चार मुख्य क्षेत्रों में व्यवस्थित किया जाएगा.

कार्बन-मुक्त करने का है लक्ष्य

भाषा । नई दिल्ली

टाटा स्टील ने अगले तीन साल में अपने ब्रिटेन स्थित संयंत्र को कार्बन-मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है. कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टीवी नरेंद्रन ने यह जानकारी दी. कंपनी ने कार्बन-मुक्तिकरण योजना के तहत ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) विधि की जगह कम उत्सर्जन वाली इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) विधि को अपनाया जाएगा.

भारतीय कंपनी टाटा स्टील, साउथ वेल्स के पोर्ट टालबोट में स्थित ब्रिटेन की सबसे बड़ी 30 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाली इस्पात कंपनी की मालिक है. इसमें करीब 8,000 लोग काम करते हैं.

नरेंद्रन ने कहा कि मजदूर संघों के साथ बातचीत चल रही है. हमें कई अनुमतियों की भी आवश्यकता है. कुछ बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना है. बहुत सारे काम करने की जरूरत है. इस पर काम पहले ही शुरू हो चुका है. हम उम्मीद कर रहे हैं कि अगले तीन साल में हम ये प्रक्रिया पूरी कर लेंगे. उन्होंने कंपनी को कार्बन-मुक्त करने की योजना की समयसीमा के बारे में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की.

शेयर पिछले सप्ताह एफआईआई ने नकद संभाग में 8431 करोड़ रुपये की भारीभरकम बिकवाली की, इसका कारण कुछ यूएस में डॉलर इंडेक्स में बढ़त है

विदेशी निवेशक भारतीय शेयर मार्केट की अधिक समय तक उपेक्षा नहीं कर सकते हैं

शशांक भारद्वाज
वीपी व्हॉइस ब्रोकिंग

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर मार्केट ने सप्ताह में मध्य निचले स्तरों से अच्छी पुनर्वापसी दिखाई. निफ्टी ने 19550 के एक महत्वपूर्ण स्तर की रक्षा की तथा 19638 निफ्टी की साप्ताहिक बंदी दी. निफ्टी के 19550 के नीचे बंद होने पर मंदी अधिक गहरा सकती थी. साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 36 अंकों की गिरावट रही. शुक्रवार को एक समय निफ्टी 200 अंक ऊपर था परंतु अंतिम कुछ मिनटों में 100 अंकों की गिरावट देखने मिली, कारण भारतीय शेयर बाजार में तीन दिनों की छुट्टी हो सकती है. साथ ही अमेरिका में शट डाउन की आशंका भी मंडरा रही थी. यद्यपि शट डाउन पर वहां सत्ता पक्ष तथा विपक्ष पर समझौता हो गया है. अब यदि सोमवार को वैश्विक शेयर बाजार तेज होते हैं तो भारतीय शेयर बाजार में भी अच्छी तेजी देखी जा सकती है.

परंतु इस तेजी का टिकना अथवा तीव्रता इस पर निर्भर करेगी कि विदेशी निवेशकों की लगातार बड़ी बिकवाली को भारतीय निवेशक अपनी लिवाली से कितना आत्मसात कर पाते हैं. पिछले सप्ताह भी एफआईआई ने नकद संभाग में 8431 करोड़ रुपये की भारीभरकम बिकवाली की. इसका कारण कुछ तो लाभ ले लेना है, कुछ यूएस में बॉन्ड यील्ड तथा डॉलर इंडेक्स में बढ़त है. यद्यपि ये दोनों अपने ऊपरी स्तर से थोड़ा गिरे हैं परंतु अभी भी शेयर मार्केट के लिए संतोषमय क्षेत्र से अधिक है. यूएस के ब्याज दरों में कमी का वातावरण बनने तथा इसका संकेत मिलने से ही इनमें उल्लेखनीय कमी आएगी एवं तभी एफआईआई की बिकवाली रुक खरीदारी में परिवर्तित होगी. तभी भारतीय शेयर मार्केट में बहुत तेज उछाल आएगा. अभी एफआईआई विरुद्ध भारतीय निवेशक का युद्ध है. भारतीय निवेशक बड़ी संख्या के पूरे उत्साह, विश्वास तथा आत्मविश्वास के साथ शेयर बाजार में आ रहें हैं. निवेश कर रहें हैं. खुदरा निवेशकों की रुचि सामान्यतया छोटे तथा मझौले शेयरों में रहती है.

इसलिए निफ्टी में गिरावट के बाद भी ऐसे शेयर अच्छा प्रदर्शन कर रहें हैं. बड़े शेयरों में भी उनकी रुचि जगेगी. तब एफआईआई की बिकवाली के पश्चात भी उनमें तेजी दिख सकती है. विदेशी निवेशकों को तो इस बदले परिदृश्य में भारतीय शेयर बाजार में बड़ा तथा आक्रामक निवेश करना पड़ेगा, तभी वो भारतीय शेयर बाजार में प्रासंगिक भी रह पाएंगे. भारत विश्व की सर्वाधिक तीव्र गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है. तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है. अतः वो भारत में निवेश की उपेक्षा कर ही नहीं पाएंगे. पिछले आठ महीनों में एनएसई में 8 करोड़ नए निवेशक पंजीकृत हुए हैं. प्रतिमाह लाखों की संख्या में नए डीमैट खाते खुल रहे हैं. इससे आप भारतीय निवेशकों के बढ़ते प्रवाह, शक्ति का सहज अनुमान लगा सकते हैं.अभी का शेयर मार्केट शेयरों के वितरण विरुद्ध संग्रह के युद्ध के समय में है. यदि संग्रह पक्ष वितरण के पक्ष को पछाड़ पाने में सफल हो जाता है तो बड़ी संख्या में शेयरों में आशातीत तेजी देखी जा सकती है. अच्छी गुणवत्ता के अच्छे मूल्यों पर उपलब्ध शेयरों का विभिन्न भावों पर संग्रह करते रहना बहुत अच्छा प्रतिफल दे सकता है.

पिछले सप्ताह के प्रथम तीन दिन भारतीय शेयर मार्केट ने विदेशी बिकवाली, ऊंचे क्रूड मूल्यों की भविष्यवाणी, यूएस बॉन्ड यील्ड के 16 वर्षों की ऊंचाई, डॉलर इंडेक्स में बढ़त आदि नकारात्मक समाचारों के पश्चात भी अच्छा प्रतिरोध दिखाया था. गुरुवार को मार्केट टिक नहीं पाया. शुक्रवार को इसने सकारात्मक प्रारंभ किया तथा धीरे धीरे तेज ही होता गया. अंतिम क्षणों में निफ्टी में अचानक 100 अंकों की गिरावट आई. यदि मंगलवार को मार्केट शुक्रवार के उच्चतम स्तरों के ऊपर बंद होते हैं तब जो यह बिकवाली आई, यह या तो दुर्बल हाथों से निफ्टी सबल हाथों में ट्रांसफर हुई है.

निफ्टी में 200 अंकों की चाल की दिशा महत्वपूर्ण है

इस बिकवाली को फसाने के लिए मंगलवार को मार्केट को एक अच्छी तेजी तथा अच्छी बंदी को परम आवश्यकता है. एफआईआई की निफ्टी में पोजीशन भी निचले स्तरों पर है. ऐसे में यदि कोई अत्यंत निराशाजनक अप्रत्याशित बात नहीं आती तो इन स्तरों से बहुत अधिक बिकवाली आने की संभावना नहीं बची है. फिर शुक्रवार की तेजी चुपके चुपके वाली तेजी सी लग रही है. ये सामान्यतया बड़ी तेजी में परिवर्तित हो जाती है. निफ्टी में अगले 200 अंकों की चाल की दिशा महत्वपूर्ण हो गई है. पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इंडेक्स फ्यूचर में भी 7601 करोड़ रुपए की बड़ी बिकवाली की. सप्ताह के सभी पांचों दिन एफआईआई नकद तथा इंडेक्स फ्यूचर में बिकवाल ही रहे. तब भी निफ्टी में मात्र 36 अंकों की कमी आई. यह मार्केट की आंतरिक शक्ति को दर्शाता है. विदेशी शेयर मार्केट में भी ऋण, बॉन्ड कोषों से वैश्विक इक्विटी कोषों की ओर प्रवाह अप्रैल में बाद पहली बार बढ़ा है. यह संकेत है कि अब यह माना जाने लगा है कि ब्याज दरों में वृद्धि सतत तथा सदा के लिए नहीं है, कमी का समय आरंभ होने ही को है. 11.7 बिलियन डॉलर इक्विटी कोष में आएं हैं. घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी इस सप्ताह एफआईआई की बिकवाली का अच्छा प्रतिकार किया. नकद संभाग में वो डीआईआइ ने सप्ताह के पांचों व्यापारिक दिन खरीदारी की तथा 8143 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे. निचले स्तरों पर वो खरीदार हैं. इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक नीति भी आने वाली है जिसने लगातार चौथी बार ब्याज दरें न बढ़ने की ही सम्भावना हैं.

भारत के भी पीएमआई आंकड़े आने हैं : यूएस फेड अध्यक्ष का भी कुछ महत्वपूर्ण बैठकों में संबोधन है. भारत के भी पीएमआई आंकड़े आने हैं. ये भी मार्केट के मनोभाव को प्रभावित कर सकते हैं. क्रूड को लेकर जेपी मॉर्गन ने 150 डॉलर प्रति बैरल की भविष्यवाणी की है. यह संभव नहीं लगता क्योंकि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था इसकी अनुमति नहीं देंगी.

वैकल्पिक सभ्यता की संभावना

विचारों की हत्या नहीं होती और न ही उसे हड़पने की कोई राजनीति सफल हो सकती है, लेकिन अब तक की दुनिया के इतिहास में ऐसा कई बार देखा गया है कि युगपर्वतक महामानवों के विचारों से खिलवाड़ करने और उसे संदर्भ विहीन बनाने का प्रयास किया जाता रहा, लेकिन इतिहास की ताकत यह है कि ऐसा कोई भी प्रयास अब तक सफल नहीं हो पाया है. हमारे देश में भी महात्मा गांधी के विचारों के साथ कुछ इसी तरह के खिलवाड़ करने का प्रयास हो रहा है. गांधी के विचारों में इतनी विविधता है और कालक्रम के साथ उसमें कई विकास हुए हैं. इसलिए जब कभी गांधी के विचारों पर चर्चा की जाती है, उसे समग्रता में ही देखने की जरूरत है. गांधी आध्यात्मिक थे, लेकिन सांप्रदायिक नहीं. कभी वर्णवादी व्यवस्था को वह जरूर मानते थे, लेकिन परवर्ती अनुभवों से सीख लेते हुए वे जाति उन्मूलन की ओर भी उन्मुख हुए. अंतरधार्मिक और और अंतरजातीय विवाह के वे समर्थक थे. छुआछूत को वे जड़ से खत्म कर देना चाहते थे. वे अहिंसा के परम पुजारी थे, लेकिन अन्याय के खिलाफ लड़ने का आह्वान उनका बुनियादी सूत्र था. वे हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए जीवन भर लड़ते रहे और इसी कारण उनकी हत्या भी कर दी गयी. हत्या करने वाली विचारधारा जानती है कि गांधी के विचार अब भी उसके खिलाफ प्रतिरोध बन कर खड़े.हैं. यह मामूली बात नहीं है कि रंगभेद विरोधी मार्टिन लूथर किंग उनसे प्रेरणा ग्रहण करते थे

> गांधी के विचारों में इतनी विविधता है और कालक्रम के साथ उसमें कई विकास हुए हैं. इसलिए जब कभी गांधी के विचारों पर चर्चा की जाती है, उसे समग्रता में ही देखने की जरूरत है. गांधी आध्यात्मिक थे, लेकिन सांप्रदायिक नहीं.

और उनके बताए रास्ते पर चल कर ही रंग भेद और नस्ल भेद की दीवार को तोड़ने के लिए कुर्बान हो गए. नस्लभेद विरोधी संघर्ष के नेता नेल्सन मंडेला के वे आदर्श थे और वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के भी. आज भी गांधी के विचार दुनिया में रंग भेद, नस्ल भेद, जाति भेद और धर्म टकराव के खिलाफ प्रेरणा के स्रोत हैं. अंग्रेजी साम्राज्यवाद को अहिंसा के हथियार से उखाड़ फेंकना कोई मामूली बात नहीं है. भारत के करोड़ो लोगों ने उनमें तब भी विश्वास किया था और आज भी करते हैं. वास्तव में महात्मा गांधी वैकल्पिक सभ्यता की संभावना हैं. ऐसी सभ्यता, जिसे आकार लेना है, जो शोषण, भेदभाव, ऊंच-नीच और असमानता की दीवार को तोड़ कर उड़ान भरेगी. गांधी ने बताया कि प्रकृति मनुष्य की आवश्यकता को तो पूर्ण कर सकती है उसके लालच को नहीं. यही नहीं गांधी ने बताया कि सत्ता और पूंजी का केंद्रीकरण एक गंभीर बीमारी है और इसे दूर किए बगैर जनता के लोकतंत्र की स्थापना नहीं की जा सकती. गांधी ने अपने आचरण और विचार से दुनिया को यह भी बताया कि आक्रामकता और नफरत मनुष्यता के लिए दुश्मन है. यह भी बताया कि कोई एक मुक्तिदाता नहीं हो सकता. इसके लिए हर एक के सहयोग और सहकार की जरूरत होती है. गांधी कालातीत विचारों के ऐसे पुरोधा हैं, जिनके विचार कालातीत होते जा रहे हैं.

सुभाषित

यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवः स तु जीवति।
काकोऽपि किं न कुरुते चञ्च्वा स्वोदरपूरणम्।।

जिसके जीने से कई लोग जीते हैं, उसी का जीना जीना कहलाता है, अन्यथा क्या कौआ भी चोंच से अपना पेट नहीं भरता? व्यक्ति का जीवन तभी सार्थक है जब उसके जीवन से अन्य लोगों को भी अपने जीवन का आधार मिल सके.

गांधी के विचारों की प्रासंगिकता

अगर आप मानव, प्रकृति एवं मानवता की बात करेंगे तो गांधी जी के विचार बरबस ही आएंगे. भारत के संदर्भ में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जैसे राम, कृष्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान हैं, वैसे ही आजाद भारत में सबसे ज्यादा लिखे एवं पढे जानेवाले व्यक्ति गांधी जी है. अगर हम गांधी जी के विचारों को समग्रता के साथ देखें तो वे एक राजनैतिक व्यक्ति होते हुए भी जीवन के हर एक पहलू को एवं राजनैतिक आंदोलन के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जागृति के कारण भी बने.

• देश-काल

डॉ. कौशलेंद्र बटोही

अभी-अभी गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर विश्व के समस्त विकसित, विकासशील, पिछड़े राष्ट्रों के साथ-साथ विभिन्न विचारों के प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्राध्यक्षों की पुष्पांजलि ही उनके विचारों की विश्व भर में स्वीकार्यता का परिचायक है. अगर आप मानव, प्रकृति एवं मानवता की बात करेंगे तो गांधी जी के विचार बरबस ही आएंगे. भारत के संदर्भ में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जैसे राम, कृष्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान हैं, वैसे ही आजाद भारत में सबसे ज्यादा लिखे एवं पढे जानेवाले व्यक्ति गांधी जी है. अगर हम गांधी जी के विचारों को समग्रता के साथ देखें तो वे एक राजनैतिक व्यक्ति होते हुए भी जीवन के हर एक पहलू को एवं राजनैतिक आंदोलन के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जागृति के कारण भी बने. गांधी जी के विचार मनुष्य एवं प्रकृति की रक्षा के प्रतीक होते हैं और मानव द्वारा किसी भी भौगोलिक एवं धार्मिक बटवारो से ऊपर प्रतीत होंगे. वे मानवता के पुजारी थे एवं मानव जीवन के हर एक पहलू को उन्होंने स्पर्श किए, जो समाज को प्रभावित करता है. गांधी जी का जीवन खुद में दुनिया के लिए संदेश है और जीवन जीने की कला ही मानव जीवन के लिए गांधी जी के विचार है. वर्तमान दौर में अगर हम समाज की समस्त समस्याओं के मूल में जाकर विचार करेंगे तो उनके सरल हल गांधी के विचारों में पायेगे. चाहे धार्मिक कोलाहल, भौगोलिक क्षेत्र विस्तार के लिए दो देशों की लड़ाइयां हों, घरेलू हिंसा हो, आध्यात्मिक अवनति हो, टूटता परिवार हो, गिरता हुआ मानव मूल्य हो, हर जगह उनके विचार प्रासंगिक मिलेंगे. आज के दौर में हम गांधी जी को बच्चों के शिक्षा देने के तौर तरीकों के साथ-साथ शिक्षा प्राप्ति के उद्देश्यों पर विचार करेंगे तो वह वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल उद्देश्यों एवं लक्ष्य के साथ समानता मिलेगी. गांधी जी अक्षर ज्ञान के साथ-साथ बच्चों के चरित्र निर्माण पर ज्यादा बल देते थे और अगर हम अच्छे चरित्र के नागरिक विकसित करेंगे तो आधी सामाजिक एवं राजनैतिक समस्याओं का सामाधान स्वतः हो जाएगा. जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया गया है, वैसे ही गांधी जी का स्पष्ट मत था कि जो हिन्दुस्तानी माता-पिता अपने बालकों को बचपन से ही अंग्रेजी बोलने वाले बना देते हैं, वे उनके और देश के साथ द्रोह कर रहे हैं. मतलब स्पष्ट है कि बच्चों के नैर्सगिक विकास उनकी मातृभाषा में ही ज्यादा होगा. गांधी जी ने केवल यह विचार ही व्यक्त नही किया, अपितु अपने बच्चों पर इसे लागू भी किया. गांधी जी का यह स्पष्ट मत था कि बालक अपने देश की धार्मिक और सामाजिक विरासत से वंचित रहता है और उस हद तक वह देश की तथा संसार की सेवा के लिए कम योग्य बनता है, जो अपनी मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण नहीं करता है. गांधी जी उस दौर में शारीरिक शिक्षा के महत्त्व को समाज के सामने रखते है और शारीरिक कसरत को प्रमुखता देते हैं और आज के दौर में तो भारत सरकार का 'खेलो इंडिया' नारा ही है. उसी तरह गांधी जी आत्मा की शिक्षा के पैरोकार थे और आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा विद्यार्थियों के आत्मिक विकास पर बल देते हैं. वर्तमान दौर में भी बच्चो के संपूर्ण विकास के लिए शिक्षा में बदलाव हो रहा है, जिससे बच्चे आत्महत्या, अवसाद इत्यादि से बच सके. एक और मुद्दा विचार योग्य है. गांधी जी उस दौर में बच्चों के साथ मारपीट कर शिक्षा देने के खिलाफ थे और अब इस दौर में मानवीय सुप्रीम कोर्ट ने भी इसपर प्रतिबंध लगा दिया है. एक और गांधी जी का विचार एवं उनके द्वारा किया गया कार्य सीखने योग्य है, वह है सेवा भावना. भारतीय संस्कृति में सेवा सर्वप्रथम एवं महत्वपूर्ण माना गया है. आप सोचिए, जिस दौर में भारत जाति प्रथा, ऊंच-नीच, अस्पृश्यता जैसी सामाजिक बीमारियों से कराह रहा था, उस दौर में कांग्रेस के 1903 ई के कोलकाता अधिवेशन जो कि गांधी जी का पहला अधिवेशन था, में दुर्गंध से भरे हुए पाखाने को खुद से साफ करना कितना बड़ा सेवा कार्य था. कांग्रेस जो आज़ादी की लड़ाई लड़ रही थी, भारतीयों का प्रतिनिधित्व कर रही थी, फिर भी वहां के स्वयंसेवक एवं प्रतिनिधि भंगियों का इंतजार करते थे. स्वच्छता उनके जीवन का उद्देश्य था और आज के समय में सरकार का भी स्वच्छता एक मिशन है. सेवा के लिए ब्रह्मचर्य की अनिवार्यता को उन्होंने अपनी जिंदगी में उतार कर सिद्ध किया, जो आज भी विश्व समुदाय के लिए सेवा मार्ग है. उपहारों का परित्याग करना भी मनुष्य को सामाजिक बुराइयों से मुक्त करने में सहायक है. पारिवारिक चिंता किए बगैर समस्त कीमती उपहारों और गहनों का परित्याग करना आज भी मानव जीवन की संपूर्णता के लिए संदेश है. धन, सत्ता और मान मनुष्य से कितने ही पाप और अनर्थ कराते हैं. गांधी जी ने स्वावलंबन एवं सादगी को शौक के रूप में अपने अंदर विकसित किया और अगर मनुष्य अपने को स्वावलंबी एवं सादगी में ढाल ले तो वह अधिकांश दुःखों से बच सकता है और मनुष्य जीवन को इस समाज के लिए उद्देश्यपूर्ण बना सकता है. अगर मनुष्य के पास वैचारिक प्रतिबद्धता हो एवं उसे अपने जीवन में उतार ले तो वह समाज के लिए माध्यम बन सकता है. जैसे गांधी जी ने कस्तूरबा गांधी की शल्यक्रिया के पश्चात् अपने विचारों को स्पष्ट करते हुए मांसाहार के प्रयोग से मना करते हुए निर्णय लेने की स्वतंत्रता अपनी पत्नी को देना महिला सशक्तीकरण एवं स्वतंत्रता का एक प्रतीक है. अहिंसा नम्रता की पराकाष्ठा है, यह संदेश गांधी जी के जीवन से मिलता है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

भगवान और भक्ति

चंद्रभागा नदी के किनारे कपड़े धोते-धोते जनाबाई को ध्यान आया कि जिस कमरे में कीर्तन होता है, उसे व्यवस्थित करना तो वह भूल ही गईं. उसे अपराधबोध हुआ. भक्त के मन की पीड़ा भगवान तक पहुंच जाती है. वे तत्काल कोई न कोई उपाय करते हैं. लीला हुई! जनाबाई चिंता में बैठी थीं कि तभी एक वृद्ध महिला वहां आ पहुंची और पूछा कि आखिर किस चिंता में डूबी हो! जनाबाई ने सारी परेशानी बता दी. उन्होंने कहा कि जाओ तुम कीर्तन का कमरा ठीक कर आओ. तुम्हारे कपड़े मैं धो दूंगी. जनाबाई को तो जैसे संजीवनी मिल गई. उन्होंने कहा, माता तुम कपड़े धोना मत. बस केवल देखभाल करती रहो, मैं तुरंत कमरा ठीक करके आती हूं. प्रभु की माया! जनाबाई को इतना भी अवकाश नहीं था कि वह सोचतीं कि आखिर यह वृद्धा है कौन! और उसके मन की व्यथा उसने इतनी आसानी से कैसे जान ली! वे तुरंत भागीं और कमरे की व्यवस्था करके उल्टे पांव लौटीं. तभी उन्होंने दूर से देखा की वह वृद्धा जा रही थी और सारे कपड़े धुल कर सूख रहे थे. कपड़े धुल भी गए, सूख भी गए. यह सारा काम इतनी जल्दी कैसे हो गया! जनाबाई तुरंत उस वृद्धा के पीछे दौड़ीं और उन्हें रोकने की कोशिश की. तभी उन्हें ठोकर लगी और गिर पड़ीं. थोड़ी देर के लिए दृष्टि ओझल हुई और वृद्धा नजरों के आगे से विलुप्त हो गईं. लेकिन गीली मिट्टी पर उनके पैरों के निशान बने हुए थे. जनाबाई तुरंत जाकर वापस लौटीं. भक्त नामदेव जी के यहां सभी भक्त जमा थे. उन्होंने यह घटना सभी को सुनाई. सभी ने आकर पैरों के उस निशान के दर्शन किए. उस मंडली में बड़े बड़े संत और महात्मा थे, वे तुरंत पहचान गए कि ये तो साक्षात महामाया के पांव के निशान हैं. नामदेव जी ने कहा- जनाबाई तुम धन्य हो, जिसके लिए स्वयं महामाया ने आकर कपड़े धोए. इस घटना के बाद से जनाबाई की दशा ही विचित्र हो गई. वह भक्ति में इतनी लीन हो गईं कि उनके रोम-रोम से हर समय पवित्र भगवन्नाम निकलने लगा. फिर तो यह रोज की कहानी हो गई. घर के काम काज करते करते जनाबाई विह्वल हो जाया करतीं.

सत्य-अहिंसा के प्रति समर्पण ही गांधीवाद

• विचार-विमर्श

बिजय कुमार झा

सत्य और अहिंसा का जिसने पूरी दुनिया को संदेश दिया. संदेश सिर्फ वाणी के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने कार्यों के द्वारा, अनवरत अपने आचरण में भी उसका अनुसरण किया. कथनी और करनी के एकाकार होने के कारण ही एकमात्र गांधी ही एक ऐसा चरित्र हैं, जो पूरी दुनिया में पूजे जाते हैं. दुनिया के 88 मुल्कों में इनकी स्टैचू लगी हुई है, जहां लोग अपना शीश नवाते हैं और धरती पर कहीं भी हिंसा होती है तो लोग बार-बार गांधी जी को याद करते हैं उनके अहिंसा के संदेश को याद किया जाता है. धरती पर कहीं भी रंग-भेद, जाति - भेद, भाषा - भेद, ऊंच-नीच का भेदभाव या अन्य किसी भी प्रकार का भेदभाव होता है तो गांधी के सत्य और न्याय की बात होती है और गांधी को याद किया जाता है. कुछ वर्ष पहले ही जब 25 मई 2020 को रंग भेद के आधार पर अमेरिका के मीनियापोलिस नामक शहर में एक गोरे पुलिस ऑफिसर डेरेक चौविन के द्वारा एक अफ्रीकी मूल के जार्ज फ्लॉएड नामक काले व्यक्ति को जमीन पर पटक कर 9 मिनट तक उसकी गर्दन को सड़क पर दबोचे रखा गया, जिसके कारण जार्ज फ्लॉएड नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी. अमेरिका सहित पूरी दुनिया में इस हत्या की आलोचना हुई, बल्कि अमेरिका के छोटी-छोटी जगह पर घटना के खिलाफ जो मोर्चा निकाला गया, उसमें गांधी जी की तस्वीर के साथ रंगभेद के खिलाफ मोर्चा निकाला गया. यही है गांधी के विचारों की ताकत. सुदूर अमेरिका में रहने वाले लोग भी गांधी से प्रेरणा लेते हैं और गांधी की राह पर चलकर सत्य, सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से अपनी बात को कहते हैं. दुनिया में कहीं भी कोई भी व्यक्ति/संस्था जो सत्य और न्याय की खातिर संघर्ष करते हैं, उन्हें गांधी से ही ताकत और प्रेरणा मिलती है, गांधी जी ने अपने जीवन काल में भी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी. उस वक्त दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद चरम पर था, पूरी दुनिया में और कोई दूसरा उदाहरण नहीं है कि किसी देश में दूसरे मुल्क का नागरिक आकर और उस मुल्क के बुराइयों के खिलाफ आंदोलन करे और पूरी दुनिया में नजीर बन जाए. इसलिए नेशनल मंडेला भी कहा करते थे कि मुझे लड़ने की प्रेरणा गांधी से मिलती है और इरोम शर्मिला भी जब वर्षों वर्षों तक सत्याग्रह करती हैं, वह भी अपनी प्रेरणा का स्रोत गांधी जी को बताती है, किंतु दुर्भाग्यवश अपने ही देश के कुछ नौजवान आज गांधी पर सोशल

> कथनी और करनी के एकाकार होने के कारण ही एकमात्र गांधी ही एक ऐसा चरित्र हैं, जो पूरी दुनिया में पूजे जाते हैं. दुनिया के 88 मुल्कों में इनकी स्टैचू लगी हुई है, जहां लोग अपना शीश नवाते हैं और धरती पर कहीं भी हिंसा होती है तो लोग बार-बार गांधी जी को याद करते हैं उनके अहिंसा के संदेश को याद किया जाता है.

मीडिया पर व्यंग्य लिखते हैं और कहते हैं कि ₹चरखे से हमें आजादी नहीं मिली.₹ ये वे युवा हैं, जिन्होंने गांधी जी को पढ़ा ही नहीं, गांधी जी को पढ़ा तो समझा ही नहीं, गांधी बनने के लिए कथनी और करनी में एकाकार होना पड़ता है, उन्हें यह पता नहीं है कि गांधी ने चरखा के माध्यम से अंग्रेजों के सपनों को तोड़ने का काम किया. अंग्रेज भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में एक व्यापारी के रूप में तराजू लेकर आए और उन्होंने चालाकी से ₹तराजू को कब तलवार₹ में तब्दील कर दिया. जब तक पूरे देशवासी अंग्रेज के इन कारनामों को समझते तब तक पूरा देश गुलाम हो चुका था. कपड़े के व्यापार को अंग्रेज ने पूरे भारत में फैला दिया वे मैनचेस्टर के मीलों के बने कपड़ों को भारत के बाजार में उतारने के लिए हमारे कुटीर उद्योग, हथकरघा उद्योग को धीरे धीरे नष्ट कर दिया, इससे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैली और बेरोजगार नौजवान ईस्ट इंडिया कंपनी में भर्ती होने लगे. अंग्रेज भारतीय रोजगार पर हमला करते और उन्हें बेरोजगार बनाते. गांधी जी अंग्रेज की इस चाल को समझ गए, उन्होंने चरखा के बने सूत के कपड़े पहनने के लिए लोगो को प्रेरित किया, जिससे हर घर में चरखा से सूत कतने लगी और इसके बाद उन्होंने सामूहिक चरखा चलाने का अभियान शुरू किया, इसमें महिलाएं अपने घरेलू काम निपटाकर एक जगह एकत्रित होकर चरखा काटती थी और उस क्रम में भारत की स्वाधीनता से संबंधित लोकगीतों को सामूहिक रूप से गाती थी और सभी प्रेरणा पाते थे. इससे हर भारतीय के मन में भारतीयता के प्रति स्वाभिमान बढ़ने लगा और सभी लोग चरखे से निर्मित वस्त्र पहनने लगे, जिसके कारण मैनचेस्टर के मील के कपड़ों को लोगों ने नकारना शुरू कर दिया. इससे अंग्रेजों को नुकसान होता गया. पुरुष एवं महिलाएं चरखा से कते हुए वस्त्र धारण करने लगे, जिससे उन्हें भारतीयता का स्वाभिमान होता था.

जय जवान जय किसान के प्रवर्त्तक लाल बहादुर

• जयंती विशेष

तारामणि पाण्डेय

नीति कहती है कि कुछ लोग इतिहास पढ़ते हैं और कुछ लोग होते हैं जो इतिहास गढ़ते हैं. भारत के दूसरे भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इतिहास गढ़ने वाले भारत भारती के लाल थे. एक समय ऐसा भी आता है जब आकाश सहसा काले बादलों से आच्छन्न हो जाता है चारों ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई पड़ने लगता है, न कोई राह सूझती है न कहीं कोई ठिकाना दीखता और निराशा की ऐसी घड़ी में सहसा एक प्रकाश किरण हमें राह दिखाती है. लोकनायक पंडित नेहरू के निधन के संकटापन्न घड़ी में बिजली की भांति कौंधकर, जिन्होंने हमारा पथ प्रदर्शन किया था वे थे महाचेता लाल बहादुर शास्त्री.

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को बनारस के निकट मुगलसराय नामक स्थान में एक अति साधारण कायस्थ परिवार में हुआ था. उनके पिता शारदा प्रसाद एक साधारण शिक्षक थे. डेढ़ वर्ष की अबोध आयु में ही उनके ऊपर से पिता की स्नेहवत्सल छाया हट गई. इसके पश्चात तो उनकी धर्म परायण माताजी रामदुलारी देवी का स्नेहसलिल ही नवजात बिरवे को खींचता रहा.इसके बाद संकट के कितने झंझावात इस विवेक की जड़ उखाड़ने के लिए उठते रहे, किंतु अदम जीवन शक्ति वाला यह लघु पादप आकाश की ओर कलगी उठाए बढ़ता ही रहा, मचलता- मुस्कुराता ही रहा. लाल बहादुर शास्त्री जी बचपन में अपने गांव से बनारस पढ़ने के लिए जाते थे. उतराई के पैसे न रहने के कारण सबल मन, पर दुर्बल तन वाले लाल बहादुर शास्त्री गंगा तैरकर जाते थे. लगता है मां गंगा ने लाल बहादुर को बचपन में ही आत्म बल एवं आत्म विश्वास से इस प्रकार परिपूरित कर दिया था कि वे जीवन भर कभी साहसशून्य नहीं हुए.एक बार 1921 ई. में महात्मा गांधी बनारस आए. वे असहयोग यज्ञ का श्रीगणेश कर रहे थे. उन्हें उर्जा से उबलते नव युवकों की आहुतियों की आवश्यकता थी. लाल बहादुर ने सोल्लास उनके आह्वान पर प्रथम स्वाहा के निमित्त चढ़ जाने के लिए अपने को समर्पित किया .उस समय लाल बहादुर जी की आयु केवल 17 साल की थी और वे वाराणसी के हरिश्चंद्र विद्यालय के छात्र थे. ढाई वर्ष तक बंदी गृह की यातना झेल कर वे पुनः अध्ययन का दीप जलाने के लिए काशी विद्यापीठ चले आए. वहां भारत विख्यात दार्शनिक भारत रत्न डॉ. भगवान दास, कुंदन की तरह दमकने वाले आचार्य जे.बी कृपलानी, वैदिक साहित्य के प्रकांड पंडित डॉ संपूर्णानंद तथा स्वनामधन्य चिंतक श्री प्रकाश के सानिध्य में रहकर 4 वर्षों तक

> लाल बहादुर शास्त्री जी बचपन में अपने गांव से बनारस पढ़ने के लिए जाते थे. उतराई के पैसे न रहने के कारण सबल मन, पर दुर्बल तन वाले लाल बहादुर शास्त्री गंगा तैरकर जाते थे. लगता है मां गंगा ने लाल बहादुर को बचपन में ही आत्म बल एवं आत्म विश्वास से इस प्रकार परिपूरित कर दिया था कि वे जीवन भर कभी साहसशून्य नहीं हुए.

उन्होंने जो ज्ञान ज्योति जलाई, उससे आजीवन उनका पथ प्रकाशित होता रहा.

अब लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन का लाल सितारा चमका. पंडित जवाहरलाल नेहरू का ध्यान भी इस राष्ट्रभक्त एवं साधना के भगीरथ की ओर गया .उन्होंने शास्त्री जी को दिल्ली बुलाकर कांग्रेस संगठन का कार्यभार सौंपा. शास्त्री जी बड़ी कुशलता से संगठन का कार्य करते रहे. जब 1952 ई. में पंडित नेहरू के नेतृत्व में पहली बार भारतीय गणतंत्र का नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल बना ,पंडित जी ने शास्त्री जी को रेल तथा परिवहन मंत्री बनाया .शास्त्री जी जानते थे कि जिस गाड़ी में सभी श्रेणियों के डिब्बे रहते हैं, उनमें तृतीय श्रेणी के यात्रियों को कितना कष्ट होता है .इसी बीच अरियालूर में भयानक रेल दुर्घटना हुई .सैकड़ों आदमी मरे. यद्यपि इस दुर्घटना से शास्त्री जी का कोई संबंध नहीं था, तथापि उस विभाग में बने रहना उन्होंने उचित नहीं समझा, जिस विभाग के कर्मचारी असावधान हों.उन्होंने नैतिकता के आधार पर रेल मंत्री से इस्तीफा दे दिया.वे राजनीति में स्वच्छता के पर्याय थे. नेहरू जी के समय जब जब संकट का झंझावात उठा, तब तब शास्त्री जी कुशल नाविक की तरह उनके डगमग नैया को किनारे लगाते रहे .असम के भाषा- विवाद, भारत-नेपाल संबंध तथा कश्मीर के हजरत बल दरगाह से पवित्र बाल की चोरी के अवसर पर उन्होंने अपने जिस राजनीतिक सोच एवं प्रत्युत्पन्नमतित्व का परिचय दिया, वह किसी से छिपा नहीं है. 27 मई 1964 को 2:00 बजे दिन में हमारे बीच से पंडित नेहरू उठ गए, तो नेहरू के बाद कौन की विकट समस्या तत्काल समाधान मांगने लगी. किंतु यह बेचैनी बहुत देर तक नहीं रही और कांग्रेस- दल ने सर्वसम्मति से 9 जून 1964 को शास्त्री जी को प्रधानमंत्री के उच्च सिंहासन पर प्रतिष्ठित किया .उन्होंने ज्योहिं शासन भार संभाला, त्योंहि उनका ध्यान भारतवर्ष के चतुर्दिक विकास की ओर उन्मुख हुआ.

मीडिया में अन्यत्र

अस्वास्थ्यकर और खतरनाक

संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बमुश्किल एक सप्ताह बाद शोध पत्रिका द लांसेट ने एक अध्ययन प्रकाशित किया है जो कैंसर के इलाज में महिला-पुरुष भेदभाव को रेखांकित करता है. 'महिलाएं, सत्ता और कैंसर' शीर्षक वाले इस अध्ययन में दुनिया के 185 देशों में महिलाओं और कैंसर को लेकर अध्ययन किया गया और पाया गया कि समाज के सत्ता समीकरणों और कैंसर की पहचान और इलाज तक महिलाओं की पहुंच के बीच सीधा संबंध है. दुनिया के अधिकांश देशों में कैंसर की बीमारी समयपूर्व मृत्यु की शीर्ष तीन वजहों में शुमार है.द लांसेट ने भारत को लेकर जो निष्कर्ष पेश किए हैं वे जन स्वास्थ्य प्रशासकों के लिए चिंता पैदा करने वाले हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय महिलाओं में कैंसर के कारण होने वाली मौत के करीब 63 फीसदी मामलों को समय पर जांच- पड़ताल करके रोका जा सकता था, जबकि 37 फीसदी मामलों में समय पर उपचार मुहैया कराके रोका जा सकता था. इन आंकड़ों की विडंबना यह है कि भले ही पुरुषों को कैंसर होने का खतरा अधिक हो लेकिन इस बीमारी की

शिकार और इससे मरने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक है.भारतीय महिलाओं के बड़ी संख्या में कैंसर का शिकार होने के प्रमाण परेशान करने वाले हैं. बहरहाल, यह बहुत चौंकाने वाला नहीं लगता. स्वास्थ्य सेवाओं तक औसत भारतीयों की पहुंच कमजोर है. कोविड महामारी के सबसे बुरे दौर में हम सबका सामना इस सच्चाई से हुआ. इनमें भी महिलाओं की स्थिति तो और भी अधिक बुरी है. खासतौर पर समाज के कमजोर तबकों में उनकी स्थिति अधिक बुरी है.चिकित्सा पेशे से जुड़े लोग बताते हैं कि वास्तव में समस्या कई स्तरों पर है. पहली समस्या है कैंसर और उसके कारणों के बारे में पर्याप्त जानकारी का अभाव. महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय के कैंसर, अंडाशय के कैंसर और सर्विकल कैंसर की आशंका अधिक होती है. उनके सामने खतरा इसलिए भी बड़ा होता है कि निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी नहीं होती है और उनके पास इतनी वित्तीय शक्तियां नहीं होतीं कि वे नियमित जांच के लिए जा सकें और संभावित बीमारी का समय रहते पता लगा सकें.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

त्राण/त्रात/त्रास

राम तुम्हारा नाम कंठ में रहे, हृदय,जो कुछ भेजो, वह सहे, दुःख से त्राण नहीं मांगूं. यह पंक्ति राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपने जीवन के अंतिम काव्य संकलन 'हारे को हरिनाम' में कही है. इस मुक्तक काव्य की रचना की भूमिका में कवि ने स्वयं को पराजित मनुष्य कहा है और उन मित्रों से क्षमा भी मांगी है, जिन्हें उनके पराजित रूप से निराशा हुई है. कोई भी व्यक्ति चाहे कितना भी महान क्यों न हो जाये, उसे सुख-दुःख, बंधन-त्राण, संयोग-वियोग आदि परिस्थितियों से गुजरना ही पड़ता है.नीतिकार ने कहा है-अवश्यं भाविनो भावा भवन्ति महतामपि. होनी तो हो कर ही रहती है. इसलिए दिनकर जी राम से अपने दुःख का त्राण नहीं मांगते. आज इसी त्राण शब्द पर हमें विचार करना है, क्योंकि जीवन में हर कोई इसी त्राण के लिए प्रयास करता रहता है.वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार त्राण शब्द संस्कृत मूल का तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है.इसका अर्थ है-किसी को संकट से मुक्त करने की क्रिया, रक्षा, बचाव, परित्राण, हिफाजत, भय या चिंता के कारण का निवारण, मुक्ति, राहत, जीवन रक्षा, बचाव का साधन या उपाय, वह चीज जिससे रक्षा हो. जैसे शिरस्त्राण, पदत्राण-चले राम वन बिनु पदत्राना, रचे वादि विधि वाहन नाना. त्राण का अर्थ शरण, आश्रय, सहायता, बख्तर या कवच भी होता है. इसी त्राण शब्द से त्रात बना है, जिसका अर्थ जिसे त्राण दिया गया हो, जिसकी रक्षा की गयी है, विपत्ति से बचाया हुआ. इसी से बनता है त्राता, जिसका मतलब है वह जो त्राण करता हो, रक्षा करनेवाला. एक प्रार्थना में कहा गया है-हे जगत्राता, विश्व विधाता, हे सुख शांति निकेतन हे. त्राण और त्रात से मिलता-जुलता शब्द है त्रास. यह भी तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है ऐसा भय जिससे अनिष्ट या क्षति की संभावना हो, कष्ट, तकलीफ, मणि नाम रत्न का एक अवगुण. जो पीड़ित, भयभीत, चकित, कंपित या घबराया हुआ हो, उसे त्रस्त कहते हैं.

हाय रे मेरी परीक्षा का परिणाम

• तीर-तुक्का

पुरुषोत्तम विश्वकर्मा

मेरे पड़ोसी जी का टप्पू दौड़ा-दौड़ा मेरे घर आया और अखबार मांगा. मेरे हाथ से लगभग झपटकर पहले पृष्ठ पर ही छपी मेरिट सूची में ही अपना नाम और तस्वीर खोजने लगा. जब सूची में नाम नहीं मिला तो सीधा प्रथम श्रेणी आने वालों में अपना रोल नंबर ढूंढ़ने लगा और पूरे रोल नंबर छान मारने के बाद रुआंसा जरुर हुआ मगर धीरे से द्वितीय श्रेणी में अपना रोल नंबर तलाशने लगा. जब नहीं मिला तो रोया तो नहीं मगर उसका धैर्य जवाब अवश्य दे चुका था . फिर थोड़ा दिल कड़ा करके वह डबडबाई आंखों से तृतीय श्रेणी में मगर बडे.गौर से अपना रोल नंबर खोजा . अब तक उसका हौसला पस्त हो गया था और आखिरी उम्मीद के तौर पर पूरक और रोके गए परीक्षा परिणाम में अपने रोल नंबरों की पड़ताल की. उसे अपना रोल नंबर नहीं मिलना था नहीं मिला . आखिरकार उसने अपनी जेब में से अपना प्रवेश पत्र निकाला, अपने रोल नंबर की तस्दीक की और एक बार फिर से रोल नंबरों के नीचे पैन से अंडरलाइन करते हुए बड़ी चौकसी के साथ अपना रोल नंबर ढूंढा . मगर मिलता तो तब न, जब छपता . अब तक टप्पू रो पड़ा था, उसने रोते-रोते कुछ यूं बयान किया . टप्पू बोला, चाचाजी. इस परीक्षा के लिए तो भारत-पाक के क्रिकेट मैच नहीं देखे. रात-दिन पढ़ा. जिस तरह से पेपर किए थे, आने की उम्मीद तो सूची में, मगर प्रथम श्रेणी आने में तो कोई शक शुबहा ही नहीं था. फेल होने का तो कोई चांस ही नहीं था. एक तो साल भर मेहनत की थी दूसरा अपने स्कूल का रिजल्ट अच्छा रखने की गरज से हमारे इन्वेलिजेटर्स ने पूरे के पूरे प्रश्नों को बोर्ड पर हल करके बताया था. जो प्रश्न उनको भी नहीं आए, उनको हमने पासबुक्स की सहायता से हल किया था. मैं स्वयंपाठी था, मगर मेरी नकल करने वाले रेगुलर सबके सब पास हो गए हैं. हमारे केन्द्राधीक्षक की साली साहिबा, जिसे अंकों और शब्दों में अपने रोल नंबर लिखना तक नहीं आता था, वे द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुई है. मेरे पास वाली टेबल वाला परीक्षार्थी किसी परीक्षा में हाजिर नहीं हुआ था, मगर वह तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हो गया. सुना है वह परीक्षा प्रभारी का भाई था. गणित का एक सवाल मुझे उड़नदस्ते में आई मैडम ने बताया था, वह गलत निकला, जबकि वह सवाल मैंने सही किया था, जिसे उसके कहने पर काटा था. मैंने उसे समझाया यार टप्पू इतने हताश क्यों होते हैं? अगर इतना पुख्ता यकीन है तो फिर पुर्नगणना करवा लेना, पुर्नमूल्यांकन करवा लेना.,मगर मेरी बात पूरी होने से पूर्व ही टप्पू लगभग दहाड़ मार कर रोते हुए बोला, अंकल ये सब फार्मल्टीज हैं.

सुकून

रमता जोगी

हीरो और ज़ीरो

किसी भी यात्रा में किसी शहर की इमारतें, स्मारक और दर्शनीय स्थल मात्र ही शामिल नहीं होते हैं, कई और भी अनुभव उसके साथ जुड़े होते हैं – वहां के लोग, वहां का मौसम, वहां का भोजन और ऐसे ही कुछ अन्य अनुभव.

न्यूयॉर्क में ठेलों पर खाने पीने की चीजों को बेचने का खूब चलन है, हालांकि इन्हें ठेला नहीं फूड ट्रक कहा जाता है. अधिकतर फूड ट्रक हॉट डॉग्स और प्रेट्ज़ेल बेचते दिख रहे थे. हॉट डॉग्स की शक्ल से तो हम परिचित थे जिसमें एक लंबे बन के बीच एक सौसेज डाला जाता है, पर प्रेट्ज़ेल मैंने यहीं देखा. शक्ल से लग रहा था कि ब्रेड को रस्सी की तरह लूप में बांध दिया गया है. इसके अंदर कुछ भरा है या नहीं, देखने से समझ नहीं आ रहा था. खाकर देखा तो बिलकुल साधारण निकला, न मीठा न नमकीन, न ही इसके अंदर कुछ भी था. बाद में इसके कई और रूप देखने और खाने को मिले – कोई मोटा, कोई पतला, कोई नर्म, कोई कुरकुरा, कोई नमकीन तो कोई भरवां. एक और नाम कई बार दिखा – चुरोज़. ये भी मैं ने पहले नहीं देखा था. थोड़ा नमकीन, थोड़ा मीठा और खूब कुरकुरा चुरोज़ वहां काफी लोकप्रिय दिखा. पता चला यह पुर्तगाल और स्पेन की देन है.

नुपूर अशोक

अमेरिका की यात्रा के दौरान खाने-पीने के अलावा एक अन्य खास अनुभव था - लाइव टीवी शो कार्यक्रमों में शामिल होने का. हम ऐसे दो कार्यक्रमों में शामिल हुए. एक था – मॉर्निंग शो विद केली एंड रायन जो न्यूयॉर्क में था और एक - द लेट लेट शो विद जेम्स कॉर्डन जो लॉस एंजेल्स में था. इन दोनों शोज के होस्ट वहां काफी लोकप्रिय थे और यह वहां उपस्थित दर्शकों को देखकर स्पष्ट था. पर हमारे लिए वे अनजान थे इसलिए हमारे अंदर उन्हें देखने का ऐसा कोई विशेष रोमांच नहीं था. लेकिन द लेट लेट शो में उस दिन उपस्थित अतिथियों में पाइरेट्स ऑफ कैरिबियन के जैक स्पैरो यानी जॉनी डेप का आना, उसे सामने से देखना, उसकी आवाज़ सुनना हमारे लिए रोमांचक अवश्य था. वह हमारे लिए एक जाना-पहचाना हीरो था.

इन कार्यक्रमों में शामिल होकर एक और बात पता चली. लाइव दिखने वाला कोई भी चैट शो या टॉक शो पूर्व नियोजित और स्क्रिप्टेड होता है यह अंदाज़ा तो था लेकिन दर्शकों की प्रतिक्रिया भी निर्देशित और कृत्रिम होती है यह शो में शामिल होने के बाद ही पता चला. कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों के आगमन पर दर्शकों का उत्साह से चीखना – इसका रिहर्सल भी होता है और रीटेक भी. "मज़ा नहीं आया, फिर से करते हैं"- दुबारा अतिथि का प्रवेश और दुबारा दर्शकों का उत्साह भरा शोर - ये भूमिका होती है फ्लोर मैनेजर की, जो असली शो में कहीं नज़र नहीं आता लेकिन कैमरे की आंख से परे वही तालियां बजवाता है, वही हीरो को हीरो बनाता है.

देखा जाए तो कोई भी व्यक्ति हो या शहर, हमने उसके बारे में पहले से क्या सुन रखा है, क्या जान रखा है, या यूं कहें कि उसके बारे में हमें क्या बताया गया है, उसकी क्या छवि बनाई गई है, यही हमारे मन में उसके प्रति आकर्षण और रोमांच पैदा करता है. यदि वह न हो तो शख्स हो या शहर, हमारे सामने से गुज़र जाता है और हम उसे नोटिस तक नहीं करते.

सच और झूठ की जंग पुरानी है. सच बोलना और सच का साथ देना किसी भी ज़माने में आसान कहां रहा. झूठ की ताक़त डराने के लिए हमेशा से इस्तेमाल होती रही है. पर समय-समय पर कुछ महापुरुषों का अवतरण होता रहा जो सच्चाई की अहमियत प्रमाणित करते रहे. हमारे राष्ट्रपिता, हमारे बापू महात्मा गांधी की जिंदगानी भी सत्यमेव जयते की कहानी है. बापू के जन्मदिवस पर आइए सत्य की जीत के कुछ निजी अनुभवों से हों रू-ब-रू...

सत्यमेव जयते

अदने से पोस्टकार्ड का असर

अनिता रश्मि

मेरी आदत है कि किसी भी परिस्थिति में किसी को तल्ख उत्तर देने से बचती हूं. कुछ को क्षमा, कुछ को इग्नोर. और बहुत जरूरी हुआ तो शांतिपूर्ण तर्क का सहारा.

एक बार बनारस के पास रामनगर में एक परिजन के घर छोटी बच्ची संग शादी में गई थी. एक दिन बनारस में मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय, हनुमान मंदिर और गलियों से होते हुए विश्वनाथ मंदिर घूम बेहद खुश थी. पीपा पुल से रामनगर लौटना, पुल के निकट गंगा किनारे की मस्ती याने खुशी ही खुशी!

रामनगर में बाहर से ही पूज्य पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी के घर को भी बाहर से देखकर द्विगुणित खुशी का ठिकाना न था. लेकिन उन पर भारी पड़ गया एक और दिन. वह दिन बहुत तकलीफदेह था, जब अचानक एक करीबी परिजन ने चोरी का इल्जाम सर पर दे मारा. इतना ही नहीं, अपने घरवालों के बीच भी उछाल दिया. उनके घरवालों से पहली बार मिली थी तो चोट गहरी...बहुत गहरी. शादी की गहमा-गहमी, उछाह-उत्साह के बीच उस इल्जाम का दर्द आंखों में आंसू बनकर छलक पड़े. सहानुभूति भरी कुछ नजरों ने सांत्वना दी जरूर लेकिन कभी न भीगनेवाली आंखें उस दिन जमकर बरसीं और अपमान की पीड़ा के साथ लौट आईं.

लौटने के बाद भी किसी विधि चैन नहीं. सारे काम यंत्रवत निपटाते हुए...किसी पर जाहिर न करते हुए भी बेचैनी! लगा, तीसरे उपाय की जरूरत है. अपमान का दंश सबसे घातक दंश होता है. घर में हर समय लिफाफा, अंतर्देशीय, पोस्टकार्ड रखती थी. उस वक्त केवल पोस्टकार्ड पास में. तिलमिलाहट ने उस पर ही कलम चलवा दी और ससुराल चतरा से एक पत्र लिखा,

मुझे आपसे दो बातें कहनी है,

1. मेरी ससुराल ने तीन-चार वर्षों में ही मुझे अच्छी तरह पहचानकर आदर दिया है और आपने वर्षों गोद में खिलाकर भी नहीं पहचाना?

2. आप खुद सोचें, आपकी ससुरालवाले आप पर विश्वास करते हैं तो मेरे बारे में क्या सोचेंगे.

और यदि 'मुझ पर विश्वास करते हैं' तो आपके बारे में क्या सोचेंगे.

पत्र भेज दी, सोचे बिन कि खुली चिट्ठी पोस्ट करनेवाला भी पढ़ सकता है, पानेवाला कोई दूसरा भी. दंश ही इतना गहरा था.

कहना न होगा, बुजुर्ग महिला ने बारंबार क्षमा मांगी. मिलने पर भी पीछे घूमकर मांगती रहीं. उनके साथ रहनेवाली दूसरी परिजन ने पढ़ लिया था. उन्होंने भी उन पोस्टकार्डी लफ्जों को दुहराते हुए इस कदम को सही ठहराया. कभी-कभी प्रतिकार भी आवश्यक होता है. बस, तरीका शालीन होना चाहिए.

जाने क्यों झूठ बोलते लोग

डॉ. कल्याणी कबीर

वर्ष 2003 की बात है. हमारे शहर में एक बड़े ब्रांड के विद्यालय के खुलने की सूचना मिली तो मैंने भी बायोडाटा जमा कर दिया. तीन प्रतिभागियों के साथ मेरा भी फाइनल इंटरव्यू के लिए चयन हुआ. फाइनल इंटरव्यू रांची के एक होटल में था. सारे प्रतिभागी विद्यालय के द्वारा मुहैया कराई गई बस में इंटरव्यू के लिए तय दिन को सवार हुए. मेरे विषय के जो बाकी दो प्रतिभागी थीं उनसे भी मेरी बातचीत हुई, परिचय हुआ. रास्ते भर सभी शिक्षक आपस में एक दूसरे को किसी विशेषज्ञ की तरह सलाह देते रहे. बताते रहे कि किस तरह से स्वयं को बढ़ा चढ़ा कर प्रस्तुत करना है. मैं हर किसी की सुन रही थी और बहुत ही ईमानदारी के साथ खुद को भी इंटरव्यू के दौरान थोड़ा-बहुत झूठ बोलने के लिए मोटिवेट कर रही थी. पता चला कि मेरे विषय के लिए चयनित तीनों शिक्षिकाओं में से एक अनुभवहीन थीं. दूसरी अधिक महत्वाकांक्षी थी और वेतन के रूप में मोटी रकम की ख्वाहिशमंद थी. भाषा पर उसका आधिपत्य अच्छा था और दिखने में भी सुंदर थी. मैं किसी मध्यम वर्गीय परिवार की तरह डांवाडोल वाली स्थिति में थी. ना बहुत बुरी, ना बहुत अच्छी. बीच मंझधार में जीने वाले मिडिल क्लास मानव की तरह मैं ₹अपना किनारा नदिया की धारा है₹ गीत को गुनगुनाते हुए रांची तक पहुंच गई.

जैसा कि अंदेशा था ही कि इंटरव्यू में लोगों ने खुद को बढ़ा-चढ़ा कर रखा. मैंने बहुत कोशिश की पर मुझसे यह चमत्कार हो नहीं पाया. अंततः इंटरव्यू के दौरान मैंने वही बातें कही जो सच थी और मेरी साफगोई उनको पसंद आ गई. इंटरव्यू लेने वाले लोगों ने मुझे कहा भी कि क्योंकि वो नया-नया विद्यालय खोल रहे हैं इसलिए बहुत अधिक वेतन नहीं देंगे पर अगर मेरा काम अच्छा रहेगा तो निश्चित तौर पर आगे भविष्य भी उज्ज्वल रहेगा और ऐसा ही हुआ भी. आज बीस साल बाद जब उस वाकये को याद करती हूं तो यही सोचती हूं कि लोग बेकार ही मशक्कत करते हैं झूठ बोलने की. सच बोलने से भी गुजारा हो ही जाता है.

अपनी चूक की ईमानदार स्वीकारोक्ति

अनुराग अन्वेषी

बात तब की है जब राजेंद्र यादव जीवित थे और नामवर सिंह भी. तब मैं रांची से दिल्ली पहुंचकर नवभारत टाइम्स (एनबीटी) की नौकरी कर रहा था. मैं सिटी डेस्क टीम का हिस्सा था. एनबीटी के समाचार संपादक हर्षदेव हमारे इंचार्ज हुआ करते थे. उस रोज उनका साप्ताहिक अवकाश था. उनकी गैरमौजूदगी में सिटी टीम की अगुवाई मैं कर रहा था. साहित्यिक समारोह की एक खबर रिपोर्टर ने दी थी. इस खबर में भाषा की कोई चूक न जाए यह सोचकर इसके संपादन मैंने खुद किया. अगले दिन छपने के बाद यह खबर मैंने देखी तो बहुत परेशान हुआ कि आखिर किसने मेरे खिलाफ साजिश रची. दरअसल, इस खबर की हेडिंग में जो वक्तव्य छपा था वह नामवर सिंह के हवाले से था, जबकि उस समारोह में वे मौजूद ही नहीं थे. मैं घर पर बैठा सोचता रहा कि आखिर राजेंद्र यादव की जगह नामवर सिंह का नाम कैसे गया. तभी मुझे याद आया कि अरे, यह नाम तो मैंने ही डाला था और हेडिंग को बैलेंस करने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी. खैर, बात मेरे सामने साफ थी कि यह चूक मेरे से ही हुई है.

शाम को जब मैं दफ्तर पहुंचा तो हर्षदेव जी ने अखबार सामने रखकर पूछा - ये क्या है? मैंने बगैर देर किए तुरंत कहा - ये चूक मेरी है. लेकिन सच यह है कि मैं लापरवाह नहीं हूं. पर इस चूक के बाद यह भी नहीं कह सकता कि मैं बहुत सतर्क रहता हूं. आप मेरे खिलाफ जो भी कार्यवाही करना चाहें, मुझे स्वीकार होगा. हर्षदेव जी ने मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा कि जाइए अपना काम पूरी शिद्दत से करते रहिए, बाकी मैं इस मसले को अपने तरीके से देख लूंगा.

यकीनन इतनी बड़ी चूक के बाद भी मेरे खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया.

इन दिनों मेरी किताब

समर की शायरी में परिपक्वता की झलक

अजीत शर्मा 'आकाश'

इन दिनों मैं गुफ्तगू प्रकाशन से प्रकाशित 'मोहब्बत का समर' पढ़ रहा हूं. यह ग़ज़लों का संग्रह है जिसके शायर डॉ. इम्तियाज़ 'समर' हैं. पुस्तक की ग़ज़लें पाठकों को प्रभावित करने में सक्षम है. कथ्य एवं शिल्प दोनों की दृष्टि से शायरी में परिपक्वता झलकती है. शायरी के तमाम ख़ूबसूरत पहलू पाठकों के समक्ष उजागर होते हैं. ग़ज़ल आज के दौर की अत्यन्त लोकप्रिय विधा है. दो मिसरों में पूरी बात समेट लेने का हुनर इसी विधा के पास है. हर शायर का अपना एक अलग अंदाज़ और रंग होता है, जिससे उसकी विशेष पहचान बनती है.

अपने इस ग़ज़ल-संग्रह के माध्यम से डॉ. इम्तियाज़ 'समर' संजीदा और ग़ज़ल-विधा की पर्याप्त जानकारी रखने वाले ग़ज़लकार रूप में पाठकों के समक्ष आते हैं. संकलन की रचनाएं ग़ज़ल की कसौटी पर खरी उतरती हैं.

ग़ज़ल संग्रह के कुछ उल्लेखनीय अंश प्रस्तुत हैं मुहब्बत की बात करते हुए अशआर- 'मचलने लगा है दिल अब ख़ुशी से/मोहब्बत हमें हो गयी है किसी से.'

कितनी ख़ुशियों ने दिल पे दस्तक दी/इक तुम्हारे क़रीब आने से.'

आज के सियासी हालात का चित्रण- 'मुक़द्दर के सिकन्दर हो गये हैं/जो दरिया थे समन्दर हो गये हैं.' आज के दौर का इंसान-'बिक गया इंसाफ़ सिक्कों के एवज़/मुंसिफ़ों के लब पे ताले पड़ गए.' आम आदमी का चित्रण-'कांधों पे अपने टाट का बिस्तर लिये हुए/देखो वो जा रहा है कोई घर लिए हुए.'

पुस्तक : मोहब्बत का समर
शायर : डॉ. इम्तियाज़ समर
प्रकाशक : गुफ़्तगू पब्लिकेशन
मूल्य : 200 रुपए

ग़ज़लों में कहीं-कहीं कुछ दोष भी दृष्टिगत होते हैं. यथा- ऐबे-तनाफ़ुर (स्वरदोष-मिसरे में किसी शब्द के अंतिम अक्षर की उसके बाद वाले शब्द के पहले अक्षर से समानता), तक़ाबुले रदीफ़ (मतले के अलावा किसी शे'र के दोनों मिसरों का अन्त समान स्वर पर होना) आदि. कुछ ग़ज़लों में भरती के शब्द भी आए हैं. इसके अतिरिक्त पुस्तक में रह गयी प्रूफ़ सम्बन्धी त्रुटियों के कारण कुछ स्थानों पर व्याकरण एवं वर्तनीगत अशुद्धियां भी परिलक्षित होती हैं, यथा- बेहीसी, मुशिफ, पुछिए, ऊर्दू, दिजिए, ख़्याल, रूत्बा आदि.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि 'मोहब्बत का समर" पठनीय एवं सराहनीय ग़ज़ल संग्रह है.

मोटिवेशन

मॉर्निंग/मंडे ब्लूज़ से बाहर निकलिए

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

रात में सोने से पहले सुबह के बारे में सोच क्या आप उदास या आतंकित हो जाते हैं ? फिर से वही रूटीन, वही भागम-दौड़, वही तनाव. सुबह की उदासी खौफ को ही मॉर्निंग ब्लूज़ कहते हैं. इसी से मिलता-जुलता एक और शब्द है - मंडे ब्लूज़ अर्थात सोमवार की उदासी. इससे हम सभी कभी न कभी रू-ब-रू होते हैं, कभी कम, कभी ज्यादा. कभी-कभार होता है, तो इट्स ओके. लेकिन अगर यह लंबे समय से होता चला रहा आ रहा है, तो बीपी, शुगर, डिप्रेशन, चिड़चिड़ापन, अपच, बेचैनी का कारण बनता है. कई बार प्रत्यक्ष रूप से मॉर्निंग या मंडे ब्लूज़ का पता नहीं चलता पर अंदर ही अंदर एक उदासी पनपती रहती है. आइए, इसके विविध आयामों और उपाय से हों वाकिफ...

ये हैं मॉर्निंग ब्लूज़ के लक्षण

सुबह उठने का मन न करना, बिस्तर पर देर तक पड़े रहना. अंदर से बहुत डल महसूस करना. सिर भारी-भारी सा लगना. किसी काम में मन न लगना. दिनभर बेचैनी, कब्जियत की शिकायत, आलस, तनाव महसूस करना. बेमतलब चिड़चिड़ा रहना.

ये हो सकते हैं कारण

नींद पूरी नहीं होना

नींद पूरी नहीं होती तो सुबह-सुबह बहुत डल महसूस करते हैं. मन खिन्न रहता है. हमारी नींद अच्छी हो, इसके लिए बहुत जरूरी है कि सोने के पहले हम हाथ-पैर, चेहरा ठीक से धोएं. सोने के पहले मोबाइल का प्रयोग न करें. अच्छी किताब पढ़ें, अच्छा म्यूजिक सुनें और प्रार्थना कर सो जाएं.

अरुचिकर काम

जिन छात्रों को पढ़ाई में मन नहीं लगता, उन्हें स्कूल, कॉलेज, कोचिंग जाना अच्छा नहीं लगता . जिन महिलाओं को घर का काम उबाऊ लगता है उन्हें तरह-तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं घेर लेती हैं. यह बात ऑफिस में काम करने वालों के साथ भी लागू होती है. इन सभी के अंदर भी अगली सुबह का आतंक समाया रहता है.

खराब वातावरण

घर या ऑफिस का प्रतिकूल वातावरण हमारे अचेतन मन को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है. हमारे अंदर यह डर समा जाता है कि कल फिर से वही खिचखिच, तनाव, तीखे कमेंट से होकर गुजरना पड़ेगा. जब हम यह सोचकर सोते हैं तो यही डर लेकर उठते भी हैं जो हमारे अंदर बेचैनी पैदा करता है.

कई बार बुरे संबंध और वातावरण के लिए हम खुद जिम्मेदार होते हैं. हम चाहते हैं कि पूरा घर या ऑफिस हमारे मन मुताबिक चले. यह नामुमकिन है. सभी को बदलने से बेहतर होगा कि हम खुद को बदलें. सहयोगात्मक रवैया रखें. अपनी तरफ से पूरी कोशिश करें कि हमारा संबंध सबसे अच्छा हो - घर में भी और घर के बाहर भी.

ये है उपाय

क्या आप अपनी पढ़ाई से छुटकारा पा सकते हैं? क्या आप अपने घर के कामों से छुटकारा पा सकते हैं? दोनों का जवाब होगा - नहीं. जिस काम से छुटकारा नहीं पा सकते, उसे इंजॉय करना सीखिए. मायूस या क्रोधित होकर काम करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला. जो विषय अच्छा नहीं लगता, किसी एक्सपर्ट से सीखिए. खुद काम करने का मन नहीं करता, तो हेल्पिंग हैंड रखिए. दोनों कंडीशन में आपको पैसा खर्च करना पड़ेगा. समस्या तब खड़ी होती है जब लोग बिना पैसा खर्च किए सब कुछ पा लेना चाहते हैं. यह नहीं हो सकता. पैसा खर्च कीजिए, मानसिक तनाव कम कीजिए. और सबसे बड़ी बात, अपने काम को इंजॉय करना. तब मॉर्निंग ब्लूज़ आप से आंख मिलाने की हिम्मत नहीं करेगा. अपने घिसे-पिटे रूटीन से बाहर निकलिए. किताबें पढ़ना, संगीत सुना अच्छे शौक हैं, लेकिन सर्जनात्मक शौक हमें सकारात्मक रूप से व्यस्त रखते हैं. गार्डनिंग करना, पेंटिंग करना, हैंडीक्राफ्ट बनाना, घर सजाना, अच्छे-अच्छे व्यंजन बनाना, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेना सर्जनात्मक शौक हैं. अगर हम थोड़ा समय भी अपने इन शौक के लिए देते हैं, तो हम अपने नीरस रूटीन से बाहर निकलते हैं. हमारे अंदर ऊर्जा का संचार होता है.

मॉर्निंग ब्लूज़ एक आम समस्या है. जरूरी है, इसे जानना और इससे बाहर आना. तभी हमें काम करने में आनंद आएगा. हम स्वस्थ रहेंगे. यह एक ऐसी समस्या है, जिसका समाधान काफी हद तक हमारे हाथों में है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

3000 मीटर स्टीपलचेस में साबले ने रचा इतिहास, स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने

स्वर्णिम साबले

8
मिनट 19.50 सेकंड के साथ साबले ने एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा

भाषा । हांगझोउ

रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन करने वाले अविनाश साबले एशियाई खेलों में पुरूषों की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरूष बन गए . 29 वर्ष के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी साबले ने हांगझोउ खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया. उन्होंने 8 : 19 . 50 सेकंड में रेस पूरी की. उन्होंने 8 : 22 . 79 सेकंड का एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा जो 2018 जकार्ता खेलों में ईरान के हुसैन केहानी ने बनाया था. सुधा सिंह ने 2010 ग्वांग्झू एशियाई खेलों में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था. इससे पहले गत चैंपियन भारत की हेप्टाथलन खिलाड़ी स्वप्ना बर्मन चोटों से जूझने के कारण भाला फेंक स्पर्धा के बाद हेप्टाथलन स्पर्धा से पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गईं. भाला फेंक में 52.55 मीटर का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली स्वप्ना दो दिवसीय कड़ी प्रतियोगिता की इस स्पर्धा में 45.13 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास ही कर सकीं. सात स्पर्धाओं की इस प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक स्पर्धा बची है. स्वप्ना ने 2018 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय हेप्टाथलन खिलाड़ी बनने के दौरान जो दो स्पर्धाएं जीती थी उनमें भाला फेंक भी शामिल था.

तजिंदरपाल सिंह तूर ने एशियाई खेलों का ताज बचाया

गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

भारत के तजिंदरपाल सिंह तूर ने शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का बचाव किया. अपने शानदार प्रदर्शन से तजिंदरपाल सिंह तूर ने चीन में चल रहे एशियाई खेलों में भारत का नाम रौशन किया. शॉटपुट में तेजिंदर पाल सिंह तूर ने अपना खिताब बरकरार रखा.शॉटपुट में तूर ने पहले दो प्रयास में फाउल करने के बाद तीसरे प्रयास में 19.51 मीटर का थ्रो लगाया. उनका चौथा थ्रो 20.06 मीटर का रहा लेकिन पांचवां थ्रो फिर फाउल हो गया. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास आखिरी थ्रो पर 20.36 मीटर था जिसने उन्हें स्वर्ण पदक दिलाया. तूर ने जकार्ता खेलों में 20.75 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा हासिल किया था. सउदी अरब के मोहम्मद डोडा टोलो ने 20. 18 मीटर के साथ रजत पदक जीता जबकि चीन के लियू यांग ने 19.97 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया.

परवीन का पदक के साथ ओलंपिक कोटा सुनिश्चित

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाकर एशियाई खेलों में पदक सुनिश्चित करने के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया. विश्व चैंपियनशिप में 63 किग्रा में पदक जीतने वाली परवीन ने रविवार को यहां क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की सितोरा तर्डिबेकोवा को सर्वसम्मत फैसले से हराया.

निकहत ने जीता कांस्य

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में थाईलैंड की रकास्त चुथामत से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. थाईलैंड की मुक्केबाज ने सेमीफाइनल मुकाबले में 2-1 के विभाजित फैसले से जीत दर्ज की. निकहत ने पहला राउंड जीत लिया था लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने वापसी करते हुए अगले दोनों राउंड जीतकर फाइनल में प्रवेश किया. राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उत्तर कोरिया की मुक्केबाज वोन उन्गयोंग से दूसरे दौर में आरएससी (रेफरी द्वारा मैच रोकने) से हारने के बाद बाहर हो गईं.

भारत के पदकों का अर्धशतक पूरा

स्वर्णः 13 रजतः 20 कांस्यः 19

मिश्रित युगल स्क्वाश में भारत की विजयी शुरुआत

भारतीय पुरुष टीम के रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान का हराकर स्वर्ण पदक जीतने के बाद मिश्रित टीमों ने भी यहां एशियाई खेलों के अपने पूल चरण के मुकाबले जीतकर अच्छी शुरुआत की. पूल ए में दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह संधू की जोड़ी ने जेइजिन यू और हवायिओंग युम की दक्षिण कोरिया की जोड़ी को 22 मिनट में 2-0 (11-2, 11-5) से हराया.

पुरुष ट्रैप टीम को स्वर्ण,महिला टीम ने रजत जीता

भारतीय ट्रैप निशानेबाजों ने एशियाई खेलों में निशानेबाजी के आखिरी दिन को यादगार बना दिया जब पुरूष टीम ने स्वर्ण और महिला टीम ने रजत पदक जीता जबकि कीनान चेनाई ने व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया. आखिरी दिन ट्रैप में मिले तीन पदकों के बाद भारतीय निशानेबाज सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य समेत 22 पदक लेकर लौटेंगे जो एशियाई खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. पुरूष और महिला टीम के पदकों के बाद नजरें कीनान और जोरावर सिंह तथा मनीषा कीर पर लगी थी जो छह निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचे थे. कीनान ने 40 में से 32 स्कोर किया और रजत की दौड़ में थे लेकिन आखिर में कांस्य पदक जीता. तीसरी बार एशियाई खेलों में उतरे जोरावर 23 स्कोर करके पांचवें स्थान पर रहे और व्यक्तिगत पदक जीतने का उनका सपना फिर अधूरा रहा. महिलाओं के व्यक्तिगत वर्ग में मनीषा कीर 25 में से 16 स्कोर करके छठे स्थान पर रही.

- कीनान ने व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य जीता
- निशानेबाजों ने अब तक जीते 22 पदक

हॉकी: भारत और दक्षिण कोरिया के बीच मैच ड्रॉ

भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई खेलों में पूल ए के मैच में दक्षिण कोरिया ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका हालांकि बेहतर गोल औसत के आधार पर भारतीय टीम अभी भी शीर्ष पर है. दक्षिण कोरिया के लिये 12वें मिनट में चो हायेजिन ने गोल कर दिया जबकि भारत के लिये तीसरे क्वार्टर में नवनीत कौर ने 44वें मिनट में बराबरी का गोल दागा. विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 12वीं रैंकिंग वाली कोरियाई टीम से गोल औसत बेहतर होने के कारण पूल ए में शीर्ष पर है. शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी.

कयाक एकल 500 के फाइनल में पहुंची सोनिया

भारत की सोनिया देवी फिरेम्बम ने रविवार को यहां एशियाई खेलों में महिला कयाक एकल 500 मीटर में दूसरे स्थान के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन मेघा प्रदीप महिला कैनो एकल 200 मीटर के फाइनल में हार गईं. सोनिया देवी सुबह के सत्र में 2:17.351 के समय के साथ महिलाओं की कयाक एकल 500 मीटर (स्प्रिंट) हीट 2 में चौथे स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही.

आखिरी दौर में फिसलीं अदिति, जीता रजत

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एशियाई खेलों की महिला गोल्फ स्पर्धा के आखिरी दिन रविवार को यहां अपनी लय बरकरार नहीं रखी सकी और पांच ओवर 77 का निराशाजनक कार्ड खेलकर रजत पदक अपने नाम किया. महिला गोल्फ में यह भारत का पहला पदक है. अदिति के पास तीसरे दौर के बाद तालिका में शीर्ष पर सात शॉट की बड़ी बढ़त थी. उन्होंने एक बर्डी के मुकाबले चार बोगी और एक डबल बोगी कर के इस बढ़त को गंवा दिया और दूसरे स्थान पर खिसक गयी. इस पच्चीस साल की खिलाड़ी का कुल स्कोर 17 अंडर 271 रहा.

फील्ड अपडेट

अजंबर गुड़िया मेमोरियल फुटबॉल प्रतियोगिता 8 से

मनोहरपुर। सुदूरवर्ती सारंडा अंतर्गत मकरंडा पंचायत के ग्राम सागजोड़ी में दो दिवसीय 26वां स्व.अजंबर गुड़िया मेमोरियल फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया है. यह प्रतियोगिता 8 व 9 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी. इस प्रतियोगिता में झारखंड व ओडिशा की 26 टीमें शामिल होंगी. यह जानकारी आयोजन समिति ब्वॉयज क्लब सागजोड़ी के सचिव संदीप गुड़िया ने दी. कहा कि इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि जगन्नाथपुर विधान सभा के विधायक सोनाराम सिंकु व विशिष्ट अतिथि रंजीत यादव जिला परिषद उपाध्यक्ष व रानी गुड़िया मुखिया मकरंडा पंचायत को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया हैं. उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 25 हजार रुपये नकद, ट्रॉफी व खस्सी, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रुपये नकद, खस्सी व ट्रॉफी, तृतीय पुरस्कार 10 हजार नकद व खस्सी व चतुर्थ पुरस्कार के रूप में 5 हजार नकद व खस्सी प्रदान की जाएगी.

10 दिसंबर को होगी आरएफसी टीकर फुटबॉल प्रतियोगिता

चांडिल। आरएफसी टीकर ईचागढ़ की ओर से आयोजित की जाने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन इस वर्ष दस दिसंबर को होगा. प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर रविवार को आरएफसी टीकर की बैठक ललित मोहन घोष की अध्यक्षता में हुई. मौके पर प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर चर्चा करते हुए इसकी रूपरेखा तय की गई. टीकर स्कूल मैदान में होने वाले प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें शामिल होगी. प्रतियोगिता के विजेता टीम को डेढ़ लाख रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा. वहीं उप विजेता टीम को एक लाख रुपये का इनाम मिलेगा. प्रतियोगिता में प्रवेश शुल्क 21 हजार रुपये रखा गया है. बैठक में प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कई प्रस्ताव पारित किया गया. बताया गया कि कोई टीम अगर विदेशी खिलाड़ी को शामिल करना चाहता हो तो उनकी संख्या तीन से अधिक नहीं होगी.

सॉफ्ट टेनिस के चयन ट्रायल में 12 जिलों के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

रांची। झारखंड सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को जूनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम के गठन के लिए चयन ट्रायल जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में झारखंड सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के द्वारा लिया गया. जिसमे पलामू, पूर्वी सिंहभूम, रांची, हज़ारीबाग, बोकारो संग 12 जिलों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. इसमें चुने गए खिलाड़ी 15 से 19 अक्टूबर तक आंध्रप्रदेश के विजयवडा में आयोजित अंडर-18 आयु वर्ग के 18 वीं जूनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे. झारखंड सॉफ्ट टेनिस संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने अपने संबोधन में विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों और खेल विशेषज्ञों को सॉफ्ट टेनिस के खेल के बारे में जानकारी दी, जिसमें उन्होंने बताया कि यह खेल विश्वस्तरीय है, एशियाई खेलों में इसका विशेष स्थान है.

कबड्डी : बालक वर्ग में +2 हाई स्कूल मोरबे की टीम बनी विजेता

संवाददाता। गढ़वा

खेलो झारखंड 2023- 24 के अंतर्गत जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन रामासाहू मुख्यमंत्री उत्कृष्ट उच्च विद्यालय गढ़वा के मैदान में किया गया. इस प्रतियोगिता का शुभारंभ सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश कुमार, शंभूदत्त मिश्रा एवं राकेश कुमार पांडेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया. अंडर-17 बालक वर्ग में राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय मोरबे मझिआंव की टीम विजेता बनी. उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरवाडीह चिनिया की टीम उपविजेता बनी. वहीं अंडर-17बालिका वर्ग में रा.कृत 2उच्च विद्यालय खरौधा की टीम विजेता एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय मोरबे की टीम उपविजेता बनी.

इस पूरे खेलो झारखंड कार्यक्रम का संचालन संकुल साधन सेवी देवेंद्र नाथ उपाध्याय ने किया. इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों को सम्मानित करने के क्रम में सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश कुमार ने खेलो झारखंड 2023- 24 के महता पर विस्तार से प्रकाश डाला.

दमखम के साथ उतरेगा भारत

विश्व कप

भाषा । नई दिल्ली

एशिया कप में प्रभावशाली खेल के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम आगामी आईसीसी विश्व कप में आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी. टीम पिछले कुछ मैचों में अपनी सभी कमियों को दूर करने में सफल रही है लेकिन अंतिम एकादश तय करते समय मध्यक्रम में किसे मौका मिले इसका पेंच फंसा हुआ है. भारतीय टीम आठ अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी. इस विश्व कप में विराट अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे और सचिन के रिकॉर्ड को तोड़ना चाहेंगे. एकदिवसीय में विराट के नाम 47 शतक है सचिन तेंदुलकर में 49 शतक एकदिवसीय शतक है.

मजबूती

टीम के बल्लेबाजी क्रम को लेकर किसी के मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए. यह बल्लेबाजी क्रम 2011 की ऐतिहासिक टीम के बाद से भारत का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी क्रम है. रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा की मौजूदगी इस टीम की बल्लेबाजी को बेहद मजबूत बनाती है. टीम के पास ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव जैसे विकल्प भी है जो अपने दम पर मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं.

कमजोरी

भारतीय टीम की स्पिन गेंदबाजी कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन सपाट पिचों पर रविचंद्रन अश्विन और जडेजा की गेंदबाजी बल्लेबाजों को रोकने में कितनी सफल होगी यह देखना होगा. अक्षर पटेल के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम को दायें हाथ के स्पिनर का विकल्प मिला लेकिन युजवेंद्र चहल को इस प्रारूप में लगभग एक साल तक लगातार टीम में रखने के बाद बाहर का रास्ता दिखाना यह दर्शाता है कि चयनकर्ताओं के पास विकल्प की कमी है.

मौका

इस बात में कोई शक नहीं यह विश्व कप आईसीसी प्रतियोगिता होने के बाद भी टीमों को घरेलू परिस्थितियों का लाभ मिलता है. विश्व कप के दौरान पिच की जिम्मेदारी आईसीसी के क्यूरेटर की होती है लेकिन स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी टीम के लिए 12वें खिलाड़ी का काम करती है. इन परिस्थितियों में कप्तान रोहित शर्मा के पास विश्व कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा. कुछ स्थानों पर ओस से परेशानी हो सकती है. ऐसे में अगर लक्ष्य का पीछा करने की बात आती है तो इस मामले में भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ है.

खतरा

टीम के लिए अधिक विकल्प होना कई बार सिरदर्दी हो सकती है. मैदान और पिच के मुताबिक गेंदबाजी विभाग में बदलाव होते रहना लाजमी है लेकिन किशन की जगह अय्यर को अंतिम एकादश में शामिल करने का फैसला उतना आसान नहीं होगा. किशन को पिछले कुछ समय में जो भी भूमिका दी गयी है, उन्होंने उसे शानदार तरीके से पूरा किया है. टीम में लोकेश राहुल के आने के बाद उन्हें बाहर बैठना पड़ सकता है. राहुल पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे.

खेलो झारखंड खेलगांव के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्टेडियम में वुशु प्रतियोगिता का हुआ समापन

19 स्वर्ण के साथ रांची की टीम बनी ओवरऑल चैंपियन

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय खेलो झारखंड वुशु प्रतियोगिता का समापन हुआ. खेलगांव के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में अयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर से वूशु के अंडर -14 और अंडर- 17 (बालक बालिका) के 35 भार वर्ग में खिलाड़ियों ने भाग लिया.

इस प्रतियोगिता में रांची की टीम 19 स्वर्ण पदक के साथ ओवरऑल चैंपियन बनी. समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ विजय कुमार सिंह (रजिस्ट्रार सरला बिरला यूनिवर्सिटी), विशिष्ट अतिथि शिवेंदु दुबे, (कोषाध्यक्ष झारखंड ओलिंपिक संघ), शैलेंद्र दुबे (महासचिव झारखंड वुशू संघ), कुमुद प्रसाद साहू, उदय साहू, अमर प्रियदर्शी (निदेशक-झारखंड वूशु संघ) ने विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान किया.

10 स्वर्ण के साथ रामगढ़ की टीम दूसरे स्थान पर रही

रांची की टीम 19 स्वर्ण, 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ बनी ओवरऑल चैंपियन बनी. वहीं रामगढ़ की टीम 10 स्वर्ण, 6 रजत एवं 6 कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रही. विजेताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित की जायेगी, जिसके बाद रांची में जनवरी में होने वाली राष्ट्रीय स्कूली खेल 2023-24 में राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे. प्रतियोगिता को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद कोषांग के सदस्य एम मोदस्सर, समीर कुमार, प्रभात रंजन तिवारी समेत अन्य लोगों ने अहम भूमिका निभाई .

स्वच्छता ही सेवा...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान की अपील पर नेताओं से लेकर छात्रों तक, सभी क्षेत्रों के लोगों ने रविवार को एक घंटे के श्रमदान में हिस्सा लिया. खुद, प्रधानमंत्री मोदी ने भी हाथ में झाड़ू थामकर एक पार्क में सफाई की. प्रधानमंत्री ने बैयानपुरिया से स्वच्छता अभियान में फिटनेस के महत्व पर बात की. प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में धीरे-धीरे स्वच्छता का वातावरण बन रहा है. अब तो बच्चे भी बड़ों को गंदगी फैलाने पर टोकने लगे हैं. वहीं, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दिल्ली के झंडेवालान इलाके में इस अभियान में शामिल हुए. देशभर में केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने झाड़ू उठाकर स्वच्छता ही सेवा अभियान में हिस्सा लिया. स्वच्छता ही सेवा अभियान पर पुरी के समुद्र तट पर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने रेत की विशेष कृति बनाई.

आओ जानें

मालदीव में अब तक के राष्ट्रपति

राष्ट्रपति का नाम	वर्ष	पार्टी
मोहम्मद अमिन दीदी	जनवरी 1953	राय्यिथुंगे मुथागाद्दिम
इब्राहिम मोहम्मद दीदी	सितम्बर 1953	राय्यिथुंगे मुथागाद्दिम (कार्यकारी राष्ट्रपति)
मुहम्मद फ़रीद (सुल्तान)	मार्च 1954	शाही परिवार
इब्राहिम नासिर	नवम्बर 1968	निर्दलीय
मॉमून अब्दुल गय्यूम	नवम्बर 1978	धिवेही राय्यिथुंगे
मोहम्मद नशीद	नवम्बर 2008	मालदिवियन डेमोक्रेटिक
मोहम्मद वहीद हसन	फरवरी 2012	गौमी इत्तिहाद
अब्दुल्ला यामीन	नवम्बर 2013	प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव
इब्राहिम मोहम्मद सोलिह	नवम्बर 2018	मालदिवियन डेमोक्रेटिक
मोहम्मद मुइज	अक्टूबर 2023	पीपुल्स नेशनल कांग्रेस

ब्रीफ खबरें

ट्रेन रोकी तो यात्रियों ने किया विरोध प्रदर्शन

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के दिवा में रविवार को एक ट्रेन रोके जाने के खिलाफ यात्रियों ने प्रदर्शन किया. इसके चलते मध्य रेलवे की मुख्य लाइन पर ट्रेन यातायात 45 मिनट प्रभावित रहा. पालघर के पनवेल-कलंबोली खंड पर शनिवार दोपहर एक मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतर गए थे. मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने बताया कि मालगाड़ी के डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण 12133 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-मंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेन को रोका.

सोबती ने उप प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने रविवार को नौसेना के उप प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया. यह जानकारी अधिकारियों ने दी. उन्होंने बताया कि सोबती ने वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू की जगह ली है, जो सेवानिवृत हो गए हैं. सोबती एक जुलाई 1988 को भारतीय नौसेना का हिस्सा बने थे. वह नौवहन विशेषज्ञ माने जाते हैं. सोबती ने नौसेना में कई पदों पर सेवाएं दी हैं. सोबती आईएनएस निशंक, आईएनएस कोरा और आईएनएस कोलकाता जैसे नौसेना के जहाजों को कमांड कर चुके हैं.

असम के चार जिलों में छह माह बढ़ा अफस्पा

गुवाहाटी। असम पुलिस ने रविवार को कहा कि राज्य के चार जिलों में सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम (अफस्पा) का छह और महीनों के लिए विस्तार कर दिया गया है. गुवाहाटी में असम पुलिस दिवस 2023 के मौके पर आयोजित एक समारोह में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हालांकि, चार अन्य जिलों से अशांत क्षेत्र का दर्जा हटा लिया गया है, जिसके कारण अफस्पा लगाया जाता है. उन्होंने कहा कि आज से असम के केवल चार जिलों में अफस्पा लागू होगा.

छत्तीसगढ़ में भरोसा यात्रा आज निकलेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस अपनी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए राज्य के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में दो अक्टूबर को भरोसा यात्राएं निकालेगी. कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई की संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने एक बयान में बताया कि महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित होने वाले इस मार्च के दौरान उनकी पार्टी लोगों के बीच पहुंचेगी और भारतीय जनता पार्टी को बेनकाब करेगी.

तुर्किये की राजधानी में आत्मघाती हमला

अंकारा। तुर्किये के गृह मामलों के मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि रविवार को उनके मंत्रालय के पास एक आत्मघाती हमलावर ने एक विस्फोटक उपकरण में धमाका कर दिया. वहीं, दूसरे हमलावर को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया. येरलिकाया ने कहा कि राजधानी अंकारा में हमले के दौरान दो पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए. तुर्किये में ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद रविवार को संसद की कार्यवाही फिर से शुरू होनी थी. कार्यवाही शुरू होने से कुछ घंटों पहले यह आत्मघाती हमला हुआ.

विपक्ष के उम्मीदवार ने सोलिह को हराकर जीता मालदीव के राष्ट्रपति पद का चुनाव

चीन समर्थक मुइज बने राष्ट्रपति

भाषा। माले (मालदीव)

मालदीव में विपक्ष के उम्मीदवार मोहम्मद मुइज ने 53 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करते हुए राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया. इस चुनाव को एक जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा था कि देश में भारत या फिर चीन में से किस क्षेत्रीय शक्ति का अधिक प्रभाव रहेगा. मिहारू न्यूज के अनुसार, निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को 46 फीसदी वोट हासिल हुए. मुइज को उनसे 18,000 से अधिक मत मिले.

मुइज ने जीत के बाद एक बयान में कहा कि आज के नतीजे के साथ हमें देश के भविष्य का निर्माण करने का मौका मिला है. मालदीव की आजादी सुनिश्चित करने की ताकत मिली है. यह वक्त अपने मतभेदों को दूर रखने और एकजुट होकर काम करने का है. हमें एक शांतिपूर्ण समाज की आवश्यकता है. मुइज ने सोलिह से पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को घर में नजरबंद करने के बजाय जेल भेजने का भी अनुरोध किया.

वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर लड़े थे मुइज : यह जीत मोहम्मद मुइज के लिए हैरान करने वाली है, क्योंकि वह एक वैकल्पिक उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे थे. उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन और भ्रष्टाचार के जुर्म में सजा काट रहे यामीन को चुनाव लड़ने से रोक दिया था. इसके बाद मुइज ने आखिरी वक्त में नामांकन दाखिल किया था.

मुइज की पार्टी के एक शीर्ष अधिकारी मोहम्मद शरीफ ने कहा कि यह परिणाम हमारे लोगों की देशभक्ति को दर्शाता है. यह हमारे सभी पड़ोसियों और द्विपक्षीय साझेदारों से हमारी स्वतंत्रता एवं संप्रभुता का पूरा सम्मान करने का आह्वान करता है.

पीएम मोदी ने दी मुइज को बधाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर मोहम्मद मुइज को रविवार को बधाई दी. प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भारत समय की कसौटी पर खरे उतरे भारत-मालदीव के द्विपक्षीय संबंध को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है.

चुनाव परिणाम

- निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम को 46 फीसदी वोट मिले
- 53 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त कर मुइज जीते

रूस के समर्थक हैं पूर्व पीएम रॉबर्ट फिको

फिको ने जीता स्लोवाकिया संसदीय चुनाव

भाषा। ब्रातिस्लावा

स्लोवाकिया के पूर्व प्रधानमंत्री एवं लोकवादी नेता रॉबर्ट फिको और उनके वामपंथी दल ने देश के संसदीय चुनावों में जीत दर्ज की है. चुनाव प्रचार के दौरान रूस समर्थक रुख रखने और अमेरिका विरोधी संदेश देने के बाद मिली इस जीत को उनकी जबरदस्त राजनीतिक वापसी के तौर पर देखा जा रहा है. स्लोवाक सांख्यिकी कार्यालय ने रविवार तड़के तक करीब छह हजार मतदान केंद्रों पर डाले गए 99.2 प्रतिशत मतों की गणना की.

मतगणना के अनुसार, फिको और उनके वामपंथी दल डायरेक्शन-स्लोवाक सोशल डेमोक्रेसी (एसएमईआर) को सर्वाधिक 23.3 फीसदी मत प्राप्त हुए हैं. इस चुनाव को रूसी युद्ध का सामना कर रहे पड़ोसी देश यूक्रेन की मदद के संदर्भ में स्लोवाकिया के लिए परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था. फिको की जीत यूरोपीय संघ और नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) की नाजुक एकता को और नुकसान पहुंचा सकती है. फिको (59) ने वादा किया था कि अगर वह सत्ता में वापसी के अपने प्रयास में सफल हो जाते हैं तो वह यूक्रेन को स्लोवाकिया द्वारा दिए जा रहे सैन्य समर्थन को वापस ले लेंगे. कुल 55 लाख की आबादी वाला देश स्लोवाकिया, रूस द्वारा युद्ध छेड़े जाने के बाद से यूक्रेन का कट्टर समर्थक रहा है. चुनाव में किसी भी दल को बहुमत प्राप्त नहीं होने पर गठबंधन सरकार गठित करने की आवश्यकता होगी।. चुनाव के लिए शनिवार को मतदान हुआ था, जिसमें उदारवादी और पश्चिम समर्थक नए दल प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया 17 फीसदी मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहा.

चीन की समर्थक है मुइज की पार्टी

राष्ट्रपति पद के लिए सितंबर की शुरुआत में हुए मतदान के पहले चरण में मुख्य विपक्षी उम्मीदवार मोहम्मद मुइज और मौजूदा राष्ट्रपति सोलिह में किसी को भी 50 फीसदी से ज्यादा वोट नहीं मिल पाए थे. सोलिह 2018 में पहली बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे. सोलिह मुइज के इन आरोपों से जूझ रहे हैं कि उन्होंने भारत को देश में अनियंत्रित मौजूदगी की अनुमति दी थी. मुइज की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस को चीन समर्थक माना जाता है.

'भारतीय सैनिकों को वापस भेजेंगे'

मोहम्मद मुइज ने वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीत जाते हैं, तो मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों को वापस भेजेंगे और देश के कारोबारी संबंधों को संतुलित करेंगे. उनका कहना है कि वर्तमान में कारोबारी संबंध भारत के पक्ष में हैं. पेशे से इंजीनियर रहे मुइज सात साल तक आवास मंत्री रहे. जब उन्हें राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए नामित किया गया, तो उस समय वह राजधानी माले के मेयर थे.

वायुसेना के हेलीकॉप्टर की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग

भाषा। भोपाल

भारतीय वायुसेना का एक विमान रविवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण भोपाल के एक गांव में आपात स्थिति में उतरा. विमान में छह लोग सवार थे. बैरसिया पुलिस थाने के निरीक्षक नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि पायलट और चालक दल के पांच सदस्य सुरक्षित हैं. घटना सुबह करीब पौने नौ बजे हुई. कुलस्ते ने बताया कि वायुसेना की तृतीय एचयू यूनिट के विमान को भोपाल जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर डुंगरिया गांव में एक तालाब के पास खेत में आपात स्थिति में उतारा गया. विमान भोपाल से झांसी जा रहा था, तभी उसमें कोई तकनीकी खराबी आ गई. तकनीकी गड़बड़ी को ठीक करने के लिए वायुसेना का एक दल घटनास्थल पर पहुंच गया है. तकनीशियनों के एक अन्य दल के जल्द ही नागपुर से डुंगरिया गांव पहुंचने की उम्मीद है.

मणिपुर को न्यायसंगत सत्ता बंटवारे की जरूरत : सुगत

भाषा। कोलकाता

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पौत्र प्रोफेसर सुगत बोस ने मणिपुर में स्थिति को दुखद बताते हुए तीनों समुदायों (मैतेई, कुकी और नगा) के बीच सहमति बनाने के लिए राज्य में न्यायसंगत सत्ता बंटवारा व्यवस्था पर काम करने का आह्वान किया.

पूर्व लोकसभा सदस्य बोस ने एक साक्षात्कार में कहा कि तीनों समुदायों के सदस्य 1944 में नेताजी की इंडियन नेशनल आर्मी में शामिल हुए थे. उन्होंने बिष्णुपुर और उखरुल जिलों में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी थी. मणिपुर में न्यायसंगत सत्ता बंटवारे की ऐसी व्यवस्था पर काम करने की जरूरत है जिसमें तीनों समुदायों की भागीदारी हो और उनकी शिकायतों का समाधान किया जाए.

मणिपुर हिंसा

- नेताजी के पौत्र ने प्रदेश के हालात को बताया दुखद
- कुकी, मैतेई, नगा में सहमति को बंटवारे को बताया जरूरी

हमें तीनों समुदायों को फिर से एकसाथ लाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ पिछले सशस्त्र संघर्ष की सर्वश्रेष्ठ विरासत का लाभ उठाने की जरूरत है.

मणिपुर में हालात वास्तव में दुखद हैं. अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए एक समुदाय को दूसरे समुदाय के खिलाफ इस्तेमाल किया गया है. इस तरह का राजनीतिक खेल बंद होना चाहिए.

लंदन में होने लगी 'महाभारत'

भाषा। लंदन

लंदन में रविवार को महाभारत का समकालीन नाट्य मंचन शुरू किया गया. इसमें कई तरह का भारतीय संगीत और नृत्य कला प्रदर्शित की जाएगी. इसके पात्रों में दुनियाभर के कलाकार शामिल हैं.

ब्रिटेन में इस संगीत नाटक का मंचन बार्बिकन थिएटर में अगले सप्ताहांत तक चलेगा. इससे पहले कनाडा में टोरंटो के वाइ नॉट थिएटर और भारतीय मूल के सह-निर्माता मिरियम फर्नांडीज और रवि जैन द्वारा इसका वर्ल्ड प्रीमियर किया गया, जिसे आलोचकों ने काफी सराहा. यह नाटक कर्म और धर्म पर आधारित है. कर्म में प्रतिद्वंद्वी पांडव और कौरव वंश की मूल कहानी है और धर्म युद्ध को दर्शाया गया है, जो पृथ्वी को नष्ट कर देता है.

वाइ नॉट थिएटर के सह-कलात्मक निदेशक फर्नांडीज ने कहा कि दोनों भाग के बीच एक सामुदायिक भोज का आयोजन किया गया है. अगर आप पूरा अनुभव लेना चाहते हैं तो यह सात घंटे की यात्रा है. हम कहानी की शुरुआत भीष्म प्रतिज्ञा से करते हैं और युधिष्ठिर की स्वर्ग यात्रा तक युद्ध के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं.

महाकाव्य के सबसे अहम भाग भगवद् गीता के लिए एक नया ओपेरा भी है जिसमें मंच पर मौजूद बैंड भगवान कृष्ण की पसंदीदा बांसुरी जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों से संगीतमय प्रस्तुति देकर समां बांध देते हैं.

खास बातें

- भारतीय संगीत और नृत्य कला का होगा प्रदर्शन
- भगवद् गीता के लिए एक नया ओपेरा भी शामिल

रामलीला मैदान में महाधरना...

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर रविवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में महाधरना का आयोजन किया गया. इसमें देशभर के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया. लाखों की तादाद में कर्मचारी धरना स्थल पर पहुंचे. -फोटो : पीटीआई

मोहब्बत | सोशल मीडिया के जरिये हुआ था प्यार, शादी करने तीन बच्चों के साथ पहुंची यूपी

बांग्लादेश से आई 'दिलरुबा', प्रेमी निकला शादीशुदा

भाषा। श्रावस्ती (यूपी)

सोशल मीडिया पर बांग्लादेश की एक महिला को यूपी के श्रावस्ती के रहने वाले एक युवक से प्रेम हो गया. इसके बाद महिला प्रेमी से शादी करने के लिए अपने तीन बच्चों के साथ श्रावस्ती पहुंच गई. यहां प्रेमी के शादीशुदा होने का पता चलने के बाद वह अपने वतन लौट गई.

पुलिस सूत्रों और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, श्रावस्ती के भारत-नेपाल सीमावर्ती मल्हीपुर थानाक्षेत्र में भरथा- रोशनगढ़ निवासी अब्दुल करीम (27) और बांग्लादेश के चटगांव की निवासी दिलरुबा शर्मी (32) सोशल मीडिया के जरिये एक-दूसरे के संपर्क में आए थे. दोनों ने शादी का फैसला कर लिया. करीम बहरीन के एक रेस्तरां में काम करता है. दिलरुबा के पति की कोविड-19 महामारी में मौत हो गई थी.

पर्यटक वीजा पर आई थी भारत : पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिलरुबा पर्यटक वीजा पर 26 सितंबर को बेटी संजीदा (15), पुत्र मोहम्मद साकिब (12) और मोहम्मद रकीब (सात) के साथ लखनऊ पहुंची. वहीं, करीम भी उसी दिन बहरीन से लखनऊ पहुंच गया. ये सभी लखनऊ से बहराइच गये. वहां दो दिन किसी होटल में रुकने के बाद सभी श्रावस्ती स्थित करीम के घर पहुंचे. करीम ने शादीशुदा होने की बात छुपाई थी. दिलरुबा जब उसके घर पहुंची तो करीम की पत्नी ने विरोध किया. विवाद देख ग्रामीणों ने एसएसबी के अधिकारियों को सूचित किया.

प्रेम प्रसंग

- प्रेमी की पत्नी को रास नहीं आया पति का प्रेम
- प्रेमी की असलियत जानने के बाद लौटी अपने वतन

खुफिया एजेंसियों ने की पूछताछ

सूत्रों ने बताया कि विदेशी महिला का मामला देखकर सुरक्षा एंजेसियों ने गहन पूछताछ शुरू की. प्रेमी के शादीशुदा होने और उसकी पत्नी के साथ विवाद बढ़ने पर दिलरुबा ने बच्चों सहित वापस बांग्लादेश जाने का फैसला कर लिया. मल्हीपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने रविवार को बताया कि बांग्लादेशी महिला साधारण पर्यटक वीजा पर यहां आई थी. वीजा की अवधि अभी शेष थी और पूछताछ में कोई अपराधिक मामला सामने नहीं आया, इसलिए उसे और उसके बच्चों को वापस भेज दिया गया. श्रावस्ती के अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शुक्रवार को बांग्लादेशी महिला और बहरीन से पहुंचे भारतीय युवक अब्दुल करीम से एसएसबी, आतंकवाद निरोधक दस्ता, खुफिया ब्यूरो, स्थानीय अभिसूचना इकाई तथा स्थानीय पुलिस ने गहन पूछताछ की है.

अमेरिका : सरकारी कामकाज ठप होने का अब खतरा नहीं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में संघीय सरकार के कामकाज के ठप होने (शटडाउन) का खतरा शनिवार देर रात टल गया. राष्ट्रपति जो बाइडन ने सरकारी एजेंसियों के संचालन को बरकरार रखने के लिए एक अस्थाई अनुदान योजना से संबंधित विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए.

संसद में पारित किए गए इस विधेयक में यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद में कटौती करने और बाइडन के अनुरोध पर संघीय आपदा सहायता बजट बढ़ाकर 16 अरब अमेरिकी डॉलर करने का प्रावधान किया गया है. यह विधेयक आगामी 17 नवंबर तक सरकारी कामकाज के लिए वित्त मुहैया कराएगा. रूस से जारी युद्ध में यूक्रेन को सैन्य मदद उपलब्ध कराना व्हाइट हाउस की प्राथमिकता रहा है, जिसका कई रिपब्लिकन सांसद विरोध करते रहे हैं. प्रतिनिधि सभा में कई दिनों से जारी गतिरोध के बीच सदन के स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने खर्च में भारी कटौती की मांग शनिवार रात छोड़ दी. डेमोक्रेट सांसदों के सहयोग से पारित विधेयक को सीनेट की मंजूरी के लिए भेजा. बाद में सीनेट ने भी विधेयक को हरी झंडी दिखा दी.

हुए हस्ताक्षर

- राष्ट्रपति ने अस्थायी अनुदान विधेयक पर किए हस्ताक्षर
- सरकारी कामकाज ठप होने का अब खतरा नहीं

अडाणी का स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम

वाटर मैनेजमेंट सिस्टम ने उद्योगों को दी नई उड़ान

पर्यावरण के हित में मीठे पानी के स्रोतों पर निर्भरता न्यूनतम करने पर है जोर

शुभम संदेश नेटवर्क

सभी तरह की उत्पादन प्रौद्योगिकियां अक्सर बाधित जलापूर्ति के दर्द को महसूस कर रही हैं. बढ़ी हुई नियामक आवश्यकताओं, पानी की गुणवत्ता में बदलाव या बढ़ती जल आपूर्ति लागत इसकी वजह हो सकती है. बिजली संयंत्रों पर पानी से संबंधित बढ़ते दबाव को देखते हुए एक संयंत्र अपने पानी और वेस्ट वाटर को आंतरिक रूप से कैसे प्रबंधित करता है, इसकी स्पष्ट समझ संयंत्र संचालकों के लिए अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है.

बिजली संयंत्र में पानी का उपयोग कैसे किया जाता है, इसका सक्रिय प्रबंधन पानी की खपत को कम करने के अलावा और भी बहुत कुछ कर सकता है. यह परिचालन लागत को भी कम कर सकता है और भविष्य के लिए संयंत्र की योजना बनाने में मदद कर सकता है. प्री-ट्रीटमेंट सिस्टम में वेस्ट वाटर, स्ट्रेनर, फिल्टर बैकवाश वॉटर, डीवाटरिंग उपकरण फ़िल्टर और अन्य संयंत्र स्रोतों में ट्रैकिंग सक्षम करने के लिए उसका मूल्यांकन किया जाता है. बात अगर अडाणी समूह की करें, तो इनका सभी व्यवसायों में जल प्रबंधन सबसे रणनीतिक संरक्षण उपायों में से एक रहा है.

650 मिलियन लीटर पानी का ट्रीटमेंट कर पुनः उपयोग किया जाता है

2025 तक 48 देशों को पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ेगा

2050 तक 4 अरब लोग पानी की कमी से गंभीर रूप से प्रभावित होंगे.

वेस्ट वाटर मैनेजमेंट प्रणाली स्थापित की

अडाणी पोर्ट्स और एसईजेड लिमिटेड ने प्रमुख बंदरगाहों पर वेस्ट वाटर मैनेजमेंट प्रणाली स्थापित की है और अब तक 650 मिलियन लीटर का ट्रीटमेंट और पुनः उपयोग किया जाता है. ये प्रणाली आस-पास की सामुदायिक परिषदों के पानी को भी साफ करती हैं. इतना ही नहीं, माइनिंग वॉशरी में 100% पानी रिसाइकल किया जाता है. मुंद्रा (गुजरात) और उडुपी (कर्नाटक) में अडाणी बिजली संयंत्रों के लिए पानी की आवश्यकता का एक प्रमुख स्रोत डेसेलाइन पानी है. इससे मीठे पानी के स्रोतों पर निर्भरता से बचा जा सकता है. मुंद्रा स्पेशल इकोनॉमिक जोन में औद्योगिक इकाइयों के भीतर पानी की जरूरतों के एक बड़े हिस्से को खारा पानी भी पूरा करता है. ट्रीटेड वाटर के साथ, मुंद्रा एसईज़ेड इन टिकाऊ स्रोतों से पानी की 95% आवश्यकता को पूरा करता है. अडाणी समूह सालाना 2 अरब लीटर से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग करते हैं, जिसका उपयोग लगभग 891 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करने के लिए किया जा सकता है, जो एक महीने के लिए 8.9 मिलियन घरों को रोशन कर सकता है.

18 राज्यों में जल संरक्षण परियोजनाएं

इसके अलावा अडाणी फाउंडेशन के तहत पीने के साफ पानी की आवश्यकता और सिंचाई को पूरा करने के लिए भारत के 18 से ज्यादा राज्यों में जल संरक्षण परियोजनाएं चलती हैं. अब तक जल संरक्षण परियोजनाएं 17,000 एकड़ से ज्यादा भूमि के 20,000 से अधिक किसानों तक पहुंच चुकी हैं. हम आपको ये बता दें कि एक बार जब वाटर बैलेंसिंग सिस्टम विकसित हो जाता है और पूरे प्लांट में प्रदूषण के कारक को बड़े पैमाने पर ट्रैक किया जाता है. इसी साल रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को एक स्वतंत्र वैश्विक एजेंसी डीएनवी ने "वाटर पॉजिटिव" प्रमाणन से सम्मानित किया गया है. भारत को 2025 तक पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है. वैश्विक स्तर पर 31 देशों में पहले से ही पानी की कमी है और 2025 तक पानी की गंभीर कमी का सामना करने वाले 48 देश होंगे. संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2050 तक 4 अरब लोग पानी की कमी से गंभीर रूप से प्रभावित होंगे.

आओ जानें

2 अक्टूबर का इतिहास

1869 - मोहनदास करमचंद गांधी का गुजरात के पोरबंदर में जन्म हुआ.
1904 - लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन. एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ ही वह अपनी सादगी और जय जवान जय किसान के नारे के साथ जन जन में लोकप्रिय हुए.
1929 - महात्मा गांधी ने नवजीवन कार्यालय को एक सार्वजनिक न्यास बनाया.
1951 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जन संघ की स्थापना की.
1952 - सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत.
1955 - मद्रास के पेरंबूर में इंटिग्रल कोच फैक्टरी ने रेल का पहला डिब्बा बनाया.
1961 - बंबई में शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना.
1968- ब्रिटेन की एक महिला ने एक साथ छह बच्चों को जन्म दिया.
1971 -बिरला सदन को भारत के राष्ट्रपति ने देश को समर्पित किया. महात्मा गांधी की हत्या इसी भवन में की गई थी और इसका नाम बदलकर गांधी सदन कर दिया गया.
1985 - दहेज निषेध संशोधन अधिनियम लागू.
2001 - 19 देशों के संगठन नाटो ने अफगानिस्तान पर हमले के लिए हरी झंडी दी.
2006 - परमाणु ईंधन आपूर्ति मामले में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को समर्थन देने का फैसला किया.

22 वरिष्ठ मतदाता सम्मानित 102 वर्ष के मतदाता भी थे मौजूद

संवाददाता । हुसैनाबाद, पलामू

.हुसैनाबाद एसडीएम सह निर्वाची पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने लोकतंत्र के महापर्व में निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने वाले वरिष्ठ मतदाताओं को सम्मानित किया. निर्वाची पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने कहा कि आप सबों ने लोकतंत्र के महापर्व में निरंतर भागीदारी सुनिश्चित की है. लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम योगदान दिया है. इसलिए प्रखंड प्रशासन आपका आभार व्यक्त करते हुए सम्मानित करता है. उन्हें बेहद खुशी हो रही है कि इस क्षेत्र में 102 वर्ष के भी मतदाता हैं. इसलिए आप लोगों को वीर मतदाता के रूप में सम्मानित किया जाता है.

85 से 102 साल के मतदाता भी रहे मौजूद : कार्यक्रम में 22 वरिष्ठ महिला-पुरूष मतदाताओं को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. समारोह में 85 साल से 102 के वरिष्ठ मतदाता मौजूद थे. वरिष्ठ मतदाताओं को मौके पर जलपान कराया गया और सम्मान के साथ वापस घर भेजा गया. इस मौके पर पंचायत सचिव सूर्यदेव राम, अंचल नजीर सुनील सिंह, राजस्व निरीक्षक अवसाद अहमद, अंचल कंप्यूटर आपरेटर सुदामा चौहान, टुनटुन सिन्हा, अंचल और प्रखंड के सभी कर्मचारी मौजूद थे.

प्रेमचंद कालिंदी को मिलेगा देबुलाल गोस्वामी कला सम्मान

संवाददाता । बोकारो

खोरठा मासिक पत्रिका लुआठी की ओर से प्रति वर्ष दिये जाने वाली देबुलाल गोस्वामी कला सम्मान इस वर्ष कसमार प्रखंड के पिरगुल निवासी चर्चित शहनाई वादक व खोरठा लोक गायक प्रेमचंद कालिंदी को दिया जाएगा. सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर बालीडीह स्थित सामुदायिक विकास भवन, विशुनपुर में एक समारोह में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा. इसकी जानकारी देते

हुए लुआठी पत्रिका के संपादक गिरिधारी गोस्वामी ने बताया कि खोरठा के बहुमुखी लोक कलाकार देबुलाल गोस्वामी के नाम पर लुआठी की ओर से खोरठा के एक लोक कलाकार को यह सम्मान हर साल दिया जाता है.

9000 समूह की दीदियों को शेयरधारक बनाने का लक्ष्य

संवाददाता । दारू

प्रखंड के पेटो स्थित वनोपज किसान उत्पादक केन्द्र में रविवार को वार्षिक आम सभा हुई. इसमें वित्तीय वर्ष 2022-2023 के सीए की ओर से ऑडिट रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया. इसमें एक वर्ष के आय-व्यय और लाभ-हानि का पूरा ब्योरा कंपनी के सभी उपस्थित शेयर धारकों के बीच रखा गया. इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर का चयन किया गया. दारू प्रखंड के अंतर्गत लगभग 9000 समूह की दीदीयों को इस कंपनी में

शेयर धारक के रूप में जोड़ने का लक्ष्य है. प्रत्येक शेयर धारक प्रति शेयर एक हजार देकर शेयर धारक बन सकते हैं.

अतिथियों की ओर से कंपनी की सभी दीदीयों के कार्य की सराहना करते हुए प्रखंड के विकास में और अधिक योगदान देने व अपने समाज को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएलएफ, पीजी एवं कैडर दीदी को पुरस्कृत किया गया. इससे पहले मुख्य अतिथि सहित हरली की मुखिया फरजाना खातून, कविलासी की मुखिया रीना देवी, दिगवार की पंचायत समिति सदस्य गुड़िया कुमारी, जेएसएलपीएस बीपीएम सुनील कुमार राणा, डीएलएम, प्रिया तिर्की, डीएम लाइवस्टॉक सिद्धार्थ कुमार, बीपीओ रिंकू यादव और शुभम कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस कार्यक्रम में दारू प्रखंड के अंतर्गत नौ पंचायत से समूह की दीदी उपस्थित हुईं. बैठक की अध्यक्षता समिति की बीवोडी पुष्पा कुमारी ने किया.

कॅरियर-काउंसिलिंग

...जानिए ब्लॉगिंग में कैसे बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद । ब्लॉग लिखना ही ब्लॉग राइटिंग कहलाता है, साथ ही किसी विशेष विषय को लिखना और उसे लोगों तक पहुंचाना ब्लॉगिंग कहलाता है. कुछ लोग ब्लॉग राइटिंग सिर्फ अपने अनुभव को बताने के लिए करते हैं और कुछ लोग ब्लॉग राइटिंग पैसे कमाने के लिए करते हैं. आज जब हम गूगल पर कुछ भी सर्च करते हैं तो हमें हजारों ब्लॉग दिखाई देते है. ब्लॉग फ्री में भी लिखा जा सकता है और ब्लॉग राइटिंग में आप अपना करियर भी बना सकते है. आज के युग में अलग-अलग बोलियों और भाषाओं को बढावा दिया जाता है इसका अर्थ यह है कि आप किसी भी भाषा में ब्लॉग लिख सकते हैं. ब्लॉग लिखने से पहले आपको विषय के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए. ब्लॉग लिखने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि गूगल पर सबसे अधिक बार कौन सा कीवर्ड सर्च किया जा रहा है. यदि आप हिंदी में ब्लॉग लिख रहे हैं तो आपको मात्राओं और शब्दों पर विशेष ध्यान देना होगा और यदि इंग्लिश में लिख रहे हैं तो स्पेलिंग का विशेष ध्यान रखें. ब्लॉग लिखने से पहले अपको एसईओ के बारे में पता होना जरूरी है.

फ्री में लिख सकते है ब्लॉग

1 सबसे पहले अपने ब्राउजर के द्वारा ब्लॉगर.कॉम पर जाएं. प्ले स्टोर पर ब्लॉगर नाम से ऐप भी उपलब्ध है. उसे इंस्टॉल करके भी आप ब्लॉग लिख सकते हैं.

2 ब्लॉगर.कॉम का पेज ओपन होने के बाद लॉगिन करें.

3 आपने जिस विषय पर ब्लॉग लिखने का सोचा है उसका नाम डालें.

4 फिर अपने ब्लॉग के नाम से रिलेट करता हुआ एक यूनिक ब्लॉग एड्रेस डालें.

5 आपकी स्क्रीन पर ब्लॉग थीम लिखा हुआ आएगा, उसमें अपने विषय के अनुसार थीम डालें.

6 क्रिएट ब्लॉग पर क्लिक करें और अपना नया ब्लॉग लिखना शुरू करें.

ब्लॉग लिखते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी

1. ब्लॉग लिखते समय आपको हमेशा सरल हिंदी और आम बोल-चाल की भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिसको ज्यादा लोग सुनना और बोलना पसंद करते हैं.
2. ब्लॉग लिखते समय आपको हमेशा सरल हिंदी और आम बोल-चाल की भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिसको ज्यादा लोग सुनना और बोलना पसंद करते हैं.
3. ब्लॉग लिखने से पहले इस बात का खास कर ध्यान रखें कि आप किसी भी ब्लॉग की कॉपी ना कर रहे हों अगर आप ऐसा करते हैं, तो कोई भी आपका ब्लॉग नहीं पढ़ेगा.
4. यह ध्यान रखना जरूरी है कि जिस विषय में आप ब्लॉग लिख रहे हैं, उस विषय में रीडर्स को उनके सभी सवालों के जवाब मिल पाए
5. हफ्ते में अपने ब्लॉग में कम से कम दो हाई क्वालिटी आर्टिकल पब्लिश करें.
6. ब्लॉग के पुराने लेख को अपडेट करें उनमें नई जानकारी जरूर जोड़ें.

सही टॉपिक का करें चयन

ब्लॉग लिखते समय सही टॉपिक या विषय का चयन करना चाहिए. उसके कंटेट अच्छे होने चाहिए. कीवर्ड रिसर्च किसी भी ब्लॉग को लिखने के लिए बहुत ही जरूरी होता है. कीवर्ड के बिना आप अपना ब्लॉग कभी भी गूगल पर आसानी से रैंक नहीं करा सकते हैं. कीवर्ड रिसर्च के लिए सबसे पहले आपको यह निर्णय लेना है कि आपको किस टॉपिक पर लिखना चाहते हैं. इसके बाद आप टॉपिक के लिए कीवर्ड की खोज कर सकते है.

इन पहलुओं पर ध्यान दें

- आपको ब्लॉगर.कॉम पर जाकर आपके द्वारा बनाए गए ब्लॉग को ओपन करें.
- ब्लॉगर के डैशबोर्ड में आपको न्यू पोस्ट का विकल्प दिखेगा, उस पर आपको क्लिक करना है.
- क्रिएट न्यू पर आपको क्लिक करना है, जिससे नया पेज खुल जाएगा.
- टाइटल की जगह आपको अपना हेडलाइन लिखना है.
- फिर आपको पैराग्राफ लिखना शुरू करना है, आपको 2 से 3 पैराग्राफ में अपने लेख के बारें में बताना है कि यह किस विषय में होगा.
- ब्लॉग लिखते समय ध्यान दें कि ब्लॉग पोस्ट में इंटर्नल लिंकिंग जरुर आपने की हो.
- ब्लॉग लिखने के बाद आपको इसकी कैटगरी यानि लेबल को ऐड करना होगा.
- ब्लॉग पोस्ट में आपको इमेज का इस्तेमाल जरुर करना है, और इसके बाद अपने ब्लॉग को पूरा पढ़ें और किसी भी गलती को फिर से जांच लें और उसके बाद ब्लॉग को पब्लिश कर दें.

यहां भी लिख सकते है ब्लॉग

- वर्ड प्रेस.कॉम
- गेटर
- वर्ल्ड प्रेस.ओआरजी
- ब्लॉगर
- तुंबलर
- मेडियम
- स्क्वायर एक्सप्रेस
- विक्स
- घोस्ट

ऐसे शुरू करें ब्लॉग राइटिंग

ब्लॉग टॉपिक का चुनाव करें

ब्लॉग पोस्ट लिखने से पहले ब्लॉग के टॉपिक का चुनाव करना बहुत जरूरी है. दूसरों को देखकर कभी भी ब्लॉगिंग स्टार्ट मत कीजिए. क्योंकि अगर आप दूसरों के ब्लॉग को देखकर अपना ब्लॉग बनायेंगे तो आपके सफल होने की संभावना बहुत कम होगी.

कीवर्ड रिसर्च करें

ब्लॉग पोस्ट लिखने से पहले कीवर्ड रिसर्च करना आवश्यक है, अच्छी कीवर्ड रिसर्च से गूगल में रैंक करने की संभाना बढ जाती है.

लिखने से पहले ब्लूप्रिंट बना लें

कीवर्ड रिसर्च के बाद आपको आर्टिकल का एक ब्लूप्रिंट बना लेना चाहिए. ब्लूप्रिंट का मतलब यह है कि आप किस प्रकार से आर्टिकल लिखेंगें, कौन-कौन से टॉपिक आर्टिकल में कवर करेंगे, पहले कौन सा टॉपिक लिखेंगें, टॉपिक लिखने का क्रम क्या होगा आदि.

कंटेंट रिसर्च करें

ब्लूप्रिंट बनाने के बाद आपको ब्लॉग लिखने के लिए कंटेंट रिसर्च करना होगा. कंटेंट रिसर्च करने से आपको यह आइडिया हो जाएगा कि आप ब्लॉग पोस्ट में सही जानकारी लिख रहे हैं या नहीं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)